स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 87 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ पूर्णिमा 2083 रविवार, 28 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ⁕ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

मुंबई-मुहर्रम जुलूस में दर्द की दवा बताकर जहरीले कैप्सूल बांटे

पुलिस ने 14,900 कैप्सूल के साथ युवक को पकड़ा

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। मुंबई में मोहर्रम जुलूस के दौरान लोगों को जिंक फॉस्फाइड के जहरीले कैप्सूल बांटने का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपी फैयाज प्रेमजी 'दर्द से राहत' के नाम पर लोगों को ये कैप्सूल देने की कोशिश कर रहा था। मामला मुंबई के जेजे और भायखला इलाके का है। जूलूस के दौरान आरोपी ने कई लोगों को ये कैप्सूल दिए थे। इनमें से एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। इसके बाद लोगों को कुछ शक हुआ तो पुलिस से शिकायत की गई।

अमित शाह ने गुजरात में लॉन्च की भारत टैक्सी सर्विस

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। क्या आप भी निजी कैब कंपनियों की मनमानी और कैंसिलेशन की समस्याओं से परेशान हैं? अब इस समस्या का एक नया और ठोस समाधान 'को-ऑपरेटिव मॉडल' (सहकारी ढांचे) के जरिए सामने आया है।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह भारत का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे तौर पर इसे चलाने वाले ड्राइवर्स के पास होगा। भारतीय मोबिलिटी सेक्टर में इस पहल को ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

भारत और सेशेल्स के संबंधों के 50 साल पूरे : मोदी

> 256 साल पहले 5 भारतीय रहने पहुंचे थे, अब हर 8वां नागरिक भारतवंशी

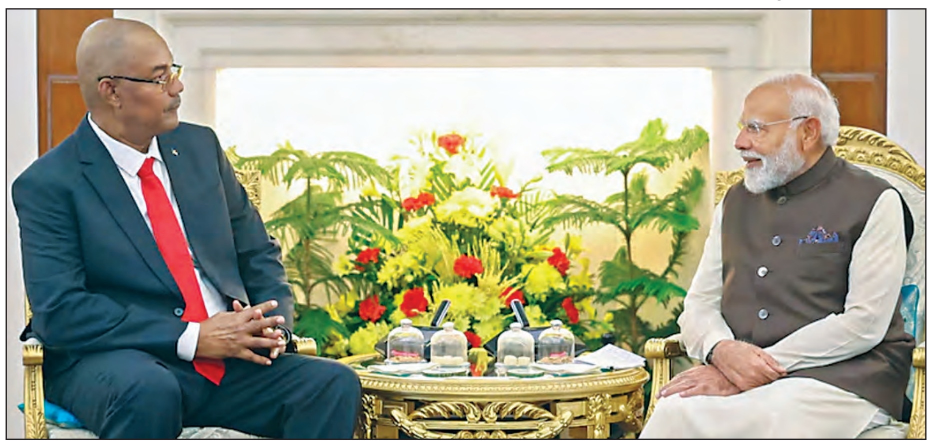

विक्टोरिया, 27 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने सेशेल्स दौरे पर कहा- सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' का प्रमुख साझेदार है। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। फरवरी 2026 में राष्ट्रपति हर्मिनी की भारत यात्रा के बाद अब इस दौरे में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, समृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

मैं सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री बनूंगा। यह अवसर दोनों देशों के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को दर्शाता है। सेशेल्स में बसे भारतीय समुदाय से मिलने का भी अवसर मिलेगा, जिसने पीढ़ियों से दोनों देशों की मित्रता को मजबूत किया है। मुझे विश्वास है कि यह यात्रा भारत-सेशेल्स संबंधों को और गहरा करेगी, हिंद महासागर में समुद्री सहयोग बढ़ाएगी और सुरक्षित, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं। मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे।

हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे। बाद में बिहार, तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय यहां आकर बस गए। >14

पीएम मोदी ने सेशेल्स में 194 साल के कछुए को पत्तियां खिलाईं।

ट्रेड डील और टैरिफ समझौते के बेहद करीब

हैदराबाद में सड़क उनके नाम पर की गई, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले-शुक्रिया

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरूआत में भारत आ सकते हैं। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे।

वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रूबियो से पूछा गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो उन्होंने कहा, हम पीएम मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास की सड़क का नाम 'डोनाल्ड ट्रम्प एवेन्यू' रखे जाने पर भारत का धन्यवाद किया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत के हैदराबाद में नया डोनाल्ड ट्रम्प एवेन्यू। इस तरह सम्मानित होने वाला मैं पहला अमेरिकी राष्ट्रपति हूं। धन्यवाद! ट्रेड डील और टैरिफ : दोनों देश एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के बेहद करीब हैं। ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों और भारतीय सामानों पर लगने वाले टैक्स को कम करने पर सीधी बात हो सकती है। 'इंडिया-यूएस कॉम्पैक्ट' के तहत दोनों देशों के बीच सैन्य ताकत बढ़ाने और अत्याधुनिक हथियार बनाने की तकनीक शेयर करने पर फैसला हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और सुरक्षित ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने के लिए दोनों नेता मिलकर काम करने की रणनीति तैयार हो सकती है। वैश्विक सुरक्षा और शांति : मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने और वैश्विक तनाव के बीच दोनों देशों के सुरक्षा हितों की रक्षा करने पर अहम चर्चा हो सकती है।

अस्पतालों-कोचिंग में कब थमेंगे अग्निकांड?

सख्त कानून बनाने की मांग, याचिका की पांच बड़ी बातें

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। देश में बार-बार होने वाले भीषण अग्निकांडों पर अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में केंद्र सरकार को देश भर के उच्च जोखिम वाले सार्वजनिक परिसरों के लिए एक राष्ट्रीय अग्नि और जीवन सुरक्षा ढांचा तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

इतना ही नहीं, इस याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार पूरे देश के लिए एक मजबूत फायर सेफ्टी कानून बनाए। यह याचिका वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने दायर की है। उन्होंने कहा कि स्कूल, कोचिंग, हॉस्टल, होटल, रेस्तरां, मॉल और अस्पतालों के लिए एक सख्त नियम होना चाहिए। भारी भीड़ वाली इन जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम बेहद जरूरी हैं। याचिका में सभी राज्यों को एक बड़ा निर्देश देने की मांग की गई है। वकील ने कहा कि तीन से चार महीने के भीतर सभी राज्यों में फायर ऑडिट होना चाहिए। खासकर कोचिंग हब, स्कूल, अस्पताल और मॉल की जांच पहले हो। हाल ही में दिल्ली और लखनऊ में दो बड़े हादसे हुए। >14

गाजा पर चुप्पी समझ से परे : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गाजा में जारी संघर्ष को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि गाजा में इस्राइल की कार्रवाई पर केंद्र सरकार की पत्थर जैसी चुप्पी न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि राष्ट्रीय हितों के नजरिये से भी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भारत ने फलस्तीन, ईरान और पश्चिम एशिया के अपने पारंपरिक सहयोगियों से दूरी बना ली है और इस कारण देश की कूटनीतिक स्थिति प्रभावित हुई है।

लेख में सोनिया गांधी ने कहा कि गाजा में बच्चों और आम नागरिकों पर हो रहे हमलों को देखते हुए भारत को अपनी आवाज उठानी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि दुनिया के कई देशों ने गाजा में इस्राइल की कार्रवाई को लेकर चिंता जताई है, लेकिन भारत इस मुद्दे पर चुप है। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत की ऐतिहासिक विदेश नीति उपनिवेशवाद विरोध, राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय शांति के सिद्धांतों पर आधारित रही है, लेकिन मौजूदा समय में देश उस रास्ते से दूर होता दिख रहा है। केंद्र सरकार ने गाजा मुद्दे पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है। सरकार की चुप्पी को नैतिक या रणनीतिक आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत वैश्विक जनमत से दूर होता जा रहा है। भारत को मानवीय आधार पर फलस्तीनी लोगों के पक्ष में आवाज उठानी चाहिए। गाजा में आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाने पर जोर दिया।

कश्मीर से लेकर दिल्ली-एनसीआर तक हिली धरती

अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में शनिवार शाम अचानक धरती कांप उठी। कुछ सेकेंड तक महसूस हुए भूकंप के तेज झटकों से लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। बाद में नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने पुष्टि की कि अफगानिस्तान में रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली-एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई।

भूकंप की तीव्रता अधिक होने के कारण इसके झटके भारत के उत्तरी हिस्सों तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में लोग एहतियात के तौर पर इमारतों और घरों से बाहर निकल आए। कुछ जगहों पर लोगों ने सोशल मीडिया पर भी भूकंप के झटके महसूस होने की जानकारी शेयर की। विशेषज्ञों के अनुसार, धरती की सतह से अधिक गहराई में आने वाले भूकंप के झटके काफी बड़े क्षेत्र में महसूस किए जा सकते हैं। हालांकि, ऐसे भूकंपों में सतह पर बड़े पैमाने पर नुकसान होने की संभावना अपेक्षाकृत कम रहती है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हिंदूकुश क्षेत्र रहा, जिसे दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय इलाकों में गिना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के लगातार टकराने की वजह से इस क्षेत्र में समय-समय पर मध्यम से लेकर तेज तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

आतंकियों के निशाने पर मंदिर, रेलवे स्टेशन और सरकारी दफ्तर

दिल्ली-उत्तराखंड पुलिस अलर्ट

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली और उत्तराखंड में संभावित आतंकी हमले को लेकर सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, बड़े आतंकी हमले की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद दिल्ली पुलिस, उत्तराखंड पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। ईमेल में कई मंदिरों, सरकारी दफ्तरों और राजनीतिक नेताओं को टारगेट बताए जाने के बाद संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, धमकी भरे ईमेल में कई मंदिरों, सरकारी कार्यालयों और राजनीतिक नेताओं को संभावित निशाना बताया गया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। फिलहाल एजेंसियां ईमेल की सत्यता और उसके स्रोत की जांच में जुटी हैं।

खुफिया एजेंसियों का अलर्ट, कई जगह बढ़ाई गई सुरक्षा : सूत्रों के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली से लेकर उत्तराखंड तक हाई अलर्ट जारी किया है। अलर्ट में आशंका जताई गई है कि खालिस्तानी आतंकी आने वाले दिनों में बड़े हमले की कोशिश कर सकते हैं। संभावित निशानों में उत्तराखंड और दिल्ली के मंदिर, सरकारी संस्थान, रेलवे स्टेशन और पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। इसी इनपुट के आधार पर सुरक्षा एजेंसियां अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं। सूत्रों का कहना है कि यह सुरक्षा अलर्ट हाल ही में उत्तराखंड में निहंग सिखों और उत्तराखंड पुलिस के बीच हुए टकराव के बाद जारी किया गया है।

हाफिज सईद का करीबी और एलईटी कमांडर गाजी मुमताज की मौत

इस्लामाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के टॉप कमांडर गाजी मुमताज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। यह दावा ऑनलाइन चल रही खबरों में किया गया है। गाजी मुमताज लंबे समय तक जम्मू और कश्मीर में एक्टिव था और सुरक्षाबलों की कार्रवाई के डर से पाकिस्तान भाग गया था। तब से यह अपने आका हाफिज सईद और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में रह रहा था। गाजी मुमताज की मौत कश्मीर में आतंकवाद के लिए एक बड़ा झटका है। गाजी का मतलब है कि मुमताज ने भारत में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी के तौर पर काम किया था। इसलिए लश्कर-ए-तैयबा ने उसे "गाजी" का खिताब दिया था।

गगनयान मिशन पर खुशखबरी! 90 प्रतिशत थ्रस्ट टेस्ट सफल

> अब इंजन टेस्ट की बारी, इसरो चीफ ने दिया अपडेट

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की तैयारियां अब निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि मिशन से जुड़े कई अहम परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं और अब एजेंसी इंजन टेस्ट की तैयारी में जुटी है।

उन्होंने संकेत दिया कि पहली मानवरहित उड़ान की तारीख का ऐलान भी जल्द किया जाएगा। वी. नारायणन ने बताया कि हाल ही में एक महत्वपूर्ण परीक्षण किया गया, जिसमें थ्रस्ट चेंबर को छोड़कर करीब 90 प्रतिशत थ्रस्ट लोड हासिल किया गया। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि और महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि अब अगला कदम इंजन टेस्ट है, जिसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि मिशन के लिए सैटेलाइट भी पूरी तरह तैयार हैं और उन पर लगातार काम किया जा रहा है। हालांकि लॉन्च की तारीख का खुलासा जल्द किया जाएगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि गगनयान एक अत्यंत तकनीक आधारित मिशन है, इसलिए इसमें इस्तेमाल होने वाले लॉन्च व्हीकल को 'ह्यूमन रेटिंग' प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस प्रक्रिया के जरिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित तरीके से अंतरिक्ष में भेजा और वापस लाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविक अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले इसरो तीन मानवरहित मिशन संचालित करेगा।

'चांदी की ईंटें, आभूषण सुरक्षित'

राम मंदिर ट्रस्ट ने जारी किया बयान, कहा-हाल की घटनाओं से हैरान

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी किया है कि श्रद्धालुओं की ओर से दिए गए सभी आभूषण, चांदी की ईंटें आदि सुरक्षित हैं। साथ ही ट्रस्ट ने हालिया घटनाओं को लेकर हैरानी जताई और भक्तों को निष्पक्ष जांच का भी भरोसा दिया।

हाल ही में सिंधी समाज ने वीडियो जारी कर चांदी की ईंटों को लेकर सवाल उठाए थे और बताया था कि उन्होंने ट्रस्ट को 200 चांदी की ईंटें दी थी। जिसकी उन्हें रसीद तक नहीं दी गई थी। उन्होंने चांदी के ईंटों का भी वीडियो जारी किया था।

घटनाओं से दुखी है ट्रस्ट : राम मंदिर ट्रस्ट ने स्वामी गोविंददेव गिरी की ओर से प्रेस रिलीज जारी कर कहा, श्री राममंदिर में पिछले कुछ दिनों से सुनी हुई घटनाओं से हम आहत और दुखी हैं। सभी रामभक्तों और रामसेवकों के प्रतिनिधि के रूप में यहां सेवा करने वाले हम इसकी न्यायपूर्ण जांच और रामभक्तों को आश्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस्तीफा मिलने की पुष्टि : आगे ट्रस्ट ने जनरल सेक्रेटरी चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मिलने की पुष्टि की और कहा, श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास) के महामंत्री चंपतराय और न्यासी अनिल मिश्रा से त्यागपत्र प्राप्त हुआ है। न्यास अपनी आगामी बैठक में इसका विचार करेगा।

चांदी की ईंटें, आभूषण सुरक्षित होने का दावा : ट्रस्ट ने आगे कहा, हम उन भक्तों को आश्वस्त करते हैं कि जिन्होंने चांदी की ईंटें, आभूषण आदि प्रभु श्रीराम की सेवा में अर्पण हेतु ट्रस्ट के अधिकारियों को सौंपी है, वे चीजें सुरक्षित हिसाब सहित उपलब्ध हैं।

मंदिर के दानपात्रों से प्राप्त राशि की घटना के संबंध में ट्रस्ट के निवेदन पर यूपी सरकार की ओर गठित एसआईटी से प्राप्त अंतरिम प्रतिवेदन के आधार पर ट्रस्ट ने एफआईआर की है और उसपर वैधानिक कार्यवाही जारी है। आगे कहा, हम सभी को भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में कोई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ना बने ऐसा सुनिश्चित करेंगे। अपराधियों को वैधानिक यथायोग्य कड़ा दंड मिलें, इन के आग्रही रहेंगे। असामजिक, अधार्मिक, स्वार्थी तत्वों की ओर से सनातन धर्म पर लांछन लगाने के प्रयास सफल नहीं होने देंगे।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में विस्फोट : एक की मौत

श्रीनगर, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग के फॉरवर्ड एरिया में आशा पोस्ट के पास आज एक विस्फोट होने की घटना सामने आई। इस हादसे में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार यह शेल कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इलाके में गिरा हुआ था, जो आज अचानक फट गया। विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल इस घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस और सेना की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है और मामले की जांच के बाद ही विस्तृत जानकारी सामने आने की बात कही गई है। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकियों की अंधाधुंध गोलीबारी में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय घोड़े वाले (पोनीवाला) समेत कुल 26 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस क्रूर हमले का बदला लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई, 2025 की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

भारतीय सेना ने सीमा पार जाकर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए थे। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तीन दिनों तक संघर्ष चला, जिसमें पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उसके कई सैन्य ठिकाने और हवाईअड्डे भी क्षतिग्रस्त हुए। इसके बाद, पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों ने भारत के सैन्य अभियान के महानिदेशक (डीजीएमओ) से हमले बंद करने की गुहर लगाई। पाकिस्तान के अनुरोध पर भारत ने 10 मई को अपना अभियान रोक दिया था। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया था कि अभियान सिर्फ स्थगित किया गया है और अगर सीमा पार से दोबारा कोई हिमाकत की गई तो इसे तुरंत शुरू कर दिया जाएगा।

तेजस एमके1ए विमान के नए इंजन में आई तकनीकी खराबी : रक्षा मंत्रालय ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। स्वदेशी तेजस एमके1ए एयरक्राफ्ट के लिए सप्लाई किए गए छह जीई एयरोस्पेस एफ404 इंजनों में से एक में खराबी आ गई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने इस मामले को ठीक करने के लिए वेंडर से बात की है, साथ ही एयरक्राफ्ट इंटीग्रेशन, सर्टिफिकेशन और डिलीवरी शुरू होने से पहले जरूरी दूसरे काम भी जारी रखे हैं। इस बीच रक्षा मंत्रालय ने बड़ा फैसला लेते हुए अब सितंबर में इसकी समीक्षा करने का निर्णय लिया है। कहा यह भी जा रहा है कि अगर कोई बड़ी खराब सामने आती है तो कंपनी पर भारी जुर्माना भी लग सकता है।

इसके अलावा, पूरे प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस की नई समीक्षा सितंबर में होनी है, और अगर सभी शर्तें पूरी हो जाती हैं, तो डिलीवरी शेड्यल को अंतिम रूप दिया जा सकता है। एचएएल की तरफ से तुरंत कोई टिप्पणी नहीं मिल सकी। हालांकि, मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने इस मुद्दे की पुष्टि की और कहा कि इंजन में कोई बड़ी समस्या नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि जब भी कोई प्रोडक्ट डिलीवर किया जाता है, तो उसकी अनिवार्य जांच होती है। अगर कोई समस्या मिलती है या कोई पैरामीटर जरूरी स्टैंडर्ड के मुताबिक नहीं होता है, तो वेंडर को इसकी जानकारी दी जाती है। इस मामले में भी यही प्रक्रिया अपनाई गई है और समस्या को हल किया जा रहा है।

एफ404 इंजन की धीमी सप्लाई की वजह से पहले ही हो चुकी देरी : बता दें कि जीई एयरोस्पेस के एफ404 इंजन की धीमी सप्लाई की वजह से तेजस एमके1ए प्रोग्राम में पहले ही देरी हो चुकी है। एचएएल को अब तक सिर्फ छह इंजन मिले हैं, जिनमें से पांच अभी इस्तेमाल के लायक हैं। भारतीय वायु सेना को डिलीवरी शुरू होने से पहले, इस एयरक्राफ्ट का बाकी इंटीग्रेशन का काम, सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया और सभी एयर स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स को पूरा करना अभी बाकी है।

हाई-लेवल मीटिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रोग्राम की समीक्षा की थी : 8 जून को कर्तव्य भवन में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रोग्राम की समीक्षा की। हालांकि, जरूरतों में कोई ढील नहीं दी गई, लेकिन खबरों के मुताबिक एचएएल ने मीटिंग में बताया कि पेंडिंग टेक्निकल माइलस्टोन पर काम चल रहा है और सभी जरूरी प्रोसेस पूरे होने के बाद एयरक्राफ्ट तैयार हो जाएगा।

आंध्र प्रदेश आज पल्स पोलियो अभियान के लिए तैयार

विजयवाड़ा, 27 जून (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने 28 जून को 'राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस-पल्स पोलियो कार्यक्रम' के लिए पूरे राज्य में एक व्यापक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि 5 साल से कम उम्र के हर पात्र बच्चे को बाइवैलेंट ओरल पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें मिलें। यह अभियान स्वास्थ्य मंत्री वाई। सत्य कुमार यादव के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के पोलियो-मुक्त दर्जे को बनाए रखना सरकार, माता-पिता, नागरिक समाज और सामुदायिक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री ने निर्देश दिया है कि अभियान को ज़मीनी स्तर पर पूरी सक्रियता के साथ लागू किया जाए। इसमें ज़्यादा जोखिम वाले और प्रवासी आबादी वाले इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जाए और सभी संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि 5 साल से कम उम्र के हर बच्चे को 'जीवन की दो बूंदें' मिल सकें।

ठाणे में परीक्षा से पहले ही टीईटी का पेपर लीक

पुणे, 27 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी 2025), जो रविवार, 28 जून को होने वाला था, उसे महाराष्ट्र स्टेट काउंसिल ऑफ़ एग्जामिनेशन (एमएससीई), पुणे ने टाल दिया है। यह फ़ैसला इसलिए लिया गया क्योंकि परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया था। यह फ़ैसला ऐसे गंभीर आरोपों के बीच लिया गया है कि ठाणे ज़िले में कुछ लोगों के पास से परीक्षा से जुड़े सवाल मिले थे। अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा विभाग अभी इस बात की जांच कर रहा है कि जो प्रश्नपत्र मिला है, वह असली टीईटी प्रश्नपत्र है या सिर्फ़ एक मॉक टेस्ट पेपर। इस स्थिति पर अंतिम फ़ैसला जांच की प्रक्रिया के बाद ही लिया जाएगा।

भिवंडी में छापेमारी के बाद जांच शुरू

एमएससीई के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 27 जून की सुबह भिवंडी में छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान महाराष्ट्र

कैंसिल हुआ एग्जाम, कांग्रेस ने पूछा सवाल

राज्य परीक्षा परिषद के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया था। इस पेपर लीक के मामले की पूरी जांच की जाएगी और फिर परीक्षा की नई तारीख जारी की जाएगी।

शुरुआती जांच में पता चला है कि संदिग्धों के पास मौजूद कुछ सवाल टीईटी 2025 परीक्षा के लिए तैयार किए गए सवालों से मेल खाते थे। इस बात का पता चलने के बाद, मामले को गंभीरता से लिया गया और आगे की कार्रवाई की जाएगी। भिवंडी पुलिस स्टेशन में इसका मामला दर्ज कर लिया गया है और कथित तौर पर हुए इस पेपर लीक के स्रोत और दायरे का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

पेपर लीक पर क्या बोले कांग्रेस नेता

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने केंद्र सरकार पर तंज कसा है, पेपर लीक अब कोई अपवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह इस दरिद्र सरकार की पहचान बन गया है! कल महाराष्ट्र में होने वाली टीईटी परीक्षा का पेपर उपमुख्यमंत्री शिंदे के ठाणे में ही लीक होने की खबरें सामने आ रही हैं।

इस बारे में सरकार को बताना चाहिए कि लाखों छात्रों की मेहनत, सपनों और भविष्य पर पानी फेरने वाले इस रैकेट को किसका राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है? उन्होंने कहा, एक तरफ पारदर्शी प्रशासन के नारे लग रहे हैं तो दूसरी तरफ पेपर लीक का सिलसिला जारी है। छात्रों को पढ़ाई करनी चाहिए या यह चिंता करनी चाहिए कि पेपर पहले किसके पास पहुंच रहा है? इस मामले की तुरंत निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी ही चाहिए। महाराष्ट्र के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कांग्रेस जल्द ही सड़कों पर उतरेगी।

नियंत्रण खोकर डिवाइडर पार हुआ ट्रक, फिर वैन से टकराया, 4 श्रद्धालुओं की मौत

कोप्पल, 27 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोप्पल जिले में एक ट्रक सड़क के डिवाइडर को पार कर एक वैन टकराया। जिसमें चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। वहीं, चार बच्चों सहित कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना कुकानूर तालुक के भानपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर हुई।

हावेरी जिले के रत्तीहल्ली तालुक के कब्बर गांव के सभी पीड़ित आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के मंत्रालयम की तीर्थयात्रा पर थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार, ट्रक कथित तौर पर नियंत्रण से बाहर हो गया, डिवाइडर को पार कर गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया, जिसके कारण यह घातक दुर्घटना हुई। मृतकों की पहचान केंचम्मा बालेकायी (35), अमृता कोट्याल (25), रमेश बल्लारी (45) और प्रवीण (23) के रूप में हुई। इस दुर्घटना में वैन में सवार कई लोग घायल हो गए।

असम के तिनसुकिया में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

उल्फा (आई) के दो सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

तिनसुकिया, 27 जून (एजेंसियां)। असम के तिनसुकिया जिले में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़े आतंकी हमले की साजिश को विफल किया है। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान में जगुन क्षेत्र से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सियोर असोम उर्फ हुमेनज्योति बरुआ (27 वर्ष) और मनोज असोम उर्फ पापु मोरन (30 वर्ष) के रूप में हुई है। हुमेनज्योति बरुआ तिनसुकिया के पानीटोला का निवासी है, जबकि पापु मोरन बाघजान क्षेत्र का रहने वाला है।

दोनों संगठन में कथित रूप से उल्फा (आई) संगठन में सक्रिय थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों को तिनसुकिया शहर में आम नागरिकों को अंधाधुंध निशाना बनाकर दहशत फैलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस ने दोनों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामग्री बरामद की है।

बरामद सामान में दो एके-56 राइफलें, 172 जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड, मेडिसिन किट, सिरिंज, ओपिओइड्स, जंगल में लंबे समय तक रहने के लिए खाने-पीने का सामान, बैकपैक तथा युद्ध संबंधी अन्य सामग्री शामिल है। बरामद हथियारों और विस्फोटकों से सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी की जा रही थी। प्रारंभिक पूछताछ और खुफिया जानकारी के अनुसार, उल्फा (आई) की ओर से दोनों को तिनसुकिया शहर में आम लोगों के बीच भय और अस्थिरता का माहौल पैदा करने के उद्देश्य से अंधाधुंध हमला करने का निर्देश दिया गया था। जांच एजेंसियों का यह भी मानना है कि इस साजिश के पीछे क्षेत्र को अस्थिर करने की व्यापक रणनीति और बाहरी ताकतों के संभावित प्रभाव की भी जांच की जा रही है।

9 साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ के आरोप में 60 साल के व्यक्ति पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

एलुरु, 27 जून (एजेंसियां)। दिसंबर 2025 में, 60 साल के तम्मीसेट्टी लक्ष्मण राव पर एक दोस्त के घर रात रुकने के दौरान चौथी क्लास की नौ साल की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। बच्ची महीनों तक चुप रही और बाद में अपनी माँ को इस बारे में बताया, जिन्होंने बच्ची की सेहत और व्यवहार में चिंताजनक बदलाव देखे थे। शिकायत मिलने के बाद, एलुरु टाउन पुलिस ने उस व्यक्ति पर पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पीड़िता को इलाज के लिए सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। एलुरु के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस (डीएसपी) डी श्रवण कुमार, जो खुद इस जांच की निगरानी कर रहे हैं, ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि माता-पिता को सतर्क रहना चाहिए, बच्चों पर नज़र रखनी चाहिए और उन्हें बिना देख-रेख के नहीं छोड़ना चाहिए या बिना सही देखभाल के रात में कहीं और नहीं रुकने देना चाहिए। उन्होंने परिवारों से अपील की कि वे बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करें ताकि बच्चे उत्पीड़न की बात बताने में सुरक्षित महसूस करें। डीएसपी ने ज़ोर देकर कहा कि सिर्फ़ जागरूकता कार्यक्रमों से अपराध नहीं रोके जा सकते

'ब्राह्मण होने की वजह से पहली पंक्ति में बैठने से रोका गया'

बीजेपी सांसद ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर लगाया आरोप

पुणे, 27 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में कॉम्पिटिटिव एग्जाम में सफल हुए मराठा उम्मीदवारों के सम्मान समारोह के दौरान बीजेपी की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर उन्हें अगली पंक्ति में बैठने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वह ब्राह्मण हैं। हालांकि, जिन विधायक अभिमन्यु पवार पर उन्होंने यह आरोप लगाया उन्होंने कहा कि यह एक गलतफहमी थी और इस बात से इनकार किया कि इस मामले में जाति कोई मुद्दा था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम का आयोजन मराठा समुदाय के उन उम्मीदवारों के सम्मान के लिए किया गया था, जिन्होंने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी), महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (एमपीएससी) और अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित कॉम्पिटिटिव एग्जाम पास किए थे। कुलकर्णी ने आरोप लगाया कि पवार ने उन्हें पहली पंक्ति में बैठने से रोका और कहा कि यह कार्यक्रम मराठा समुदाय के लिए था। उन्होंने कहा कि इस आदेश के तुरंत बाद वह कार्यक्रम से चली गईं। उन्होंने कहा, चूंकि कोई अन्य सांसद मौजूद नहीं था इसलिए अधिकारियों का मानना था कि प्रोटोकॉल के अनुसार मैं पहली पंक्ति में बैठ सकती हूं। अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक पिछड़ा विकास महामंडल के अध्यक्ष नरेंद्र पाटिल भी वहां बैठने के हकदार थे। कुलकर्णी ने दावा किया, हालांकि, अभिमन्यु पवार पहली पंक्ति में बैठना चाहते थे।

जब अधिकारियों ने बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार मैं वहां बैठ सकती हूं तो पवार ने जाति का मुद्दा उठाया और कहा कि चूंकि कार्यक्रम मराठा समुदाय के लिए था, इसलिए मेरे पहली पंक्ति में बैठने से विवाद हो सकता है। इन आरोपों का जवाब देते हुए लातूर जिले के औसा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पवार ने जाति का मुद्दा होने से इनकार किया और कहा कि गलतफहमी हुई थी। उन्होंने कहा, मैंने बस इतना कहा था कि चूंकि नरेंद्र पाटिल महामंडल के अध्यक्ष हैं इसलिए वह पहली पंक्ति में बैठ सकते हैं, जबकि विधायक और सांसद दूसरी पंक्ति में बैठ सकते हैं।

ड्रग्स तस्करी में चार भाई-बहन समेत 6 गिरफ्तार, दो सिंडिकेट का भंडाफोड़; मिले 11 फ्लैट के कागजात

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर-पश्चिम जिले में सक्रिय एक ड्रग सिंडिकेट और एक अंतर-राज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अलग-अलग अभियानों में कुल छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें साइकोट्रोपिक दवाओं के अवैध व्यापार के लिए चार भाई-बहनों को गिरफ्तार किया गया है। पूरी कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं, नशीले पदार्थ, नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और करोड़ों रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। दिल्ली के ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की मदद से उत्तर-पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने जहांगीरपुरी में सक्रिय साइकोट्रोपिक दवाओं के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया।

इस मामले में चार भाई-बहनों को गिरफ्तार किया गया। रातभर चले ऑपरेशन के दौरान कई ठिकानों पर छापेमारी कर 1,300 प्रतिबंधित एडनॉक-एन टैबलेट (ब्यूप्रेनोर्फिन 2 एमजी और नालोक्सोन 0.5 एमजी) बरामद की गईं, जिनका कुल वजन 268 ग्राम और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित मूल्य करीब 7 लाख रुपये बताया गया है।

साईं कृष्णा की माँ ने कस्टडी में हुई मौत की सीबीआई जाँच के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की

अमरावती, 27 जून (एजेंसियां)। कस्टडी में टॉर्चर का शिकार हुए 24 साल के गाडे साईं कृष्णा की माँ, गाडे विजयलक्ष्मी ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने जाँच को राज्य पुलिस से हटाकर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) या किसी ऐसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने की मांग की है जिसे कोर्ट सही समझे। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जाँच हाई कोर्ट की सीधी निगरानी में की जाए। इस याचिका पर सुनवाई जस्टिस रवि नाथ तिलहारी और जस्टिस सुभेंदु सामंत की डिवीजन बेंच के सामने होनी है। अपनी याचिका में विजयलक्ष्मी ने कहा कि स्थानीय पुलिस द्वारा निष्पक्ष जाँच असंभव है।

उन्होंने एसआईटी की रिमांड रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया है कि कृष्णालंका पुलिस स्टेशन और टास्क फोर्स के कर्मचारी साईं के गायब होने और सबूत मिटाने में शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है और सवाल उठाया कि एनटीआर ज़िले के पुलिस कमिश्नर वीएस राजशेखर बाबू 40 दिनों तक चुप क्यों रहे। याचिका में दावा किया गया कि साईं कृष्णा को 6 मई को मरकापुरम में पुलिस कस्टडी में लिया गया था और 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए बिना कृष्णालंका पुलिस स्टेशन में गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया था।

इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि कस्टडी में टॉर्चर और उसके बाद हुई मौत को छिपाने के लिए सीसीटीवी फुटेज जानबूझकर डिलीट कर दिए गए थे। विजयलक्ष्मी ने कहा कि उन्होंने 28 मई को पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन आपराधिक मामला 19 जून को ही दर्ज किया गया, जब हाई कोर्ट ने उनकी 'हेबियस कॉर्पस' (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका पर सुनवाई शुरू की। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईटी की जाँच केवल एक पुलिस अधिकारी तक ही सीमित रही, जबकि दूसरों की भूमिका को नज़रअंदाज़ किया गया। उन्होंने पुलिस पर साईं कृष्णा की कस्टडी के बारे में जानकारी छिपाकर हाई कोर्ट को गुमराह करने का आरोप भी लगाया।

24 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत, दहेज प्रताड़ना के आरोप में पति और ससुर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के ख्याला इलाके में 24 वर्षीय महिला का शव मिलने से समसनी मच गई। महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति और ससुर को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आए आरोपों के आधार पर दोनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है। ख्याला थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए रघुबीर नगर स्थित एक घर में महिला की मौत की सूचना मिली।

पुलिस मौके पर पहुंची तो 24 वर्षीय काजल अपने किराये के कमरे में मृत मिली। शुरुआती जांच में उसके गले पर फंदे का निशान मिला और कमरे की खिड़की की ग्रिल पर चुन्नी बंधी हुई थी। क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने घटना स्थल की जांच करके सबूत इकट्ठा किए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि काजल की शादी करीब तीन साल पहले रोहन से हुई थी। दंपति की कोई संतान नहीं थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजौरी गार्डन के एसडीएम को सूचना दी गई।

निर्मला सप्रे दलबदल मामले में कांग्रेस को हाईकोर्ट से झटका, याचिका हुई खारिज

भोपाल, 27 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे के कथित दलबदल मामले में कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष दल-बदल कानून के तहत मामले की जांच कर रहे हैं, इसलिए इस चरण में न्यायालय का हस्तक्षेप उचित नहीं है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब विधानसभा अध्यक्ष कानून के अनुसार प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज कर चुके हैं, तब अदालत कोई निर्देश जारी नहीं कर सकती। सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप है।

याचिका में कहा गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान 5 मई 2024 को वे राहतगढ़ में मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थीं। इसके बाद उनके भाजपा की ओर जाने की चर्चाएं शुरू हो गईं, लेकिन उन्होंने अभी तक विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे दलबदल कानून का सीधा उल्लंघन बताते हुए निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य घोषित करने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष लंबित है और जांच की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में न्यायालय को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अध्यक्ष द्वारा की जा रही कार्यवाही विधिसम्मत है। हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद उमंग सिंघार ने सुप्रीम कोर्ट जाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि दलबदल कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और अध्यक्ष द्वारा हो रही देरी को देखते हुए अब सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस इस मामले में अंत तक लड़ाई लड़ेगी और दलबदल की प्रवृत्ति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस फैसले से मध्य प्रदेश कांग्रेस में निराशा है, जबकि सत्ताधारी भाजपा इसे अपने पक्ष में सकारात्मक विकास मान रही है।

राजनीतिक गलियारों में इस घटनाक्रम से विधायकों के दलबदल और स्पीकर की भूमिका को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में यह मामला दिलचस्प होगा क्योंकि दलबदल कानून की व्याख्या और स्पीकर की समयसीमा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे इससे जुड़े हैं।

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मुरैना, 27 जून (एजेंसियां)। मुरैना के माताबसैया थाना क्षेत्र में शनिवार को एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय बलराम ने कथित तौर पर अपनी 28 वर्षीय पत्नी रविता, 10 वर्षीय बेटे आरव और सात वर्षीय बेटे अतुल की हत्या कर दी। इसके बाद उसने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद माताबसैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि रविता कुछ समय से अपने मायके में रह रही थीं और दो दिन पहले ही वापस ससुराल लौटी थीं। इसके बाद परिवार में क्या हुआ? यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

'मुझे अब शर्म आ रही है कि वे'सब हमारे साथ कैसे रहे

6 सांसदों की बगावत के बाद पहली बार बोले उद्धव ठाकरे

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी के सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में जाने के बाद उद्धव ठाकरे ने शनिवार (27 जून) को पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा, शिव सैनिक मेरे साथ हैं। आप उन सबका बर्ताव देख रहे हैं। मुझे अब शर्म आ रही है कि वे सब हमारे साथ कैसे रहे। उन्होंने आगे कहा, यह सांसद मेरी बात पर चुने गए थे। अब वे कह रहे हैं कि आने से कोई फायदा नहीं है, लेकिन वे मेरे आने की वजह से चुने गए थे। सांसदों पर आगे निशाना साधते हुए कहा, किसान के लिए कोई गारंटी नहीं है लेकिन इन सांसदों के पास झूठ लिए गारंटी है। सीएम फडणवीस से मुलाकात पर उद्धव ठाकरे ने कहा, हमारी एक हाई-लेवल मीटिंग हुई थी।

मीटिंग की रिपोर्ट आने वाले दिनों में पता चलेगी। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक घमासान के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे शुक्रवार को मुंबई से नागपुर जाने वाली एक ही फ्लाइट में साथ-साथ सफर करते नजर आए। यह अचानक मुलाकात राज्य में चल रहे गंभीर राजनीतिक तनाव के समय हुई है। फ्लाइट में मौजूद लोगों ने बताया कि गहरी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बावजूद दोनों नेताओं ने कड़वाहट को दरकिनार रखते हुए सौहार्दपूर्ण अभिवादन किया और संक्षिप्त बातचीत की। इस फ्लाइट में शिवसेना (यूबीटी) के कई बड़े नेता भी सवार थे, जिनमें विधायक आदित्य ठाकरे, राज्यसभा सांसद संजय राउत और अनिल देसाई, और पूर्व सांसद विनायक राउत शामिल थे। मुख्यमंत्री फडणवीस और उद्धव ठाकरे का एक ही विमान में सफर करना, यूबीटी के छह सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच हुआ है। यह घटना उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा हाल ही में यह घोषणा करने के बाद हुई है कि 'ऑपरेशन टाइगर' अभी खत्म नहीं हुआ है।

40 महिलाओं को धोखा देने वाला मैट्रिमोनियल फ्रॉडस्टर गिरफ्तार

एलुरु, 27 जून (एजेंसियां)। मुदिनेपल्ली पुलिस ने एक अंतर-राज्यीय ठग को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने मैट्रिमोनियल वेबसाइटों पर नकली प्रोफ़ाइल बनाकर और शादी का झूठा वादा करके आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में 40 से ज़्यादा महिलाओं को धोखा दिया। आरोपी वक्कलगाड्डा सांबाशिवा राव (36), जो गुंटूर जिले के पांडुरंगानगर का रहने वाला है, को एलुरु जिले के एसपी के प्रताप शिवा किशोर के निर्देशन और डीएसपी डी श्रवण कुमार की देखरेख में हुई जांच के बाद पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि सांबाशिवा राव खुद को एक मीडिया कंपनी का सीईओ बताता था और दावा करता था कि उसकी बहन ऑस्ट्रेलिया में रहती है,

जबकि उसके माता-पिता रिटायर्ड सीनियर अधिकारी हैं। इन झूठी जानकारियों का इस्तेमाल करके, उसने मैट्रिमोनियल पोर्टल्स पर रजिस्टर्ड महिलाओं का भरोसा जीता और उनसे शादी का वादा किया। उनका भरोसा जीतने के बाद, वह अलग-अलग बहाने बनाकर उनसे नकद और सोने के गहने लेता था और फिर गायब हो जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि 2020 से उसने चेन्नई, कोडद, जंगारेड्डीगुडेम, परावडा और अन्य जगहों पर 40 से ज़्यादा महिलाओं को धोखा दिया था।

राज ठाकरे का आईपीएस विश्वास नांगरे पाटिल पर हमला कहा- खाकी वर्दी अब संघ के खाकी रंग से जुड़ी?

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने प्रसिद्ध आईपीएस अधिकारी विश्वास नांगरे पाटिल पर निशाना साधते हुए उन पर दोहरी निष्ठा का आरोप लगाया है।

राज ठाकरे ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी की निष्ठा केवल अपने विभाग और संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति होनी चाहिए, न कि किसी संगठन के प्रति। राज ठाकरे ने अपने पोस्ट में लिखा कि वर्तमान में राज्य में हिंदू सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं। इन्हीं में से एक सम्मेलन में शामिल होकर विश्वास नांगरे पाटिल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसके संस्थापकों की खुलकर प्रशंसा की। राज ने कहा, "भले ही ये सम्मेलन गैर-राजनीतिक बताए जा रहे हों, लेकिन ये राजनीतिक ही हैं।" राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि क्या किसी सरकारी कर्मचारी, खासकर पुलिस अधिकारी को ऐसे कार्यक्रम में जाना उचित है? उन्होंने कहा, "यदि संघ के प्रति लगाव है तो मन में रखें या इस्तीफा देकर भाजपा या संघ से जुड़ जाएं। सत्ता के करीबी अधिकारियों के लिए पुनर्वास की गारंटी पहले से चल रही है।" उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "हम सोचते थे कि नांगरे पाटिल की खाकी वर्दी पुलिस विभाग का प्रतीक है, लेकिन अब लगता है वह आरएसएस के पुराने खाकी रंग से जुड़ी हुई है।" राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से भी सवाल किया कि क्या उन्हें यह दोहरी निष्ठा स्वीकार है? उन्होंने चेतावनी दी कि आज चुप रहना कल गलत परंपरा की नींव रख देगा। उन्होंने 2012 के एक मामले का हवाला देते हुए कहा- साल 2012 में रजा अकादमी के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा निकाले गए मोर्चे में एक कॉन्स्टेबल ने आकर मेरा अभिनंदन किया था कि हमने पुलिस का समर्थन किया। उस समय की सरकार ने निष्पक्षता का उल्लंघन मानते हुए उन्हें अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया था।

तो क्या नांगरे पाटिल के मामले में भी सरकार वही रुख अपनाएगी? राज ठाकरे ने आगे कहा कि जब विधायक और सांसद भी सत्ता के साथ दौड़ते दिख रहे हैं, तो यदि सरकारी अधिकारी भी निष्पक्ष नहीं रहे तो जनता किसकी ओर देखेगी। उन्होंने नांगरे पाटिल से अनुरोध किया कि वे सक्षम अधिकारी हैं,

सुविचार: ठोकर... पत्थर से ज्यादा तो अपनों से लगती हैं

सरकार और एसबीआई के बीच वैकल्पिक प्रस्ताव पर बनी सहमति

मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, एमडी के. शशांक भारतीय स्टेट बैंक की ओर से डीबीडी एवं सीडीओ जी. एस. राणा, सीजीएम (तेलंगाना) नीलेश द्विवेदी और एजीएम जी. पोवाज़हगी शामिल हुए

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच चल रहे मुद्दे को लेकर आज सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 22 जून 2026 को हुई पिछली वार्ता की निरंतरता में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने की। इसमें वित्त विभाग के प्रधान सचिव एस. एस. सुल्तानिया, टीजीआईआईसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. शशांक सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं भारतीय स्टेट बैंक की ओर से डीबीडी एवं सीडीओ जी. एस. राणा, सीजीएम (तेलंगाना) नीलेश द्विवेदी और एजीएम जी. पोवाज़हगी शामिल हुए। बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा सुझाए गए वैकल्पिक स्थलों का निरीक्षण 23 जून 2026 को संबंधित टीम द्वारा किया गया था। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वैकल्पिक प्रस्तावों को स्वीकार करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, बैंक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे की कार्रवाई उनके बोर्ड की मंजूरी के बाद की जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया कि यह प्रक्रिया वर्तमान न्यायालयी कार्यवाही के अनुरूप आगे बढ़ाई जाएगी। बैठक के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण समाधान पर सहमति जताई। सभी आवश्यक कानूनी और वैधानिक औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद मामले को शीघ्र ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

मंदिर प्रबंधन पर संयुक्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू होगा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरुका एजुकेशनल सोसाइटी ने शनिवार को कांची स्थित श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (एससीएसवीएमवी) के साथ मंदिर प्रबंधन में संयुक्त प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का आदान-प्रदान बदरुका एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव किशनजी बदरुका और एससीएसवीएमवी के कुलपति प्रोफेसर जी. श्रीनिवासु ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म के अनुरूप प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का समूह तैयार करना है, जो मंदिरों के प्रबंधन और संचालन संबंधी कार्यों में सहयोग प्रदान कर सकें।

दोनों संस्थानों ने भविष्य में छात्रों, शिक्षकों और समाज के हित में अन्य शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रथम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन आज क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रथम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार, 28 जून को सायं 5 बजे क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में किया जाएगा। समाज की सचिव डॉ. सीमा जैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सभा में समाज के संगठनात्मक, वित्तीय एवं विकास संबंधी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के पूजन-अर्चन से होगा, जिसके पश्चात अध्यक्ष द्वारा स्वागत संबोधन दिया जाएगा। इसके बाद पूर्व वार्षिक सभा के कार्यवृत्त (मिनट्स) का अनुमोदन किया जाएगा तथा समाज द्वारा वर्षभर संचालित गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखा-जोखा (अकाउंट्स) एवं ऑडिटर्स की रिपोर्ट को अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। साथ ही आगामी कार्यकाल के लिए ऑडिटर्स की नियुक्ति पर भी निर्णय लिया जाएगा।

समाज के आर्थिक सहयोग में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी इस अवसर पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष की अनुमति से अन्य आवश्यक विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ होगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति ने समाज के सभी केंद्रीय समिति सदस्यों, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों, समिति के चेयरमेन, वाइस चेयरमेन तथा सभी सम्मानित सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं मार्गदर्शन से सभा को सफल बनाने की अपील की है।

तेलंगाना युवा कांग्रेस का नीट परीक्षा परिणाम लीक के विरोध में प्रदर्शन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रव्यापी छात्रों की गूंज अभियान के तहत, तेलंगाना युवा कांग्रेस ने शनिवार को हैदराबाद के टैंकबंड स्थित डॉ.बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर नीट परीक्षा के पेपर लीक के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए, प्रदर्शनकारियों ने मंत्री को इस संकट के लिए नैतिक रूप से जिम्मेदार ठहराया और विरोध में उनका पुतला जलाया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व मुख्य अतिथियों ने किया, जिनमें तेलंगाना युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जक्किडी शिवचरण रेड्डी, राज्य युवा कांग्रेस के प्रभारी खालिद और सह-प्रभारी रोशनी जायसवाल शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए शिवचरण रेड्डी ने केंद्र सरकार पर देशभर के लाखों छात्रों के भविष्य को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि युवा कांग्रेस अपना आंदोलन तेज करेगी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। खैरताबाद जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष हरिधर, राज्य महासचिव मजीद और गुर्रम श्याम चरण रेड्डी, खैरार और सिकंदराबाद जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष मधुसूदन समेत अन्य नेता कार्यक्रम में उपस्थित थे।

40.97 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की खुराक

राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान आज से शुरू

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य विभाग ने रविवार से शुरू होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत राज्य में 0 से 5 वर्ष तक के 40,97,749 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान के दौरान सभी बच्चों को द्विसंयोजक मौखिक पोलियो वैक्सीन (बीओपीवी) की दो बूंदें पिलाई जाएंगी। इसके लिए अब तक जिलों को 52,04,140 वैक्सीन की खुराकें उपलब्ध करा दी गई हैं। रविवार को बूथ दिवस के बाद 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर उन बच्चों को दवा पिलाएंगे, जो किसी कारणवश टीकाकरण से छूट जाएंगे। हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल और संगारेड्डी जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में यह अभियान 1 जुलाई तक जारी रहेगा। इस बार अभियान में मछुआरे, आदिवासी, प्रवासी, खानाबदोश, भिखारी, ईंट-भट्ठा श्रमिकों तथा शहरी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों के बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा निर्माण स्थलों और कृषि श्रमिक परिवारों के बच्चों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के लिए 22,979 टीकाकरण बूथ, 903 मोबाइल टीमें और 903 ट्रांजिट प्वाइंट बनाए हैं। अभियान की निगरानी के लिए 2,298 रूट सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 8,393 एएनएम, 27,181 आशा कार्यकर्ता और 34,442 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अभियान में अपनी सेवाएं देंगी।

निजी सुरक्षा एजेंसियों का पंजीकरण अनिवार्य : डीसीपी

निजी सुरक्षा एजेंसियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने कुतुबुल्लापुर ज़ोन में निजी सुरक्षा एजेंसियों, सुरक्षा गार्डों और सीसीटीवी विक्रेताओं के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम सीएमआर टेक्निकल कैंपस, कंडलाकोया (मेडचल) में आयोजित हुआ, जिसमें लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम कुत्तुल्लापुर ज़ोन के डीसीपी एन. कोटि रेड्डी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त डीसीपी पुरूषोत्तम, एसीपी शंकर रेड्डी (मेडचल डिवीजन), एसीपी बाला गंगिरेड्डी (कुतुल्लापुर डिवीजन) सहित क्षेत्र के सभी निरीक्षक उपस्थित रहे। डीसीपी एन. कोटि रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि निजी सुरक्षा एजेंसियों का निजी सुरक्षा एजेंसी अधिनियम, 2005 के तहत पंजीकरण अनिवार्य है और सभी एजेंसियों को इसके प्रावधानों का सख्ती से पालन करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को निर्देश दिया कि सभी आगंतुकों का प्रवेश से पहले सत्यापन किया जाए और विजिटर रजिस्टर का सही तरीके से रखरखाव किया जाए। कार्यक्रम में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर लगे सीसीटीवी कैमरे हमेशा कार्यशील रहें और किसी भी तकनीकी खराबी की तुरंत सूचना दी जाए। साइबराबाद पुलिस ने कहा कि निजी सुरक्षा एजेंसियों, सुरक्षा गार्डों और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय से ही सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मतदाता सत्यापन प्रक्रिया की अवधि 30 से बढ़ाकर 60 दिन करने की मांग

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की चुनाव आयोग समन्वय समिति ने राज्य में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सत्यापन कार्य की अवधि 30 दिनों से बढ़ाकर 60 दिन करने की मांग की है।

टीपीसीसी चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष पुलिपाटी राजेश कुमार, सदस्य गोपिशेट्टी राघवेंद्र तथा डॉ. बैकिनी लिंगम यादव के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी, आईएएस से मुलाकात कर यह मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया के तहत बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को वर्ष 2025 की मतदाता सूची में शामिल सभी मतदाताओं को घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करना है। हालांकि कई क्षेत्रों में फॉर्म वितरण में देरी हो रही है। साथ ही बीएलओ के रूप में कार्य कर रही आशा कार्यकर्ताओं ने पल्स पोलियो अभियान के कारण अगले तीन दिनों तक फॉर्म वितरण में कठिनाई होने की जानकारी दी है। समिति ने यह भी कहा कि राज्य के कई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी के बूथ लेवल एजेंटों की सूची अभी तक बीएलओ को उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित सूचियां बीएलओ को सौंपने की मांग की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि इस मांग को केंद्रीय चुनाव आयोग के संज्ञान में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर हो रही देरी तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

साइबर अपराधों को लेकर एसपी ने जारी की चेतावनी

सोशल मीडिया और फर्जी लिंक से ठगी के मामले बढ़े

आदिलाबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले में पिछले एक सप्ताह में साइबर धोखाधड़ी के 12 मामले सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। शनिवार को जारी बयान में एसपी ने कहा कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को ठगने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर एपीके फाइलें और संदिग्ध लिंक भेजकर लोगों के बैंक खातों से पैसे निकाले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को घर से काम और नौकरी के नाम पर निशाना बनाया जा रहा है। अपराधी पहले नौकरी का झांसा देकर पैसे मांगते हैं और फिर ठगी कर लेते हैं। एसपी ने जनता से अपील की कि किसी भी अनजान विज्ञापन, लिंक या ऑफर पर विश्वास न करें और सतर्कता बरतें। उन्होंने बताया कि पुलिस की खाकी किड्स टीम स्कूलों और कॉलेजों में जाकर लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में एक व्यक्ति से नौकरी दिलाने के नाम पर चरणबद्ध तरीके से 55,000 रुपये की ठगी की गई है। पुलिस ने लोगों से साइबर अपराध की किसी भी घटना की सूचना टोल-फ्री नंबर 1930 पर देने का अनुरोध किया है।

2 हजार करोड़ रुपये का गुरुकुल घोटाला : आर.एस. प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के महासचिव डॉ.आर.एस. प्रवीण कुमार ने तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना में लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का गुरुकुल घोटाला चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्रियों अडलूरी लक्ष्मण कुमार और मोहम्मद अजहरुद्दीन को उनके खिलाफ बोलने के लिए स्क्रिप्ट दी गई थी। प्रवीण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को मफत लाल, रमेश जैन और निरंजन जैन को अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लेना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में फाइलें संबंधित विभागीय मंत्रियों तक नहीं पहुंच रही हैं और अधिकांश फाइलों पर सीधे मुख्यमंत्री हस्ताक्षर कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार एक ओर ड्रग्स उन्मूलन की बात कर रही है, जबकि दूसरी ओर ट्रंक बॉक्स ठेके को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंक बॉक्स आपूर्ति और अन्य ठेकों में पारदर्शिता नहीं है तथा सरकार को इन मामलों पर जवाब देना चाहिए। बीआरएस नेता ने 2 जुलाई को सुबह 11 बजे सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में सार्वजनिक चर्चा के लिए अडलूरी लक्ष्मण कुमार को आने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि यदि उसी दिन मंत्रिमंडल की बैठक भी हो तो मंत्री को चर्चा के लिए आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी जनता की कैबिनेट है और हम जनता के सामने तथ्य रखेंगे। सुरक्षा के मुद्दे पर बोलते हुए प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा कम कर दी गई है। उन्होंने दावा किया कि अब तक उन पर तीन बार जानलेवा हमले हो चुके हैं और कांग्रेस, टीडीपी तथा बीआरएस सरकारों के दौरान अधिकारी के रूप में सेवा देने के बावजूद कभी उनकी सुरक्षा नहीं घटाई गई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को पत्र भी लिखा है। प्रवीण कुमार ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति का शौर्य पदक प्राप्त है और उन्होंने 26 वर्षों तक देश की सेवा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा में कटौती कर उन्हें डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी की जाती है, तब भी वह भ्रष्टाचार और जनहित के मुद्दों को उठाते रहेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उन्हें कांग्रेस में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था तथा विभिन्न पदों की पेशकश की गई थी, जिन्हें उन्होंने स्वीकार नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह बीआरएस में ही बने रहेंगे और पार्टी के सत्ता में आने पर सभी आरोपों और कथित अनियमितताओं की जांच कराई जाएगी।

प्रशिक्षण के साथ कला और व्यक्तित्व विकास पर देना आवश्यक है : अभिलाष बिष्ट

प्रोबेशनरी डीएसपी और ट्रेनी एक्साइज अधिकारियों का सांस्कृतिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस अकादमी (टीजीपीए) के रानी रुद्रमदेवी ऑडिटोरियम में प्रोबेशनरी डीएसपी और ट्रेनी एक्साइज सब-इंस्पेक्टरों द्वारा संयुक्त रूप से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और रंगारंग माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तेलंगाना पुलिस अकादमी की निदेशक अभिलाष बिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने ट्रेनी अधिकारियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के साथ-साथ कला, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में ट्रेनी अधिकारियों ने शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, गरबा, बोनालु नृत्य प्रस्तुतियाँ, दुर्योधन मोनोलॉग और समूह नृत्य जैसी विविध प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रत्येक प्रस्तुति में प्रतिभागियों का अनुशासन, रचनात्मकता और कलात्मक कौशल स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन इंडक्शन ट्रेनिंग डिप्टी डायरेक्टर चेतन के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें कोर्स कोऑर्डिनेटर श्रीनिवास रेड्डी, आउटडोर असिस्टेंट डायरेक्टर यारलागड्डा रामबाबू तथा डीएसपी सांस्कृतिक समिति का सहयोग रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में इंचार्ज डीएसपी आदूरी श्रीनिवास राव और आउटडोर डीएसपी कृष्ण का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन ट्रेनी डीएसपी निशांत और श्रीकांत ने किया, जिन्होंने प्रभावशाली मंच संचालन से दर्शकों को प्रभावित किया। यह सांस्कृतिक आयोजन प्रशिक्षणार्थियों में टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता और आपसी सौहार्द को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़ा था किसान

मेदक, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के चिन्ना शंकरमपेट मंडल के दरिपल्ली गांव के बाहरी इलाके में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वेल्डुर्थी निवासी किसान पनुगंती मैसैया (54) कृषि बोरवेल की मरम्मत का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान क्षेत्र में तेज बारिश और आंधी शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वह एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए, तभी उन पर आकाशीय बिजली गिर गई।

बिजली गिरने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो : चारू सिन्हा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस अकादमी (टीजीपीए) के सेमिनार हॉल-2 में आज प्रोबेशनरी डीएसपी अधिकारियों के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा - पीओएसएच अधिनियम का क्रियान्वयन और महिलाओं की समस्याएँ विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 112 प्रॉबेशनरी डीएसपी अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अकादमी निदेशक अभिलाष बिष्ट के आमंत्रण पर मुख्य अतिथि के रूप में सीआईडी डीजी चारू सिन्हा उपस्थित रहीं। उन्होंने पॉश (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ होने वाला उत्पीड़न केवल प्रत्यक्ष रूप में ही नहीं, बल्कि शब्दों, व्यवहार, संकेतों और अनुचित आचरण के रूप में भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ऐसे मामलों की समय पर पहचान कर कानूनी रूप से उपलब्ध सुरक्षा तंत्र का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से पॉश अधिनियम के महत्व को समझाया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी कि कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो। इसके बाद विमेन सेफ्टी विंग काउंसलर ईशा शरवानी ने महिलाओं के कार्य जीवन में आने वाली मानसिक, सामाजिक और पेशेवर चुनौतियों तथा यौन उत्पीड़न के विभिन्न रूपों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को इस कानून की पूरी समझ होनी चाहिए और समाज में भी व्यापक जागरूकता फैलानी चाहिए। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल सुनिश्चित करने में पुलिस अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में डीएसपी सतीश ने लायजन अधिकारी के रूप में समन्वय की जिम्मेदारी निभाई।

जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था कराएगी सरकार: योगी

गोरखपुर, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय भरोसा देते हुए कहा कि जरूरतमंदों के इलाज और मकान की व्यवस्था सरकार कराएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी होना चाहिए। इस अवसर पर सीएम ने लोगों से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर संवेदनशीलता दिखाएं।

जनता दर्शन में एक महिला ने सीएम योगी से कहा कि उनके पास रहने के लिए अपना मकान नहीं है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। एम्स दिल्ली में इलाज कर रही महिला को सीएम ने राहत कोष से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। एक अन्य महिला की इलाज संबंधी समस्या सुनने के बाद उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके इलाज की व्यवस्था गोरखपुर एम्स या बीआरडी मेडिकल कॉलेज में की जाए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया।

दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिलेगी नई उड़ान

ग्रेटर नोएडा, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को नोएडा और यमुना सिटी के महत्वपूर्ण दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में करीब 6750 करोड़ रुपए के निवेश वाली दो बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही नोएडा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और समीक्षा बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन व यीडा ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना सिटी के सेक्टर-10 में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सबसे पहले विकसित किए जा रहे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे एसेंट सर्किट्स प्राइवेट लिमिटेड की औद्योगिक इकाई की आधारशिला रखेंगे। लगभग 3220 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित होने वाली इस परियोजना में फ्लेक्सिबल पीसीबी, हाई डेंसिटी इंटरकनेक्टेड पीसीबी (एचडीआई पीसीबी) और सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट्स का निर्माण किया जाएगा।

'साधु-संत सजा भुगत रहे, कोई दान नहीं दे रहा'

रामदास बाल योगी बोले-चढ़ावा चोरी का असर पूरी अयोध्या पर

अयोध्या, 27 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर में हुई चढ़ावे की चोरी की घटना से यहां के साधु-संत नाराज हैं। उनका कहना है कि इस घटना से उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। अयोध्या के संत रामदास बाल योगी महाराज ने कहा है कि चढ़ावे की चोरी का असर पूरी अयोध्या पर है। राम मंदिर ही नहीं, अयोध्या के बाकी के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है और दान में भी कमी आई है।

सजा पूरी अयोध्या भुगत रही

अयोध्या के रामदास बाल योगी महाराज ने कहा कि, 'श्रद्धालु नाराज हैं, श्रद्धालुओं में कमी आई है, चढ़ोतरी में भी कमी आई है और पूरे क्षेत्र में इसका असर है। राम मंदिर में कोई आता था तो हम लोगों के मंदिर में भी आता था। हम तो मां सरयू के तट पर हैं, तो तमाम श्रद्धालु शाम को आरती में आते हैं। अब लेकिन कमी आई है। जब चोरी करेंगे तो कैसे आपको दान मिलेगा? पूरी अयोध्या सजा भुगत रही है। और देखिएगा, भगवान राम इन चोरों को कभी माफ नहीं करेंगे। जिन्होंने चोरी की है उनको सजा प्रशासन से जो मिलनी होगी मिलेगी। या हो सकता है उन्हें बचाया जाए, लेकिन भगवान राम इनको नहीं बचाएंगे।'

चंपत राय ने चोरी की बात स्वीकार नहीं की थी

रामदास बाल योगी महाराज ने राम मंदिर में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कि, 'अखिलेश यादव ने जब इस मामले को सोशल मीडिया पर उजागर किया तो सबको इसकी जानकारी मिली। उसके तत्काल बाद चंपत राय जी ने कहा कि गिनती सही है, यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, भ्रम फैलाया जा रहा है। वे इसको स्वीकार करने से इनकार रहे थे।' उन्होंने कहा कि, 'राम मंदिर जब बन रहा था तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और सभी पदाधिकारियों ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं और आरएसएस के लोगों के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर प्रचार किया। मंदिर बना और उसका श्रेय भी उन्होंने लिया। प्रतिष्ठा मोदी जी, योगी जी ने कराई। तो आज चोरी की जिम्मेदारी कोई और लेगा? चोरी यदि हुई है तो क्या यह 10, 20 हजार, 50 हजार के वेतनभोगी कर्मचारियों ने की है?

हनुमानगढ़ी के महंत संत रामदास का निधन, सीएम योगी ने जताया शोक

अयोध्या, 27 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के प्रसिद्ध सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के वरिष्ठ महंत संत रामदास का शनिवार को निधन हो गया। वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीबी माने जाते थे। उनके निधन की जानकारी उनके शिष्य और हनुमानगढ़ी के पुजारी महंत राजू दास ने दी है। संत के ब्रह्मलीन होने की खबर से अयोध्या के संत समाज और श्रद्धालुओं में शोक की लहर व्याप्त है। बताया गया कि महंत संतराम दास उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थे और उनका पिछले करीब आठ महीने से उपचार चल रहा था। हाल ही में मेदांता अस्पताल लखनऊ में भी इलाज हुआ था। इलाज के बाद महंत रामदास तीन दिन पहले ही अयोध्या लौटे थे। महंत राजू दास ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हमारे पूज्य गुरुदेव भगवान श्री श्री 1008 श्री महंत संतराम दास जी महाराज पंचांग पट्टी उज्जैनिया हनुमानगढ़ी,अयोध्या जी का गोलोकवास अभी हो गया है। संत रामदास के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताते हुए श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी पर एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज

मथुरा में दिया था विवादित बयान

मथुरा, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी के खिलाफ मथुरा के थाना हाईवे में एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के आदेश के बाद की गई है। त्रिलोक त्यागी पर सार्वजनिक मंच से एक संवैधानिक संस्था के लिए अपमानजनक और असंवैधानिक शब्द इस्तेमाल करने का आरोप है।

जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम के निवासी राजेंद्र प्रसाद की शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज की गई है। 27 मई को मथुरा में राष्ट्रीय लोक दल की एक बैठक और जनसभा आयोजित की गई थी। आरोप है कि इस बैठक में त्रिलोक त्यागी ने अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित करते हुए कथित तौर पर हरिजन आयोग शब्द का इस्तेमाल किया था। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद दलित संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया था। जिसके बाद मामले की शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से की गई थी।

भारत सरकार ने माना है असंवैधानिक

लोकदल नेता के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर में साफ तौर पर इस बात का उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार संसद और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा हरिजन शब्द के प्रयोग को पूरी तरह असंवैधानिक अमान्य और अपमानजनक माना जा चुका है। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए शिकायत में कहा गया कि ऐसे वर्जित शब्दों का प्रयोग जातिगत भेदभाव और हीन भावना को बढ़ावा देता है। आरोप है कि इसके बावजूद एक जिम्मेदार राजनीतिक पद पर बैठे नेता ने सार्वजनिक बैठक में इस अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया जिससे समाज की भावनाओं और संवैधानिक गरिमा को ठेस पहुंची है।

इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मथुरा पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तादी बरत रही है। थाना हाईवे में मुकदमा दर्ज किए जाने के तुरंत बाद इस पूरे केस की विवेचना सीओ रिफाइनरी को सौंप दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है की जनसभा के वीडियो फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की बारीकी से जांच की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खान सर को 30 जून तक राहत

अदालत ने गिरफ्तारी पर लगाई है रोक; अंगरक्षकों को नहीं मिली जमानत

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। पटना के चर्चित कोचिंग विवाद मामले में यूट्यूबर और शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। जिला एवं सत्र न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 30 जून को निर्धारित की है। तब तक खान सर की गिरफ्तारी या उनके खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक जारी रहेगी। शनिवार सुबह हुई सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत में वह अपडेटेड केस डायरी पेश कर दी, जिसे पिछली तारीख पर जिला जज ने तलब किया था। अब अदालत इसी अपडेटेड केस डायरी के आधार पर 30 जून को अग्रिम जमानत याचिका पर अंतिम फैसला सुनाएगी। इसी मामले में खान सर के दोनों निजी सुरक्षा कर्मियों की जमानत याचिका पर भी शुक्रवार को कोई निर्णय नहीं हो सका। उनकी याचिका पर भी अब 30 जून को ही सुनवाई होगी। इससे पहले 25 जून यानी गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी जताई। कोर्ट ने पुलिस द्वारा पेश की गई अपडेटेड केस डायरी को अधूरा बताते हुए जांच एजेंसी को कड़ी फटकार लगाई थी और जल्द से जल्द पूरी केस डायरी पेश करने का आदेश दिया।

भरत तिवारी को 3 नहीं 5 गोलियां लगी थी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर में हुए चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार भरत तिवारी को कुल पांच गोलियां लगी थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भरत तिवारी को जांघ में चार गोलियां लगी, जबकि एक गोली बांयें पैर में लगी है। पहले भरत तिवारी को तीन गोली लगने की बात कही जा रही थी। हालांकि उनकी बहन की ओर से दावा किया जा रहा था कि भरत तिवारी को पांच गोलियां मारी गई है।

पांच गोली लगने से हुई मौत

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, भरत तिवारी को पहली गोली बाएं जांघ के ऊपरी हिस्से में सामने की ओर से लगी थी। दूसरी गोली भी बाएं जांघ के मध्य भाग में भीतर की तरफ लगी पाई गई। वहीं, तीसरी गोली दाहिनी जांघ के बीच वाले हिस्से में भीतर लगी थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चौथी गोली दाहिनी जांघ में बाहरी हिस्से में अंदर की ओर गई थी। इसके अलावा, पांचवीं गोली बाएं पैर के मध्य भाग में पीछे की तरफ से लगी थी। भरत तिवारी के कथित फर्जी मुठभेड़ मामले को लेकर पिछले कई दिनों से सियासत गरम है। विपक्ष सरकार पर लगातार हमलावर है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। इसी बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस घटना में शामिल दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। भोजपुर की घटना को सरकार ने गंभीरता से लिया है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए तत्काल न्यायिक आयोग के गठन का फैसला किया गया है। सम्राट चौधरी ने गुरुवार को पटना में आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम के मंच से इस मामले पर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि भोजपुर की घटना को सरकार ने गंभीरता से लिया है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए तत्काल न्यायिक आयोग के गठन का फैसला किया गया है।

'सियासी घमासान' : सांसद और विधायक के बीच भिड़ंत

मंच पर तकरार और तीखी बहस के बीच भी आरोप-प्रत्यारोप

बांदा, 27 जून (एजेंसियां)। बांदा जिले में कालूकुआं स्थित सपा कार्यालय में छत्रपति साहूजी महाराज की जयंती पर कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान सांसद कृष्णा देवी और विधायक विशंभर यादव के बीच जुबानी जंग हो गई। इसके कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान विधायक अपने वक्तव्य में सांसद का विरोध कर रहे थे। यह सुनकर सांसद भड़क गईं। वायरल वीडियो में वह कहा रही हैं कि आपको सिर्फ बेइज्जती करना आता है। हम अखिलेश भैया से भी कह चुके हैं कि हमारे साथ जो हो रहा है, वह विधायक कर रहे हैं और कोई नहीं कर रहा।

दोनों नेताओं में हो गई कहासुनी

इस पर सपा विधायक भी नाराज हो गए। उन्होंने उंगली दिखाते हुए कहा कि सुनिए, तमीज से बात करिए। बदतमीजी मत करिए। मैंने आपका नाम नहीं लिया है। इसके बाद दोनों नेताओं में कहासुनी हो गई। सपा कार्यकर्ताओं ने किसी तरह विधायक और सांसद को समझाया। करीब 20 मिनट तक गहमागहमी का माहौल रहा। इस दौरान समर्थक भी एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते नजर आए। विधायक विशंभर यादव ने बताया कि किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ है। हमारी पार्टी की सांसद हैं, कुछ गलत बोल रहीं थी तो उन्हें समझाया है। इधर, सांसद कृष्णा देवी का कहना है कि किसी तरह का विवाद नहीं हुआ है। हमने जो भी कहा आप वीडियो में सुन सकते हैं। जिलाध्यक्ष मधुसूदन ने कहा कि भाजपा चंदा चोरी के मुद्दे से भटकाने के लिए पार्टी के कार्यक्रम का वीडियो बनाकर वायरल करवा रही है।

हत्या और लूट को बनाया पेशा

12 साल जेल के बाद भी नहीं छूटा जरायम का साथ; एसटीएफ ने किया बदमाश का अंत

अंबेडकरनगर, 27 जून (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में यूपी एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में अंबेडकरनगर निवासी बदमाश संजय उर्फ संजीव मारा गया। इस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। इसने वर्ष 2011 में अयोध्या के दिलीप वर्मा के साथ मिलकर ताबड़तोड़ लूट व हत्याएं की थीं।

जिले के अकबरपुर व महरुआ में लूट व तीन हत्याएं करके जरायम की दुनिया में अपना डंका बजाया। करीब 11 साल तक जेल में निरुद्ध रहने के बाद बाहर आया तो फिर से अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया। साथ ही प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम करने लगा। एनकाउंटर के बाद मृतक के पिता व भाई झूठा फंसाने की दलील दे रहे हैं। मूलरूप से अहिरौली थाना क्षेत्र के चककोडार गांव निवासी संजय उर्फ संजीव के विरुद्ध महरुआ में हत्या, लूट के दो व अकबरपुर में एक मामला दर्ज है। वह लगभग 12 वर्षों तक जेल में भी रहा। जेल से रिहा होने के बाद करीब तीन वर्षों से गांव में रह रहा था। हालांकि, उसका अधिकांश समय गोसाईगंज क्षेत्र के वंदनपुर स्थित अपनी ससुराल में बीतता था। बताया जा रहा है कि जेल से छूटने के बाद उसने फिर अपराध की दुनिया में जोर आजमाइश शुरू कर दी थी। एनकाउंटर की खबर अहिरौली पुलिस ने परिजनों को दी तो गांव में मातम पसरा गया। पिता हरिराम और भाई राज बब्बर ने कहा कि संजय इस समय प्रॉपर्टी डीलिंग के साथ चीनी मिल में पगास की ढुलाई का काम कर रहा था। परिजनों का कहना है कि संजय अब परिवार के भरण पोषण की ओर ध्यान दे रहा था। 21 अप्रैल को बहन रूपा की शादी में शरीक हुआ था।

मोहर्रम ड्यूटी के दौरान दारोगा ने वर्दी में चलाई तलवार

> मुजफ्फरपुर एसएसपी ने दिए जांच के आदेश

मुजफ्फरपुर, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से पुलिस महकमे को हैरत में डालने वाला एक मामला सामने आया है। यहां के कांटी थाना क्षेत्र में मोहर्रम जुलूस के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए तैनात एक दारोगा (सब-इंस्पेक्टर) ड्यूटी के दौरान खुद ही तलवारबाजी का हैरतअंगेज करतब दिखाने लगे।

खाकी वर्दी पहने दारोगा द्वारा सार्वजनिक रूप से किए गए तलवारबाजी का वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो के इंटरनेट पर आने के बाद मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने मामले का संज्ञान लिया और पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के सख्त निर्देश जारी किए हैं।

मोहर्रम जुलूस की ड्यूटी में तैनात थे एसआई मुस्तकीम

वीडियो के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, ये पूरा घटनाक्रम कांटी थाना क्षेत्र का है। वहां मोहर्रम के त्योहार को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और भीड़ को नियंत्रित करने व कानून-व्यवस्था सुचारू रखने के लिए कांटी थाने के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) मुस्तकीम खान को पुलिस बल के साथ तैनात किया गया था। लेकिन जुलूस के गुजरने के दौरान दारोगा जी अपनी ड्यूटी भूलकर अखाड़े में उतर गए और हाथ में तलवार थामकर करतब दिखाने में मशगूल हो गए।

एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र ने दिए जांच के आदेश

इस पूरे मामले के तूल पकड़ने और वीडियो के सामने आने के बाद मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र ने तुरंत एक्शन लिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि सोशल मीडिया पर दिख रहे वीडियो की पूरी गंभीरता से जांच कराई जा रही। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि अगर जांच में ये वीडियो पूरी तरह सही पाया जाता है और ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी द्वारा आचरण नियमों (कंडक्ट रूल्स) का उल्लंघन प्रमाणित होता है, तो संबंधित दारोगा के खिलाफ नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

'मुझे सम्राट चौधरी पर भरोसा नहीं'

भरत तिवारी की मां बोलीं-सीबीआई से कराई जाए मामले की जांच, जाऊंगी हाई कोर्ट

पटना, 27 जून (एजेंसियां)। बिहार के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विपक्षी दलों के साथ सत्ता पक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने इस घटना पर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी चौबे का कहना है कि यह सीधा-सीधा मर्डर है।

हालांकि, राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं, लेकिन मृतक भरत तिवारी की मां आशा देवी का कहना है कि उन्हें सम्राट चौधरी पर भरोसा नहीं है।

भरत तिवारी की मां आशा देवी ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, "मुझे एसपी पर भरोसा नहीं है। मुठभेड़ का आदेश उन्होंने ही दिया था। डीएम ने एसपी को आदेश दिया और फिर यह घटना घटी।" उन्होंने कहा कि मुझे न्याय चाहिए। न्याय के लिए, लिए हम हाई कोर्ट और यहां तक की दिल्ली भी जाऊंगी। उन्होंने कहा कि वह अभी तक की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। आशा देवी ने आगे कहा कि मुझे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भरोसा नहीं है। मामले की जांच सीबीआई से होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके दूसरे बेटे चंदन तिवारी को धमकाया गया, एसपी उसे एक कोने में ले गए और मीडिया से बात न करने को कहा। अगर ऐसा वह करता है को उसे भी भरत की तरह मार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसपी का तबादला होना चाहिए, इस मामले की जांच का नेतृत्व कर रहे पटना हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस विनोद कुमार सिन्हा शुक्रवार को भरत तिवारी के घर पहुंचे। इस दौरान सिन्हा ने तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी और माता आशा देवी से मुलाकात की और उनके बयान दर्ज किए।

भरत तिवारी के परिवार के एक सदस्य के मुताबिक, मां ने जस्टिस सिन्हा को बताया कि भरत भूषण तिवारी अपना हथियार फेंकने के बाद पुलिस के साथ जाने के लिए तैयार थे। तिवारी की मां ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उनके बेटे को पकड़कर एक गड्ढे में फेंक दिया और घटनास्थल पर मौजूद एसडीपीओ के आदेश पर उसे पांच गोलियां मारीं। माता-पिता के बयान दर्ज करने के बाद जस्टिस सिन्हा और उनकी टीम ने जिस जगह पर यह घटना हुई, उसका दौरा किया। भरत को 17 जून की सुबह पुलिस ने गोली मार दी थी और उसी शाम पटना के अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी।

‘चंपत राय से बड़ा भ्रष्ट कोई नहीं’

दिग्विजय का निशाना, कहा- 12 करोड़ लोगों के चंदे का कोई हिसाब नहीं

भोपाल, 27 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। सत्ता पक्ष इस मामले को लेकर लगातार केंद्र और राज्य सरकार पर हमलावर है। इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार और मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन पर जमकर निशाना साधा। जानकारी के मुताबिक दिग्विजय सिंह शनिवार (27 जून) को उज्जैन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकाल मंदिर के दर्शन किए और स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात। इसके साथ ही उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। मीडिया से बात करते हुए राम मंदिर में हुए चंदा चोरी को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने चंपत राय सहित कई मुद्दों पर खुलासे किए। सिंह से इस घटना की निंदा करते हुए इसे बेहज दुखद बताया। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के इतिहास में आजादी के पहले और आजादी के बाद पहली बार ऐसी हुकूमत आई है, जिसकी हुकूमत में मंदिर की दान राशि में

घोटाला हो रहा। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर तीखा हमला करते हुए कहा कि चंपत राय से बड़ा बेईमान और भ्रष्ट कोई नहीं है।

‘उद्धव को नहीं मिली रसीद’

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के मंदिर में जमकर चंदा चोरी की गई। लगभग साढ़े 12 करोड़ लोगों ने चंदा दिया। वहीं पहले दिए चंदे का आज तक कोई हिसाब नहीं। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जो एक करोड़ रुपए दिए और चांदी की शिलाएं दी उनकी रसीद और हिसाब अब तक नहीं मिला।

आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद पर आरोप

सिंह ने कहा कि यह आरएसएस मॉडल ऑफ गवर्नेंस है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में चंदा चोरी करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट के बाद अयोध्या में एफआईआर हुई और दोषियों को रिमांड पर लिए जाने की बजाय उन्हें गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया गया।उन्होंने कहा कि यह लोग सनातन धर्म का विनाश कर रहे हैं और सनातनियों के साथ धोखा कर रहे हैं।

क्या है मामला

दरअसल इस पूरे विवाद की शुरुआत 7 जून को हुई थी, जब समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावे में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया था। इस खबर के बाद हड़कंप मच गया था। इसके बाद ट्रस्ट के अनुरोध पर 13 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने एसआईटी का गठन किया गया।

एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंपी। 25 जून को रात इस मामले में एफआईआर दर्ज हुई और 26 जून को अयोध्या पुलिस ने 8 नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। वहीं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया है।

पहाड़ी माता मंदिर में चोरी, एफआईआर दर्ज होते ही पकड़ा गया चोर; पूर्व कर्मचारी से 13 तोले सोना बरामद

भिवानी, 27 जून (एजेंसियां)। प्रदेश के पहले स्वर्ण मंदिर के रूप में पहचान रखने वाले प्रसिद्ध पहाड़ी माता मंदिर में चढ़ावे में आए आभूषणों से जुड़े प्रकरण में प्रशासनिक जांच अब पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गई है। लोहारू थाना पुलिस ने मंदिर प्रबंधन से जुड़े एक पूर्व कर्मचारी आशीष को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले अतिरिक्त उपायुक्त बाबूलाल करवा के समक्ष करीब दो घंटे तक मामले से जुड़े पक्षों की सुनवाई हुई, जिसके बाद प्रशासनिक रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज की। पुलिस के अनुसार आरोपित के घर से पहले की गई कार्रवाई में करीब 13 तोले सोना, चांदी के आभूषण तथा अन्य सामान बरामद हुआ था।

अब उसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी है, ताकि बरामद आभूषणों, दस्तावेजों और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा सके। धार्मिक स्थलों पर चढ़ावे में आने वाले बहुमूल्य आभूषणों की सुरक्षा को लेकर देशभर में समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। अयोध्या राम मंदिर में सामने आए आभूषण प्रकरण के बाद अब पहाड़ी माता मंदिर का मामला भी प्रदेशभर में चर्चा का विषय बन गया है।

बेसहारा गोवंश परेशानी का कारण बने, अवैध डेयरियों पर कार्रवाई की मांग तेज

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। यमुनापार की सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बन गए हैं। सड़कों पर झुंड बनाकर खड़े गोवंश अचानक हमलावर हो जाते हैं, जिससे आए दिन दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। मंडावली वार्ड की पार्षद शशि चांदना पर अपने कार्यालय जाने के दौरान श्रीराम चौक के पास अचानक एक गोवंश ने हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। फिलहाल उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में भय का माहौल है। लोगों का आरोप है कि ये गोवंश अवैध डेयरी संचालकों के हैं, जिनके खिलाफ शिकायतों के बावजूद नगर निगम कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं करता। गीता कॉलोनी, मंडावली, आइपी एक्सटेंशन, गणेश नगर और गोकलपुरी की सड़कों पर हर दिन सैकड़ों की संख्या में बेसहारा गोवंश नजर आते हैं। व्यस्त सड़कों और बाजारों में इनकी मौजूदगी जाम और दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कई बार ये पैदल यात्रियों पर अचानक हमला भी कर देते हैं। मंडावली निवासी रतन का कहना है कि लगभग हर सड़क पर बेसहारा पशुओं का झुंड खड़ा रहता है,

साइबर ठगों ने बैंक अधिकारियों को बनाया अपना शिकार

फर्जी दस्तावेज दिखाकर खुलवाए छह फ्रीज खाते, जांच शुरू

तिरुवनंतपुरम, 27 जून (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने बैंक अधिकारियों को धोखा देकर फ्रीज किए गए छह बैंक खातों को फिर से चालू (अनफ्रीज) करा लिया। इसके लिए उन्होंने अदालत और पुलिस के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। खाते चालू होने के बाद ठगों ने उनमें मौजूद पैसे दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिए। मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी है। तिरुवनंतपुरम शहर की साइबर पुलिस ने वझुथाकाउड स्थित एक निजी बैंक के प्रबंधक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मामला दर्ज किया। इसके साथ ही जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, आपराधिक मामलों के संबंध में साइबर पुलिस के अनुरोध पर पहले ही कई बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए थे। इस साल अप्रैल में, बैंक को एक ऐसे पते से ईमेल प्राप्त हुआ, जो तिरुवनंतपुरम शहर साइबर पुलिस की आधिकारिक ईमेल आईडी से मिलता जुलता था।

अधिकारियों ने बताया कि ईमेल में साइबर पुलिस के लेटरहेड पर एक जाली पत्र, एक फर्जी कानूनी नोटिस और तिरुवनंतपुरम के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के जाली हस्ताक्षर और मुहर वाला एक मनगढ़ंत अदालती आदेश शामिल था। ईमेल में बैंक को छह फ्रीज किए गए खातों को अनफ्रीज करने और मध्य प्रदेश के एक अन्य बैंक में रखे गए खाते में 66,452 रुपये ट्रांसफर करने का निर्देश दिया गया था। उस बैंक खाते का पता लगाने के प्रयास भी जारी हैं जिसमें पैसा ट्रांसफर किया गया था। पुलिस खाताधारकों का विवरण भी जुटा रही है और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिकाओं की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि विस्तृत जांच चल रही है। आरोपियों की पहचान जल्द ही होने की उम्मीद है। भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी, प्रतिरूपण द्वारा धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेज को असली के रूप में इस्तेमाल करना, अदालती अभिलेखों की जालसाजी और नकली सामान बनाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

पशुधन निरीक्षक के घर से भारी मात्रा में मिली नोटों की गड्डियां, रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नबरंगपुर, 27 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में ओडिशा विजिलेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रायघर में मुख्य जिला पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में तैनात लाइवस्टॉक इंस्पेक्टर (पशुधन निरीक्षक) प्रफुल्ल हलदर को 80 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर मुख्यमंत्री कामधेनु योजना के तहत लाभार्थी की सब्सिडी जारी करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। विजिलेंस के अनुसार, मुख्यमंत्री कामधेनु योजना के तहत संबंधित डेयरी किसान का चयन लाभार्थी के रूप में किया गया था।

इस योजना के माध्यम से डेयरी किसानों को 1 से 5 गायों की डेयरी यूनिट स्थापित करने के लिए सहायता दी जाती है। आरोप है कि पशुधन निरीक्षक प्रफुल्ल हलदर ने लाभार्थी से सब्सिडी की राशि जारी करने के बदले 80,000 की रिश्वत मांगी। इतना ही नहीं, उन्होंने कथित तौर पर धमकी भी दी कि अगर रिश्वत नहीं दी गई तो शिकायतकर्ता के साथ-साथ उसके गांव के अन्य लाभार्थियों की सब्सिडी भी रोक दी जाएगी। बार बार रिश्वत की मांग से परेशान होकर लाभार्थी ने ओडिशा विजिलेंस से संपर्क किया और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस ने ट्रैप बिछाया। तय योजना के अनुसार जब आरोपी अधिकारी रिश्वत की रकम ले रहे थे, तभी विजिलेंस की टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से 80,000 की पूरी रिश्वत राशि बरामद कर जब्त कर ली गई। विजिलेंस ने बताया कि आरोपी के दोनों हाथों की हैंड वॉश टेस्ट में सकारात्मक परिणाम मिले, जिससे यह पुष्टि हुई कि उन्होंने रिश्वत की रकम को छुआ और स्वीकार किया था। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस ने आरोपी अधिकारी से जुड़े ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

उसके रायघर स्थित आवास और कार्यालय की तलाशी के दौरान घर से 8.24 लाख कैश बरामद किया गया, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। विजिलेंस ने आरोपी अधिकारी प्रफुल्ल हलदर को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। इस मामले में कोरापुट विजिलेंस थाना में भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है : सैलजा

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे जनप्रतिनिधियों को भी खुलेआम जान से मारने की धमकियां देने लगे हैं और करोड़ों रुपये की फिरौती मांग रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि कुछ दिन पहले महम से कांग्रेस विधायक श्री बलराम दांगी के कार्यालय के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी और अब उन्हें 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगते हुए जान से मारने की धमकी दी गई है। यह घटना केवल एक विधायक पर हमला नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र और कानून व्यवस्था को खुली चुनौती है। सांसद ने कहा कि जब एक निर्वाचित विधायक ही स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा, तो आम नागरिक की सुरक्षा का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। भाजपा सरकार के शासन में अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो चुका है और अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। हत्या, लूट, फिरौती, गोलीबारी और संगठित अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार प्रभावी कार्रवाई करने में विफल साबित हुई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है,

लेकिन वर्तमान सरकार इस मूल दायित्व को निभाने में असफल रही है। प्रदेश में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है, जिससे आम जनता स्वयं को असहाय महसूस कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि महम विधायक को धमकी देने वाले अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

सिस्टम शर्मसार, खटिया से पार कराई नदी; रास्ते में हुई प्रसूता की डिलीवरी

छिंदवाड़ा, 27 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विकासखंड में विकास के दावों की पोल खोलती एक दर्दनाक घटना सामने आई है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में एक गर्भवती महिला को उफनती नदी को खटिया पर लेटकर पार करना पड़ा। एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंच सकी और रास्ते में ही प्रसव हो गया। लोहड़ी मोहल्ला (ग्राम हथोड़ा) में करीब 20 परिवार रहते हैं। इन लोगों को मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए एक नदी पार करनी पड़ती है।

बारिश के मौसम में नदी उफनने पर ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ जाती हैं। मोहल्ले की एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। आशा कार्यकर्ता ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन खराब कनेक्टिविटी के कारण वाहन नहीं पहुंच सका। महिला की हालत बिगड़ती देख गांव के जांबाज युवाओं ने तुरंत खटिया पर उसे लिटाया और नदी पार कराने का फैसला लिया। जान जोखिम में डालकर युवा नदी के तेज पानी में खटिया को संभाले आगे बढ़े। इसी दौरान रास्ते में महिला की डिलीवरी हो गई। बाद में उन्हें बाइक की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

कौन हैं के वेंकट नारायणन?

सीएम विजय ने अपने करीबी को सौंपी अहम जिम्मेदारी डीएमके ने नियुक्ति पर क्यों उठाए सवाल?

चेन्नई, 27 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिझगा वेत्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय ने फिल्म निर्माता के वेंकट नारायणन को नई दिल्ली में राज्य सरकार का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया। हालांकि, यह नियुक्ति होते ही राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। विपक्षी द्रमुक ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे प्रशासनिक अनुभव की अनदेखी बताया है। सरकार के आदेश के अनुसार, के। वेंकट नारायणन को एक वर्ष की अवधि के लिए तमिलनाडु सरकार का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी।

विशेष प्रतिनिधि का पद राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच समन्वय का अहम माध्यम माना जाता है। इस पद पर नियुक्त व्यक्ति केंद्रीय मंत्रियों से संपर्क, मुख्यमंत्री की

दिल्ली बैठकों की व्यवस्था और संसद सत्र के दौरान राज्य के सांसदों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का काम करता है। के। वेंकट नारायणन तमिल फिल्म उद्योग के जाने-माने निर्माता हैं। वह केवीएन प्रोडक्शंस के प्रमुख हैं। उन्हें मुख्यमंत्री विजय का करीबी माना जाता है। नारायणन, विजय की आगामी राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'जना नायकन' के मुख्य निर्माता भी हैं। यह फिल्म हाल के महीनों में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणन में देरी और रिलीज से पहले फिल्म के ऑनलाइन लीक होने के कारण चर्चा में रही है। नारायणन की मुख्यमंत्री विजय से नजदीकी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मई 2026 में जब विजय ने राज्यपाल आर। वी। अर्लेकर के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया था, तब वह उनके साथ राजभवन भी पहुंचे थे। राजनीतिक हलकों में उन्हें विजय के विश्वसनीय सहयोगियों में गिना जाता है। इसी वजह से उनकी नियुक्ति को लेकर सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

द्रमुक की आलोचना के बावजूद मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) या तमिझगा वेत्री कड़गम की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल, राज्य की राजनीति में यह नियुक्ति चर्चा का विषय बनी हुई है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

इयरफोन लगाकर बात कर रही थी नर्स, मरीज को लगा दिया बेहोशी का इंजेक्शन, मौत

सागर, 27 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) से स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां कथित लापरवाही के चलते एक मरीज की मौत हो गई। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान मोबाइल पर बात करने में व्यस्त नर्स ने मरीज को गलत इंजेक्शन लगा दिया। इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है, वहीं मृतक के परिवार ने पूरे मामले की जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। मृतक की पहचान ईएनटी विभाग में भर्ती देवेंद्र पाठक के रूप में हुई है। परिवार का आरोप है कि एक छोटी सी लापरवाही ने उनके परिवार के मुखिया की जान ले ली।

देवेंद्र पाठक की पत्नी रीता पाठक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि जब नर्स मरीज को इंजेक्शन लगा रही थी, उस दौरान उसके कानों में ब्लूटूथ इयरफोन लगे हुए थे और वह फोन पर बातचीत कर रही थी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने नर्स को मोबाइल पर बात करने से रोका भी था, लेकिन वह नहीं मानी। आरोप है कि इसी दौरान नर्स ने वह इंजेक्शन मरीज को लगा दिया, जिसे अगले दिन ऑपरेशन प्रक्रिया के दौरान बेहोशी के लिए इस्तेमाल किया जाना था। 12 जून को देवेंद्र पाठक को गले में गांठ की जांच और बायोप्सी के लिए बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने आगे की प्रक्रिया के लिए एट्राक्यूरियम बेसीलेट इंजेक्शन मंगवाया था। यह एक हाई रिस्क दवा मानी जाती है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को शिथिल करने के लिए किया जाता है और इसे आमतौर पर एनेस्थीसिया प्रक्रिया के दौरान विशेषज्ञों की निगरानी में दिया जाता है। परिवार का आरोप है कि इस दवा को बिना डॉक्टर की अनुमति और बिना किसी डबल चेकिंग प्रक्रिया के वार्ड में ही मरीज को लगा दिया गया।

इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद देवेंद्र पाठक की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें सांस लेने में परेशानी हुई और उनकी स्थिति गंभीर हो गई। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज शुरू किया और करीब 45 मिनट तक सीपीआर देने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर लिया गया। इसके बाद देवेंद्र पाठक करीब 11 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करते रहे, लेकिन 23 जून की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया।

उमर अब्दुल्ला का महबूबा मुफ्ती पर बड़ा हमला, कहा- सगे मामा के बेटे को दी थी चोर दरवाजे से नौकरी

श्रीनगर, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को बैकडोर भर्ती के आरोपों पर जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, जब महबूबा मुफ्ती मुख्यमंत्री थीं, तब उनके सगे मामा सरताज मदनी के बेटे को चोर दरवाजे से नौकरी पर रखा गया, जिसे बाद में अदालत के सख्त निर्देशों के बाद पद से हटना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा, महबूबा मुफ्ती का बयान उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसा है।

उन्होंने साफ किया कि उनकी सरकार इस मामले में पूरी तरह पारदर्शी है और अगले एक या दो दिनों के भीतर जनता के सामने सारा सच लाकर रख देगी। वे शुक्रवार को श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, जो लोग आज उन पर इस तरह के झूठे आरोप लगा रहे हैं, वे खुद अपने शासनकाल में सबसे ज्यादा अवैध और बैकडोर नियुक्तियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या लोग भूल गए हैं कि महबूबा मुफ्ती के कार्यकाल के दौरान की गई ऐसी अवैध नियुक्तियों को अदालतों ने रद्द कर दिया था। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर बैंक में पीडीपी-भाजपा सरकार के समय सैकड़ों ऐसी नियुक्तियां की गईं, जिनकी जांच आज भी जांच एजेंसियां कर रही हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा, अगर वह पिछली सरकार की अवैध नियुक्तियों की गिनती शुरू कर दें, तो मीडिया के पास उसे गिनने के लिए वक्त कम पड़ जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पीडीपी को खुली चुनौती देते हुए कहा, अगर उनके आरोपों में जरा भी सच्चाई है, तो वे सबूत पेश करें। उन्होंने कहा कि पीडीपी नेता इस सरकार के कार्यकाल में चोर दरवाजे से भर्ती किए गए किसी एक भी उम्मीदवार का नाम सामने लेकर आएं। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन ने आउटसोर्सिंग के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) सरकार को आड़े हाथों लिया है।

प्रदर्शन के दौरान बीजेपी सांसद हर्ष महाजन की बिगड़ी तबीयत, लड़खड़ाकर गिरे; वीडियो आया सामने

शिमला, 27 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन की शनिवार को शिमला में अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह शिमला के डीसी ऑफिस के बाहर भारतीय जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। यह प्रदर्शन बीडीसी चेयरमैन और जिला परिषद चेयरमैन के गठन में कथित देरी के विरोध में आयोजित किया गया था। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद हर्ष महाजन ने मीडिया से बातचीत करते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

इसके बाद जब बीजेपी विधायक बलवीर वर्मा पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, तब हर्ष महाजन उनके पास ही खड़े थे। इसी दौरान उन्हें अचानक चक्कर आया और वह लड़खड़ाने लगे। मौके पर मौजूद बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तुरंत उन्हें संभाल लिया, जिससे वह गिरने से बच गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें डीसी ऑफिस के बाहर खड़ी एचआरटीसी टैक्सी के माध्यम से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला ले जाया गया।

इंदौर में भू-माफिया का खौफ

500 करोड़ की जमीन विवाद में दो पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला, 6 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

इंदौर, 27 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में भू-माफिया के बढ़ते प्रभाव और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कनाड़िया रोड स्थित लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की छह एकड़ जमीन पर कब्जे के विवाद में बीच-बचाव करने पहुंचे दो पुलिसकर्मियों पर कथित रूप से भू-माफिया से जुड़े गुंडों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना के छह दिन बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। घटना 21 जून की रात करीब 12:45 बजे की है।

कनाड़िया रोड स्थित डायमंड कॉलोनी (डायमंड गृह निर्माण संस्था) की विवादित जमीन पर मारपीट की सूचना मिलने पर संचार नगर पिकेट पर तैनात सिपाही विजय सिकरवार और आशीष शर्मा मौके पर पहुंचे थे। पुलिसकर्मी जब विवाद शांत कराने का प्रयास कर रहे थे, तभी वहां मौजूद बदमाशों ने उन पर लाठियों से हमला कर दिया। हमले में सिपाही विजय सिकरवार के सिर में गंभीर चोट आई और उन्हें 16 टांके लगाने पड़े, जबकि आशीष शर्मा को 8 टांके आए। आरोप है कि हमलावरों ने दोनों पुलिसकर्मियों के मोबाइल फोन भी छीनकर फेंक दिए। घटना के बाद दोनों घायल पुलिसकर्मियों का उपचार कराया गया। स्थानीय पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। आरोप है कि कनाड़िया थाना प्रभारी ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने के बजाय घायल पुलिसकर्मियों पर समझौते का दबाव बनाया। यह भी आरोप हैं कि नियमानुसार सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) कराने के स्थान पर घायलों का इलाज निजी अस्पताल में कराया गया, जिससे मामले को दबाने की कोशिश की जा सके।

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। दो दिन तक कार्रवाई नहीं होने और मामला सार्वजनिक होने के बाद पुलिस आयुक्त संतोष सिंह यादव के हस्तक्षेप पर एफआईआर दर्ज की गई। मुख्य आरोपी मोहसिन सहित कुछ आरोपियों को पुलिस वाहन से उनके घर तक छोड़ा गया। बताया जा रहा है कि पूरा विवाद कनाड़िया रोड स्थित लगभग छह एकड़ जमीन को लेकर है, जिसकी बाजार कीमत करीब 500 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यह जमीन कागजों में प्रतीक सांघवी और दीपक सिसोदिया की संस्था के नाम बताई जाती है। आरोप है कि जमीन पर कब्जा करने के लिए मोहसिन और उसके साथियों को लगाया गया था। इस घटना ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इंदौर पहुंचकर मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि यदि पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हैं और उन पर हमले के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो रही है, तो इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के पास गृह विभाग का भी प्रभार है और वे इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। ऐसे में पुलिस पर हुए इस हमले और छह दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है, जबकि आम लोगों की नजर अब इस बात पर टिकी है कि आरोपियों के खिलाफ कब तक ठोस कार्रवाई होती है।

अमेरिका को फिर पछताना पड़ेगा

नए हमलों से भड़के ईरान ने डोनाल्ड ट्रंप को दी धमकी, खतरे में शांति समझौता!

तेहरान, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने एक बार फिर ईरान पर हमला किया है। अमेरिका ने इसे होर्मुज जलडमरूमध्य में कार्गो जहाज पर एक दिन पहले हुए ड्रोन हमले का जवाब कहा है। अमेरिका की इस नई सैन्य कार्रवाई कार्रवाई से ईरान भड़क गया है। ईरान की ओर से कहा गया है कि अमेरिका इस 'खेल' को बंद कर दे, अगर ईरान के धैर्य की परीक्षा लेने की कोशिश होगी तो फिर उसे ऐसा जवाब मिलेगा कि उसे पछताना पड़ेगा। इस घटनाक्रम से दोनों देशों के बीच शांति समझौता संकट में पड़ता दिख रहा है।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने शनिवार को कहा कि अमेरिका ने बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर अजीजी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर बातचीत की शुचिता तोड़ रहे हैं। युद्धविराम का उल्लंघन फिर उनके पीछे हटने और पछतावे का कारण बनेगा।

अमेरिका ईरान में तनातनी फिर बढ़ गई है

ईरान में अमेरिकी हमले ने दिखा दिया है कि डोनाल्ड ट्रंप बातचीत या सीजफायर के उसूलों के लिए उनका कोई कमिटमेंट नहीं है। यह लापरवाही उन्हें पीछे हटने और पछताने पर मजबूर करेगा। ब्लेम गेम अब काम नहीं करेगा। इब्राहिम अजीजी का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के नियंत्रण में है।

इसलिए नियमों का सम्मान करें और हमारे नियंत्रण को तनाव बढ़ाने की कोशिश ना समझें। वहीं शुक्रवार शाम को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अगर युद्धविराम समझौते पर कोई असहमति है तो ईरान को बात करनी चाहिए लेकिन हिंसा का जवाब हिंसा से दिया जाएगा।

ताजा तनाव की शुरुआत गुरुवार को हुई है, जब ब्रिटिश सेना ने गुरुवार को कहा कि ओमान के तट के पास उसके जहाज पर एक प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या रॉकेट जैसा हथियार) से हमला हुआ। यह हमला जिस रास्ते पर हुआ, उससे ना जाने की धमकी ईरान ने दी थी। इसके जवाब में शुक्रवार को अमेरिका ने हमला कर दिया, जिससे तनाव बढ़ गया।

यह घटनाक्रम अमेरिका और ईरान के लिए एक नाजुक समय पर हुआ है, जब दोनों पक्ष युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अमेरिका और ईरान समझौते की शर्तों पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी शामिल है। अंतरिम समझौते के तहत दोनों पक्षों के पास विवरण तय करने के लिए 60 दिन का समय है।

कार्गो जहाज पर हमले और अमेरिका के जवाबी अटैक से समझौते के लिए चीजें मुश्किल होती दिख रही हैं। शिपिंग विश्लेषकों का कहना है कि ड्रोन हमले ने खाड़ी से बाहर निकलने वाले फंसे हुए जहाजों और कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकरों के बढ़ते प्रवाह पर एक तरह का साया डाल दिया है। इससे एक बार फिर होर्मुज में यातायात की रफ्तार पर खराब असर हो सकता है।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके, अब तक 920 मौतें

करीब 3300 घायल, 51 हजार लापता, लोग खुद मलबा हटाकर अपनों को तलाश रहे

काराकस, 27 जून (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए।

इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

अमेरिका-ईरान में ताजा झड़पों के बीच पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने किया अराघची को फोन

इस्लामाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने ईरानी समकक्ष से बातचीत की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस बातचीत के बारे में जानकारी दी है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और ईरान ने बीती रात एक दूसरे पर हमले किए हैं। इस दौरान पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने दोहराया कि इस क्षेत्र और उससे बाहर स्थायी शांति और स्थिरता का लक्ष्य हासिल करने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान प्रतिबद्ध है।

ईरानी विदेश मंत्री ने की पाकिस्तान की तारीफ

बयान में आगे कहा गया कि ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने शाति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने ईरानी मछुआरों की सुरक्षित और सुचारू वापसी में मदद करने के लिए इस्लामाबाद का धन्यवाद किया। इसमें आगे कहा गया कि दोनों अधिकारी एक दूसरे के साथ

पाकिस्तान और ईरान के विदेश मंत्रियों ने फोन पर बात की है

लगातार संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

अमेरिका और ईरान की बीच ताजा झड़प ऐसे नाजुक समय में हुई है, जब वॉशिंगटन और तेहरान पिछले हफ्ते हुए एक अंतरिम समझौते के तहत युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इसकी शुरुआत गुरुवार को सिंगापुर के झंडे वाले तेल टैंकर एयर लवली पर हमले के साथ हुई। हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को निकालने का ऑपरेशन रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि जब तक उन्हें भरोसा नहीं मिल जाता कि जहाज सुरक्षित रूप से आ-जा सकत हैं, वे ऑपरेशन फिर से शुरू नहीं करेंगे।

इसके बाद अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने यह हमले कमर्शियल जहाज पर ड्रोन हमले के जवाब में किए हैं। इसके बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि उसने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। इन ताजा झड़पों ने दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम के आगे बने रहने पर संदेह पैदा कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के 15 से ज्यादा सांसद-विधायक पर आपराधिक केस

बिलासपुर, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 15 से ज्यादा सांसद, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कोर्ट में मामले पेडिंग हैं। हाईकोर्ट की ओर से जारी मई 2026 की स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार 15 से ज्यादा नेताओं के खिलाफ 20 से अधिक गंभीर आपराधिक केसों में सुनवाई चल रही है।

जारी सूची के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वर्तमान विधायक कवासी लखमा, देवेंद्र यादव और पूर्व सांसद मधुसूदन यादव समेत कई पूर्व, वर्तमान विधायकों के मामलों की नियमित रूप से फास्ट ट्रैक कोर्ट में मॉनिटरिंग और सुनवाई हो रही है। रायपुर की विशेष कोर्ट में इस वक्त सबसे हाई-प्रोफाइल मामलों की सुनवाई चल रही है। रायपुर के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीबीआई) की अदालत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कैलाश मुरारका और विजय भाटिया के खिलाफ आपराधिक मामला क्रमांक 5465/2018 दर्ज है।

इन नेताओं पर आईपीसी की धारा 120बी, 469, 471 और आईटी एक्ट की धारा 67-ए के तहत गंभीर आरोप हैं, जिसकी सुनवाई के लिए 19 जून 2026 की तारीख तय की गई थी। इसके अलावा रायपुर की ही प्रथम जिला अतिरिक्त सत्र न्यायालय में वर्तमान विधायक कवासी लखमा के खिलाफ एसीबी के विशेष मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई चल रही है, जिसमें अगली सुनवाई 1 जुलाई 2026 को होनी है। साथ ही ईडी की ओर से विधायक कवासी लखमा और भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई भी जून महीने में ही तय की गई थी।

ट्रंप से उठा भारतीयों का भरोसा, रेटिंग में रिकॉर्ड गिरावट

दुनिया के टॉप-5 पसंदीदा नेताओं की लिस्ट

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीयों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसा कमजोर हुआ है। ताजा सर्वे से पता चलता है कि भारतीयों का अमेरिकी सरकार पर भरोसा इस समय पिछले 25 सालों में सबसे कम है। वहीं अमेरिका के बारे में नकारात्मक राय रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। भारतीयों ने विदेशी नेताओं में सबसे ज्यादा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पसंद किया है। दुनियाभर में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में लोगों की राय बहुत अच्छी नहीं है।

प्यू रिसर्च सेंटर के साल 2026 के ग्लोबल ओपिनियन सर्वे के पुराने डेटा के मुताबिक, भारतीय दुनिया के दूसरे बड़े नेताओं की तुलना में रूस के पुतिन पर ज्यादा भरोसा करते हैं। व्लादिमीर पुतिन पर 51 फीसदी लोगों ने भरोसा जताया है। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप 39%, इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू 34%, फ्रांसीसी प्रेसिडेंट इमैनुएल

मैक्रों 33%, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की 29% और शी जिनपिंग छठें नंबर पर 25% लोगों के भरोसेमंद हैं।

प्यू के सर्वे से पता चलता है कि 45% भारतीय अमेरिका के बारे में सकारात्मक राय रखते हैं जबकि 31% की राय नकारात्मक है। यह पिछले 25 सालों में सबसे ज्यादा नकारात्मक रेटिंग है।

सिर्फ 39% भारतीयों को भरोसा है कि डोनाल्ड ट्रंप वैश्विक मामलों में सही कदम उठाएंगे, जो 25 साल में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसे की सबसे कम रेटिंग है। ये आंकड़े पिछले साल की तुलना में बहुत बड़ा बदलाव दिखाते हैं। पिछले साल अमेरिका के प्रति सकारात्मक राय 54% और नकारात्मक राय 19% थी, जबकि ट्रंप पर भरोसा 52% था। मौजूदा आंकड़े उन सबसे कम रेटिंग्स में से हैं, जो अमेरिका और उसके राष्ट्रपति को भारतीय लोगों से मिली हैं। प्यू ने 2002 में अमेरिका के प्रति वैश्विक जनमत पर सर्वे शुरू किया था।

2026 के डेटा के अनुसार, भारतीय लोगों को ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ के इस्तेमाल, वेनेजुएला और ईरान से जुड़े विवादों को संभालने के तरीके और सख्त इमिग्रेशन नीतियां पसंद नहीं आई हैं। सिर्फ 32% भारतीयों ने ट्रंप की इमिग्रेशन नीतियों का समर्थन किया। वहीं सिर्फ 17% ने वेनेज़ुएला के मामले में और 28% ने ईरान पर उनकी नीति का समर्थन किया है।

दुनिया की बात की जाए तो प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में शामिल 36 देशों में औसतन 23% वयस्क दुनिया के मामलों में ट्रंप उनके नेतृत्व पर भरोसा जताते हैं। कई देशों में पिछले साल के मुकाबले ट्रंप पर भरोसा कम हुआ है।

दो यूट्यूबर्स पर दूसरी एफआईआर महिला से 50,000 मांगे

दुर्ग-भिलाई, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े कथित इंस्टाग्राम चैट विवाद में फंसे 2 यूट्यूबर्स सागर साहू और पुष्पराज सिंह की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ ब्लैकमेलिंग और उगाही के आरोप में दूसरी एफआईआर दर्ज की है।

दरअसल, महिला ग्राहक सेवा केंद्र चलाती हैं। यूट्यूबर्स ने आरोप लगाया था कि वह ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी कर उनके अंगूठे का निशान लगवाकर खाते से पैसे निकाल लेती है। जबकि महिला का आरोप था कि यूट्यूबर्स ने बातचीत को तोड़-मरोड़कर वीडियो तैयार किया। पीड़िता का कहना है कि सोशल मीडिया से वीडियो हटाने के बदले यूट्यूबर्स ने 50 हजार मांगे। 35 हजार रुपए देने के बाद वीडियो तो हटा दिया गया, लेकिन फिर से 2 लाख रुपए की डिमांड की, न देने पर बदनाम करने और नए वीडियो जारी करने की धमकी दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी यूट्यूबर्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। हालांकि, दोनों ही आरोपी भूपेश बघेल से जुड़े कथित इंस्टाग्राम चैट मामले में जेल में हैं। जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता महिला नाम का नेहा मिश्रा है, जो उमदा की रहने वाली है और पिछले 5 सालों से वह गांव में ग्राहक सेवा केंद्र चलाती है।

25 जून को उसने पुरानी भिलाई थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया है कि कुछ समय पहले सागर साहू अपने साथी पुष्पराज सिंह के साथ आधार कार्ड की फोटोकॉपी कराने के बहाने उनके दफ्तर पहुंचे थे।

बांग्लादेश में विदेशी दखल रोकने में करेंगे मदद

तारिक से मुलाकात में जिनपिंग का भारत पर निशाना, ढाका में बढ़ेगी रस्साकशी!

बीजिंग, 27 जून (एजेंसियां)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से कहा है कि उनका देश 'विदेशी दखल को नकारने' और अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में ढाका का समर्थन करेगा। तारिक रहमान के चीन दौरे से आया यह एक अहम बयान है।

इस दौरान किसी देश का नाम लेकर ढाका में दखल की बात नहीं कही गई लेकिन इसमें भारत की ओर संकेत साफ मिलता है। बांग्लादेश में दक्षिणपंथी दल लगातार भारत पर उनके अंदरुनी मामलों में दखल देने का आरोप लगाते रहे हैं। ये आरोप शेख हसीना के कार्यकाल में काफी ज्यादा लगाए गए थे।

फरवरी में पीएम पद संभालने वाले तारिक रहमान की शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात हुई है। बैठक के बारे में चीन की ओर से जारी जानकारी के

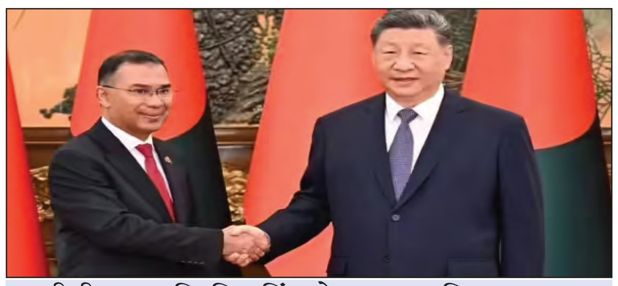
चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ तारिक रहमान

अनुसार, शी ने कहा कि चीन राष्ट्रीय स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने और विदेशी दखल को नकारने में बांग्लादेश का समर्थन करता है। इसे चीन की ढाका में भारत के प्रभाव को कमजोर करने की कोशिश की तरह देखा जा रहा है। इससे ढाका में भारत-चीन के बीच रस्साकशी बढ़ सकती है।

शी जिनपिंग ने इस दौरान कहा कि दुनिया चाहे कितनी भी बदल जाए लेकिन बांग्लादेश से दोस्ताना संबंधों की दिशा पर चीन अपनी प्रतिबद्धता से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने चीन को बांग्लादेश का भरोसेमंद दोस्त, अच्छा पड़ोसी और अच्छा साझेदार बताया है। यात्रा के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों पक्ष अपने विदेश मंत्रियों के बीच रणनीतिक वार्ता तंत्र स्थापित करने और 2+2 वार्ता की संभावना तलाशने पर सहमत हुए हैं। बांग्लादेश ने 'वन-चाइना पॉलिसी' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें ताइवान को चीन का हिस्सा माना जाता है। वहीं चीन ने बांग्लादेश की संप्रभुता और अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल स्वतंत्र विकास का रास्ता चुनने के उसके अधिकार का समर्थन किया। इस यात्रा के ठोस नतीजों में से एक था बांग्लादेश की तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना में सहयोग करने का चीन का वादा है।

संयुक्त बयान में कहा गया कि चीन-बांग्लादेश एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, हाइड्रोलॉजिकल पूर्वानुमान, बाढ़ की रोकथाम, आपदा न्यूनीकरण, नदी की ड्रेजिंग और संबंधित तकनीक साझा करने के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करेंगे।

भारत कर रहा आतंकी गुटों की मदद

आतंकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने भारत पर मढ़ा दोष

इस्लामाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने एक बार भारत के आतंकवाद को समर्थन देने के अपने पुराने दावे को दोहराया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आरोप लगाया है कि भारत पूरे क्षेत्र में ऐसे गुटों को बढ़ावा दे रहा है, जो उसकी जमीन पर आतंकी हमलों को अंजाम देते हैं। शरीफ ने दावा किया कि भारत की ओर से पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए ये हो रहा है।

पाकिस्तान ने हालिया वर्षों में लगातार इस बात को कहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान में कई सशस्त्र गुट भारत से मदद हासिल कर रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने शनिवार को कराची में एक कार्यक्रम में बोलते हुए भारत पर कई आरोप मढ़े हैं।

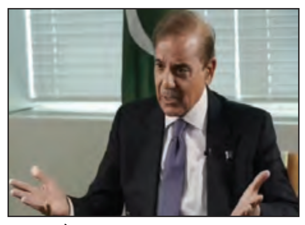

इस दौरान शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कई तरह के संघर्षों और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें आंतरिक और बाहरी खतरे शामिल हैं। इन दोनों खतरों ने पाकिस्तान की चुनौती बढ़ा दी है।

हमारी सेनाएं पूरब में तनाव तो पश्चिमी सीमा (अफगानिस्तान) से आने वाले विदेशी समर्थित आतंकवाद के खतरे का एक साथ सामना कर रही हैं। इस मौके पर पाकिस्तानी जनता अपनी सेना के साथ एकजुट होकर खड़ी है।

भारत का जिक्र करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा, 'हमारा पूर्वी पड़ोसी हमारे देश में बड़ी मुश्किल से हासिल की गई शांति और स्थिरता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। हमने पिछले मई में उसको झटका दिया था और अब हमारा पड़ोसी (भारत) प्रॉक्सी के जरिए हमारी जमीन पर हिंसा को बढ़ावा दे रहा है।'

शहबाज शरीफ ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करना का दोष भी भारत को दिया है। शहबाज शरीफ ने इस दौरान यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका मजबूत हुई है। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) कराने में बड़ी भूमिका निभाई है।

शहबाज शरीफ से पहलेपाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भारत पर अफगानिस्तान को सैन्य मदद देने का आरोप लगा चुके हैं। आसिफ ने संकेत दिया कि अफगान तालिबान की सेना ने पाकिस्तान के दो प्रांतों में आईएसआईएस के ठिकानों को जिस ड्रोन से निशाना बनाया था। वे ड्रोन अफगानिस्तान को भारत से भेजे गए थे।

पाकिस्तान को अफगानिस्तान से लगातार चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां और बलूचिस्तान में भी सशस्त्र विद्रोही गुट सक्रिय हैं। ये गुट पाकिस्तानी सेना और सरकार के अफसरों पर हमले करते रहे हैं।

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे टैंकर पर बड़ा हमला

3 दिनों में दूसरी घटना, अमेरिका और ईरान पर शक

तेहरान, 27 जून (एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर शनिवार को अज्ञात चीज से हमला हुआ है। इस हमले की जानकारी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने दी है। इस हमले में जहाज के ब्रिज को नुकसान पहुंचा है, लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ब्रिज वह जगह होती है, जहां से कप्तान और क्रू मेंबर जहाज को चलाते और उसे कंट्रोल करते हैं। अभी तक किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इससे पहले 25 जून को भी एक कार्गो जहाज पर हमला हुआ था। यूकेएमटीओ को होर्मुज जलडमरूमध्य में एक घटना की रिपोर्ट मिली है। टैंकर के कैप्टन ने बताया है कि जहाज पर किसी अज्ञात चीज (प्रोजेक्टाइल) से हमला हुआ है। जहाज के ब्रिज को नुकसान पहुंचा है। सभी क्रू सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। फिलहाल पर्यावरण को किसी नुकसान की सूचना नहीं है। जहाजों को सावधानी से गुजरने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना यूकेएमटीओ को देने की सलाह दी गई है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

यह हमला तब हुआ है, जब अमेरिकी सेना ने ईरान के कई ठिकानों पर हमले किए हैं, जिनमें मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज साइट और कोस्टर रडार स्टेशन शामिल हैं। अमेरिका ने कहा है कि उसने यह हमला होर्मुज जलडमरूमध्य में एक कमर्शियल कार्गो जहाज़ पर ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में किया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच श्रीलंका में सीक्रेट मुलाकात

कोलंबो/इस्लामाबाद, 27 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच सीक्रेट बैठक की खबरों ने दोनों देशों में राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। अब इस मामले पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। पाकिस्तान के एक अखबार ने दावा किया था कि इस्लामाबाद और नई दिल्ली के अधिकारियों के बीच कोलंबों में यह दुर्लभ मुलाकात हुई। रिपोर्ट के अनुसार, यह मुलाकात उस समय हुई, जब इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की ओर से आयोजित सुरक्षा सम्मेलन में भारत, मालदीव, श्रीलंका, पाकिस्तान और ब्रिटेन समेत कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सूत्रों के हवाले रिपोर्ट में दावा किया है कि भारतीय और पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने हिल्टन

पूर्व राजनयिक रुचि घनश्याम | राष्ट्रीय महासचिव राम माधव | जनरल एमएम नरवणे

कोलंबो में डेढ़ दिन तक अलग-अलग बातचीत की। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें दोनों देशों के पूर्व राजनयिक, रिटायर्ट सैन्य अधिकारी और सत्ताधारी गठबंधन के नेता और सत्ताधारी पार्टियों के नेता शामिल हुए। इस कथित मुलाकात को ट्रैक 1.5 बातचीत नाम दिया गया है।

घटनाक्रम के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव, पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे और पूर्व राजनयिक रुचि घनश्याम शामिल थीं। घनश्याम ब्रिटेन में भारत की राजदूत रह चुकी हैं और 1990 के दशक के आखिर में इस्लामाबाद में उच्चायोग में काम करने वाली पहली महिला राजनयिकों में से एक थीं।

पाकिस्तानी टीम में विदेश मंत्रालय के एक मौजूदा राजनयिक, डायरेक्टर जनरल (दक्षिण एशिया और सार्क) सज्जाद हैदर खान और सत्ताधाकी पीपीपी की नेता और पूर्व मंत्री शेरी रहमान शामिल थीं। इसके साथ ही मेजर जनरल (रि) इसफंदयार अली खान पटौदी भी शामिल थे। वे पाकिस्तानी सेना की खुफिया एजेंसी ISI में काम कर चुके हैं। अमेरिका के लिए दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री पॉल कपूर ने कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने वालों के लिए रखे गए एक डिनर में हिस्सा लिया था। सीमित सूची वाले मेहमानों में कुछ भारतीय और पाकिस्तानी प्रतिनिधि भी मौजूद थे। कपूर 21 से 24 जून तक श्रीलंका के दौरे पर थे।

बीजिंग की सबसे ऊंची बिल्डिंग से टकराया छोटा विमान

109 मंजिला टावर खाली कराया गया

बीजिंग, 27 जून (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग में एक छोटा विमान 109 मंजिला बिल्डिंग से टकरा गया। यह इमारत 'चाइना जुन' के नाम से भी जानी जाती है और बीजिंग की सबसे ऊंची इमारत है। एहतियात के तौर पर पूरी इमारत खाली करा ली गई है।

फिलहाल किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी नहीं है। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में इमारत की ऊपरी मंजिलों के शीशे टूटते और विमान के टुकड़े नीचे गिरते दिखाई दे रहे हैं। ग्राउंड फ्लोर के पास धुआं उठता भी नजर आया।

यह चीन में बना हल्का विमान बी-12पीपी मॉडल था।

विमान में केवल पायलट सवार था। उसने हादसे से करीब आधा घंटा पहले शिफोसी एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और शाम 5:40 बजे लौटकर लैंडिंग की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसका संपर्क टूट गया और वह तय रास्ते से भटक गया।

30 जून से शुरू हो रहा है आषाढ़ महीना

हिंदू धर्म में आषाढ़ माह का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। यह साल का चौथा महीना होता है और इस दौरान पूजा-पाठ, व्रत, तपस्या और भगवान की भक्ति का खास फल मिलता है। मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु की पूजा करने, दान-पुण्य करने और सात्विक जीवन अपनाने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार, वैदिक पंचांग के मुताबिक 30 जून 2026 से आषाढ़ माह की शुरुआत होगी।उन्होंने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा 30 जून को सुबह 5 बजकर 26 मिनट पर समाप्त होगी, इसके बाद आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी। इसी के साथ आषाढ़ महीने का आरंभ माना जाएगा।वहीं इस माह का समापन 29 जुलाई 2026 को होगा। इसी दिन आषाढ़ पूर्णिमा भी मनाई जाएगी।

आषाढ़ माह का धार्मिक महत्व

आषाढ़ का महीना भगवान विष्णु की भक्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।इस महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर देवशयनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन से चातुर्मास की शुरुआत होती है। कहा जाता है कि देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और फिर चार महीने बाद देवउठनी एकादशी पर जागते हैं।चातुर्मास शुरू होने के बाद हिंदू धर्म में कई मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी के बाद विवाह, गृह प्रवेश, सगाई और मुंडन जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते। इसलिए इस अवधि को साधना, भक्ति, जप और तप के लिए श्रेष्ठ माना गया है।

इस माह में मनाए जाते हैं कई बड़े पर्व

आषाढ़ माह में कई महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व भी आते हैं।आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत होती है, जिसका विशेष महत्व है। इसके अलावा इस माह में गुप्त नवरात्र भी मनाए जाते हैं। यह समय देवी साधना और तंत्र साधना के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

आषाढ़ माह में किन बातों का रखें ध्यान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ माह में व्यक्ति को सात्विक जीवन अपनाना चाहिए।इस दौरान मांस, मदिरा, लहसुन, प्याज और तामसिक भोजन से दूर रहना चाहिए। साथ ही ब्रह्मचर्य का पालन करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा रोज सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य देना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और रुके हुए काम पूरे होने लगते हैं। इस माह में अन्न, वस्त्र, धन और जरूरत की चीजों का दान करना भी बहुत पुण्यदायी माना गया है।

आषाढ़ माह को भक्ति, संयम, दान और साधना का महीना कहा जाता है। इसलिए इस पूरे महीने भगवान विष्णु की आराधना और धर्म-कर्म से जुड़कर व्यक्ति आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकता है।

चातुर्मास की शुरुआत- 25 जुलाई 2026 (देवशयनी एकादशी से)

चातुर्मास का समापन- 20 नवंबर 2026 (देवउठनी एकादशी पर)

आषाढ़ माह 2026 के प्रमुख व्रत और त्योहारों की सूची

आषाढ़ माह की शुरुआत- 30 जून 2026
कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी - 3 जुलाई 2026
श्री कालभैरव कालाष्टमी आषाढ़- 7 जुलाई 2026
योगिनी एकादशी- 10 जुलाई 2026
आषाढ़ रवि प्रदोष व्रत- 12 जुलाई 2026
आषाढ़ मासिक शिवरात्रि- 12 जुलाई 2026
आषाढ़ अमावस्या- 14 जुलाई 2026
आषाढ़ गुप्त नवरात्रि- 15 जुलाई 2026
आषाढ़ चंद्र दर्शन- 15 जुलाई 2026
कर्क संक्रान्ति- 16 जुलाई 2026
आषाढ़ विनायक चतुर्थी- 17 जुलाई 2026
आषाढ़ स्कंद षष्ठी- 19 जुलाई 2026
आषाढ़ मासिक दुर्गाष्टमी- 21 जुलाई 2026
देवशयनी एकादशी- 25 जुलाई 2026
गौरी व्रत प्रारंभ- 25 जुलाई 2026
वासुदेव द्वादशी- 25 जुलाई 2026
आषाढ़ रवि प्रदोष व्रत- 26 जुलाई 2026
जयापार्वती व्रत- 27 जुलाई 2026
कोकिला व्रत- 28 जुलाई 2026
गुरु पूर्णिमा- 29 जुलाई 2026
गौरी व्रत समाप्त- 29 जुलाई 2026
आषाढ़ पूर्णिमा व्रत- 29 जुलाई 2026

जुलाई में कब से कब तक रहेगा पंचक का साया? भूलकर भी न करें ये काम

सनातन धर्म में पंचक को पांच दिनों का अशुभ समय माना जाता है, जब चंद्रमा कुंभ व मीन राशि में गोचर करता है। जुलाई 2026 में दो चोर पंचक आएंगे, जो शुक्रवार से शुरू होंगे। इस दौरान लकड़ी काटना, घर की छत डलवाना, दक्षिण दिशा की यात्रा और सभी शुभ कार्य वर्जित होते हैं। अंतिम संस्कार में भी विशेष विधि का पालन आवश्यक है।

सनातन धर्म में पंचक को पांच दिनों का अशुभ समय माना गया है। हर माह में पांच दिनों तक चलने वाला पंचक वो समय माना जाता है, जिसमें शुभ और मांगलिक काम पूरी तरह से वर्जित माने जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र में पंचक को बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील समय माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पंचक के अशुभ समय का संबंध चंद्रमा के गोचर है।

ज्योतिषविद कहते हैं कि चंद्रमा जब कुंभ और मीन राशि राशि में गोचर करता है, तो उन पांच दिनों की अवधि को पंचक कहा जाता है। कुंभ और मीन राशि में गोचर करने के दौरान चंद्रमा पांच नक्षत्रों धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती नक्षत्र से होकर गुजरता है। जुलाई में दो बार पंचक का साया रहेगा। आइए जानते हैं इस माह में कब-कब पंचक लगेंगे?

जुलाई 2026 पंचक डेट्स

द्रिक पंचांग के अनुसार, जुलाई के पहले पंचक की शुरुआत 03 जुलाई, शुक्रवार को रात 12 बजकर 48 मिनट पर होगी। इस पंचक का समापन आठ जुलाई, बुधवार के दिन शाम को 04 बजे हो जाएगा।

वहीं जुलाई माह में दूसरे पंचक की शुरुआत 31 जुलाई को शुक्रवार के दिन ही सुबह 06 बजकर 38 मिनट पर होगी। इस दूसरे पंचक का समापन 04 अगस्त, मंगलवार को रात 09 बजकर 54 मिनट पर हो जाएगा।

वातावरण, मित्र और करीबी लोग हमारे मन-बुद्धि को प्रभावित करते हैं, इसलिए अच्छी संगत में रहें

हम जिन लोगों के साथ रहते हैं, उनका हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आसपास के लोगों के विचार, व्यवहार और आदतें हम पर असर डालती हैं। हमारा वातावरण, परिवार, मित्र और करीबी लोग हमारे मन और बुद्धि को प्रभावित करते हैं। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम अच्छी संगति में रहें। अगर हम बुरी संगति में रहेंगे, तो नकारात्मक सोच, अवसाद, निंदा और गलत आदतें बढ़ सकती हैं। कई बार हम बेकार की बातों और चर्चाओं में समय नष्ट कर देते हैं। इसलिए हमें ऐसे लोगों का साथ चुनना चाहिए जो हमें अच्छे विचार, सकारात्मकता और सही दिशा दें, ताकि हमारा जीवन बेहतर बन सके।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

क्रिस्टल बॉल का वास्तु कनेक्शन

क्रिस्टल बॉल को पॉजिटिव एनर्जी का महत्वपूर्ण स्रोत माना गया है। ऐसी मान्यता है कि घर या ऑफिस में क्रिस्टल बॉल को सही दिशा में रखें तो तरक्की की राह में आने वाली रुकावटें दूर होती हैं और सफलता के रास्ते खुलते हैं। जानिए क्रिस्टल बॉल को कहां रखना चाहिए।

क्रिस्टल बॉल को वास्तु शास्त्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसे सही

दिशा और स्थान पर रखने से घर और दफ्तर में हमारे आसपास मौजूद नेगेटिविटी में कम होती है। तो चलिए जानते हैं क्रिस्टल बॉल का वास्तु कनेक्शन। साथ ही वास्तु के अनुसार जानेंगे कि क्रिस्टल बॉल को कहां और कैसे रखना शुभ होता है, ताकि इससे ज्यादा से ज्यादा पॉजिटिव एनर्जी प्राप्त की जा सके।

क्रिस्टल बॉल एक प्रभावी उपाय

वास्तु शास्त्र में घर और ऑफिस की एनर्जी को बैलेंस रखने पर विशेष जोर दिया गया है। क्योंकि जिस जगह आप लंबे समय तक रहते हैं वहां कि नकारात्मक ऊर्जा ज्यादा हो तो इसका असर आपकी लाइफ, रिश्तों और काम पर भी दिखने लगता है। इसी ऊर्जा को संतुलित करने के लिए क्रिस्टल बॉल को एक प्रभावी वास्तु उपाय माना है, जो पॉजिटिविटी को बढ़ाने और माहौल को बेहतर बनाने में सहायक है।

मेन एंट्रेस पर लगाना होता है शुभ

वास्तु अनुसार, क्रिस्टल बॉल को घर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। मान्यता है कि यह घर में मौजूद नकारात्मक प्रभावों से छुटकारा दिलाता है। इसलिए घर की सुख-शांति के लिए इसे मेन एंट्रेस पर लगाने की सलाह दी जाती है।

बच्चों की पढ़ाई में मदद

बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता या एकाग्रता की कमी है, तो उनके स्टडी रूम में क्रिस्टल बॉल रखें। वास्तु अनुसार, इसकी पॉजिटिव एनर्जी अपना असर दिखाती है, नतीजतन बच्चों पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ती है और वे पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

करियर और व्यापार में उन्नति

नौकरी और बिजनेस में लगातार मेहनत के बावजूद किसी को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हों तो अपने कार्यस्थल की पूर्व दिशा में क्रिस्टल बॉल रखें। इस जगह रखी क्रिस्टल बॉल उन्नति और नए अवसरों को आकर्षित करती है। साथ ही बिजनेस में सकारात्मक बदलाव और लाभ की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।

वैवाहिक जीवन में मिठास

फेंगशुई और वास्तु में क्रिस्टल बॉल को वैवाहिक रिश्तों के लिए शुभ बताया है। कहते हैं कि इस बेडरूम में रखने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और सामंजस्य बढ़ने है। जिन कपल्स के बीच अक्सर विवाद होते हैं, उनमें नजदीकियां बढ़ाने में भी इसे लाभकारी बताया गया है।

बालकनी में रखें

क्रिस्टल बॉल को ऐसी जगह रखें, जहां उस पर सूर्य की रोशनी पड़ती हो। कहा जाता है कि इससे घर का माहौल अच्छा रहता है और परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम व सौहार्द बढ़ता है। अगर घर में सीधी धूप नहीं आती, तो क्रिस्टल बॉल को कुछ समय धूप में रखने के बाद स्थापित करना चाहिए।

ऐसे करें स्थापित

वास्तु अनुसार, क्रिस्टल बॉल को लगाने से पहले कुछ समय तक नमक के पानी में रखना चाहिए। इसके बाद इसे साफ करके धूप में सुखा लें। मान्यता है कि ऐसा करने से क्रिस्टल की ऊर्जा सक्रिय होकर और बेहतर परिणाम देती है।

परिवार संस्था के हित के लिए विवाह को लेकर गंभीर रहें

विवाह संस्था पर धीरे-धीरे ऐसे आक्रमण हो रहे हैं, जिसके परिणाम अभी पता न लगें, लेकिन भविष्य में परिवार इसकी कीमत चुकाएंगे। कुछ सरकारें लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी दायरे में लेकर उसे समर्थन दे रही हैं। एक छत के नीचे बिना विवाह किए स्त्री-पुरुष पति-पत्नी के रूप में रहें, यह कानून का विषय हो सकता है, लेकिन विवाह संस्था की नैतिकता इससे आहत होगी।

एक आंकड़ा चौंकाता है कि अरेंज मैरिज 25% घट गई, लव मैरिज का प्रतिशत बढ़ गया। और इसी बीच एक और आंकड़ा निकलकर आता है कि सगाई और शादी के बीच की अवधि छह माह से अधिक हो तो 70% रिश्ते या तो टूट जाते हैं या खटाई में पड़ जाते हैं। युवक-युवती एक-दूसरे की पसंद से विवाह करें, इसकी भी आलोचना नहीं की जानी चाहिए।

सीता जी को राम जी ने वाटिका में विवाह पूर्व देखा और स्वीकृति दी। रुक्मिणी जी ने कृष्ण जी को आमंत्रण दिया था। लेकिन इन सभी दृश्यों ने विवाह संस्था का मान किया है, जो हमारे परिवारों के लिए बड़ा आवश्यक है।

सपने में गाय, कमल या सफेद हाथी दिखना क्यों माना जाता है शुभ?

सोते समय आने वाले सपनों को ज्यादातर लोग सामान्य बात मानकर भूल जाते हैं, लेकिन भारतीय परंपरा और स्वप्न शास्त्र में सपनों को केवल कल्पना नहीं माना गया है। मान्यता है कि कई सपने भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत देते हैं। कुछ सपने हमें सावधान करते हैं, जबकि कुछ ऐसे होते हैं जो जीवन में आने वाली खुशियों, सफलता और आर्थिक उन्नति का संदेश लेकर आते हैं। कई बार लोग लंबे समय तक संघर्ष, आर्थिक तंगी या मानसिक तनाव से गुजरते हैं और ऐसे में उन्हें कुछ विशेष तरह के सपने दिखाई देने लगते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार ये संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि अब परिस्थितियां बदलने वाली हैं। माना जाता है कि ऐसे सपनों के बाद व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव, धन लाभ और सम्मान बढ़ने की संभावनाएं बन सकती हैं। आइए जानते हैं उन 5 शुभ सपनों के बारे में जिन्हें अच्छे दिनों की शुरुआत का संकेत माना जाता है।

बछड़े के साथ गाय दिखना माना जाता है बेहद शुभ स्वप्न शास्त्र में गाय को पवित्रता, सुख और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। यदि कोई व्यक्ति सपने में सफेद गाय को देखता है या गाय को अपने बछड़े को दूध पिलाते हुए देखता है, तो इसे अत्यंत शुभ संकेत माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह सपना घर-परिवार में चल रही परेशानियों के खत्म होने और आर्थिक स्थिति में सुधार का संकेत देता है। कई ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार यह सपना मां लक्ष्मी की कृपा मिलने और धन आगमन की संभावना को भी दर्शाता करियर और कारोबार में मिल सकती है सफलता ऐसे सपने को भविष्य में मिलने वाली आर्थिक मजबूती से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि नौकरी में प्रमोशन, व्यापार में लाभ या किसी रुके हुए काम में सफलता मिलने की संभावना बढ़ सकती है। यह सपना मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने का संकेत भी माना जाता है।

अनाज का ढेर या भरे हुए बोरे दिखना सपने में धान, गेहूं, चावल या किसी अन्य अनाज का बड़ा भंडार दिखाई देना भी शुभ माना गया है। यदि कोई व्यक्ति खुद को अनाज के ढेर के पास खड़ा देखता है या भरे हुए बोरे देखता है, तो इसे समृद्धि का संकेत माना जाता है। जलाशय में खिला हुआ कमल का फूल कमल का फूल मां लक्ष्मी से जुड़ा हुआ माना जाता है। इसलिए सपने में साफ पानी वाले तालाब, झील या नदी में खिला हुआ कमल देखना बहुत शुभ संकेत माना जाता है।

सफेद हाथी दिखाई देना या उसकी सवारी करना हाथी को शक्ति, वैभव और प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। विशेष रूप से सफेद हाथी का सपना काफी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं में सफेद हाथी को ऐश्वर्य और राजसी सुख का प्रतीक बताया गया है। यदि कोई व्यक्ति खुद को हाथी की सवारी करते हुए देखता है, तो माना जाता है कि उसके मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ने के साथ-साथ अचानक आर्थिक लाभ मिलने के भी योग बन सकते हैं।

धन लाभ और नए अवसरों का संकेत स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना इस बात की ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने, नए निवेश के अवसर मिलने या व्यापार में नए समझौते होने की संभावना बन सकती है। कई लोग इसे जीवन में नई शुरुआत का संकेत भी मानते हैं।

देवी-देवताओं के दर्शन होना यदि किसी व्यक्ति को सपने में भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी, भगवान गणेश या किसी अन्य देवी-देवता के दर्शन होते हैं, तो इसे सबसे शुभ सपनों में गिना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह सपना जीवन में मौजूद बाधाओं के दूर होने और सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का संकेत देता है। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होने, मनोकामनाओं के पूर्ण होने और परिवार में सुख-शांति आने की संभावना मानी जाती है।

इन दिशाओं में राशन का भंडारण नहीं माना जाता शुभ

वास्तु शास्त्र में खाद्य पदार्थों के भंडारण के लिए कुछ विशेष दिशाओं के बारे में बताया गया है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, सही दिशा में रखा राशन घर में सकारात्मकता बनाए रखने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं रसोई में राशन रखने से जुड़े वास्तु नियम क्या है। घर में रखा राशन केवल दैनिक जरूरतों को पूरा करने का साधन नहीं होता, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा से भी जोड़ा गया है। इससे घर का वातावरण संतुलित बना रहता है, जबकि गलत स्थान पर रखा राशन रखना कई तरह की परेशानियों का कारण

बन सकता है। तो आइए जानते हैं कि आटा, चावल, दाल और अन्य खाद्य सामग्री रखने के लिए कौन-सी दिशा सही मानी जाती है।

राशन का वास्तु महत्व

वास्तु शास्त्र में घर के हर हिस्से और वस्तु के लिए एक विशेष ऊर्जा दिशा बताई गई है। अनाज और खाद्य पदार्थों को भी इसी सिद्धांत से जोड़ा गया है। मान्यता है कि सही स्थान पर रखा राशन घर में बरकत बनाए रखता है। ऐसे में घर में अनाज, दाल, आटा और अन्य राशन सामग्री रखते समय दिशा का ध्यान रखना फायदेमंद माना जाता है।

दक्षिण-पूर्व दिशा है सबसे शुभ

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, दक्षिण-पूर्व दिशा (आग्नेय कोण) राशन के भंडारण के लिए सबसे उपयुक्त है। यह दिशा अग्नि तत्व से संबंधित होती है, इसलिए यहां रखे गए सूखे खाद्य पदार्थ ज्यादा सुरक्षित रहते हैं। अगर घर में अलग स्टोर रूम उपलब्ध न हो, तो रसोई के दक्षिण या दक्षिण-पूर्व हिस्से में राशन रखने की सलाह दी जाती है।

ईशान कोण में न रखें राशन

उत्तर-पूर्व दिशा, जिसे ईशान कोण कहा जाता है, पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों के लिए शुभ मानी जाती है। हालांकि, वास्तु के अनुसार इस दिशा में अनाज या अन्य खाद्य सामग्री रखने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे घर में आर्थिक असंतुलन और स्थिरता से जुड़ी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

इन दिशाओं में भी रखें सावधानी

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर, उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा में लंबे समय तक खाद्य पदार्थ रखने से उनमें नमी, कीड़े या खराब होने की समस्या हो सकती है। विशेषकर मौसम में बदलाव के दौरान यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। इसलिए राशन को ऐसी जगह रखना चाहिए जहां वातावरण सूखा और अनुकूल बना रहे।

ये दिशा भी नहीं मानी जाती अनुकूल

वास्तु के अनुसार दक्षिण-पश्चिम दिशा में भी खाद्य पदार्थों का भंडारण अधिक शुभ नहीं माना जाता। कहा जाता है कि यहां ऊर्जा का संतुलन अपेक्षाकृत कमजोर रहता है, जिससे राशन की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। इसलिए इस दिशा से बचना बेहतर माना जाता है।

बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड और काला धन का था साया

कमल हसन ने बताया-इसलिए छोड़ दी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री

कमल हासन ने साउथ के अलावा बॉलीवुड में खूब काम किया था और कई हिट फिल्में दीं, पर 90 के दशक में उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली। उन्होंने बीच-बीच में बस चंद हिंदी फिल्में ही कीं। कमल हासन ने बॉलीवुड क्यों छोड़ा था, इसकी वजह 2017 में बताई थी। काले धन और बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड के बढ़ते दखल पर वह क्या बोले थे।

कमल हासन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। मूल रूप से उन्होंने तमिल फिल्मों से करियर शुरू किया था और फिर अन्य भाषाओं के साथ-साथ हिंदी फिल्में भी कीं। देखते ही देखते कमल हासन एक ऐसे एक्टर बन गए, जिन्होंने रीजनल भाषाओं के अलावा हिंदी बेल्ट में भी अपनी पहचान बनाई और देश के टॉप स्टार्स में शुमार हुए। कमल हासन ने बॉलीवुड में कई हिट फिल्में दीं। लेकिन साल 1985 में आई 'देखा प्यार तुम्हारा' उनकी आखिरी हिंदी फिल्म रही। हालांकि, इसके बाद वह बीच-बीच में कभी-कभी हिंदी फिल्में करते रहे, पर मुख्य तौर पर दूरी ही बना ली। इसकी वजह क्या थी, यह कमल हासन ने खुद एक बार एक इंटरव्यू में बताई थी।

कमल हासन ने साल 1974 में के. बालाचंदर की 'आइना' से बॉलीवुड में एंट्री की थी और फिर 1981 में आई 'एक दूजे के लिए' से वह हिंदी फिल्मों में छा गए। इस फिल्म ने कमल हासन को बॉलीवुड में रातोंरात स्टार बना दिया था। इसके बाद उन्होंने 'सनम तेरी कसम', 'ये तो कमाल हो गया', 'सदमा', 'ये देश', 'एक नई पहेली', 'यादगार', 'राज तिलक', 'करिश्मा', 'सागर', 'देखा प्यार तुम्हारा' और 'जरा सी जिंदगी' जैसी हिट हिंदी फिल्में दीं।

कमल हासन ने 90s में छोड़ा बॉलीवुड, बीच-बीच बस चंद हिंदी फिल्में

कमल हासन की आखिरी हिंदी फिल्म 1985 में आई थी, पर 1997 में उन्होंने 'चाची 420' से बॉलीवुड में वापसी की थी। इसके बाद वह 'हे राम' (2000), 'अभय' (2001), 'मुंबई एक्सप्रेस' (2005), 'विश्वरूप' (विश्वरूपम, 2013) और 'विश्वरूप II' जैसी बायलिंग्वल फिल्मों में दिखे। पर 90 के दशक में ही हिंदी फिल्मी करियर को छोड़ चुके थे।

कमल हासन ने बताई थी बॉलीवुड छोड़ने की वजह

कमल हासन ने साल 2017 में 'इंडिया टुडे' से बातचीत में कहा था कि उनके दौर के बॉलीवुड एक्टर्स को जो सुख-सुविधाएं मिलती थीं, वो उन्हें नहीं मिलीं। साथ ही, वह इतने अमीर भी नहीं थे कि एक साथ छह फिल्मों में काम कर सकें। कमल ने यह भी बताया था कि उस समय बॉलीवुड के अंडरवर्ल्ड से जो संबंध थे, उनकी वजह से भी उन्होंने वहां करियर बनाने से दूरी बनाए रखी। कमल हासन बोले थे, 'वो समय वो दिन कुछ ऐसे ही थे। मैं हिंदी सिनेमा का गरीब रिश्तेदार था। मुझे अपने कपड़े खुद धोने पड़ते थे वगैरह। वो बिगड़े हुए और अमीर थे। वो एक साथ छह फिल्में कर सकते थे। मुझे यह बहुत निराशाजनक लगता था। यही एक कारण था।'

वो समय वो दिन कुछ ऐसे ही थे। मैं हिंदी सिनेमा का गरीब रिश्तेदार था। मुझे अपने कपड़े खुद धोने पड़ते थे वगैरह। वो बिगड़े हुए और अमीर थे। वो एक साथ छह फिल्में कर सकते थे। मुझे यह बहुत निराशाजनक लगता था। यही एक कारण था।

2017 में एक इंटरव्यू में कमल हासन

'अंडरवर्ल्ड से बहुत ज्यादा कनेक्शन थे'

कमल हासन ने 80 और 90 के दशक में हिंदी फिल्मों से दूरी बना ली थी। उनके मुताबिक, बॉलीवुड में तब काले धन और अंडरवर्ल्ड का दखल कुछ ज्यादा बढ़ गया था, और वह उनकी धमकियों और अंडरवर्ल्ड के माहौल के आगे झुकना नहीं चाहते थे, और इसलिए वापस साउथ सिनेमा में ही लौट गए।

वह बोले थे, 'अंडरवर्ल्ड से बहुत ज्यादा कनेक्शन थे। मैं न तो इसका विरोध करने के लिए वहां रहना चाहता था और ना ही उसकी धमकियों के आगे झुकने के लिए। मैंने तय किया कि मैं काले धन (ब्लैक मनी) से कोई लेना-देना नहीं रखूंगा।' मैं काफी खुश हूं। मैंने कार में निकल गया। ऐसा करना मुमकिन है। मुझसे पहले भी किसी ने ऐसा किया था-कैमरामैन विंसेंट। उन्होंने कभी काले धन को हाथ नहीं लगाया। यह तब की बात है जब किसी सरकार ने उन्हें काला धन न रखने की धमकी भी नहीं दी थी। मैंने और मेरे भाई ने यह फैसला किया और वापस साउथ सिनेमा लौट आए।'

अंडरवर्ल्ड से बहुत ज्यादा कनेक्शन थे। मैं न तो इसका विरोध करने के लिए वहां रहना चाहता था और ना ही उसकी धमकियों के आगे झुकने के लिए। मैंने तय किया कि मैं ब्लैक मनी से कोई नाता नहीं रखूंगा। मैं काफी खुश हूं। मैंने और मेरे भाई ने यह फैसला किया और वापस साउथ सिनेमा लौट आए।

कमल हासन, एक्टर और डायरेक्टर

बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड की एंट्री कब हुई?

मालूम हो कि 90 के दशक में बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड का खूब दबदबा रहा। यह दबदबा इतना ज्यादा था कि फिल्मों में बड़े बिजनेसमैन या अमीर लोगों के अलावा सिर्फ अंडरवर्ल्ड का ही पैसा लगता था। एक समय तो ऐसे हालात पैदा हो गए थे कि फिल्मों के कलाकार और किरदारों से लेकर कहानी तक को तय करने और कास्टिंग में अंडरवर्ल्ड का दखल बढ़ गया। बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड की एंट्री की शुरुआत करीम लाला और हाजी मस्तान से बताई जाती है। फिर तो बाद में दाऊद इब्राहिम से लेकर छोटा राजन जैसे कई और अंडरवर्ल्ड के नाम इंडस्ट्री से जुड़ गए।

अंडरवर्ल्ड के कारण खत्म हुआ कई बॉलीवुड स्टार्स का करियर

कई बॉलीवुड स्टार्स का नाम अंडरवर्ल्ड के साथ जुड़ा और विवाद भी हुआ। कई स्टार्स का करियर ही खत्म हो गया, जिनमें मोनिका बेदी से लेकर मंदाकिनी और जैस्मिन धुन्ना तक का नाम शामिल है।

सोनाली बेंद्रे को फिल्मों से धोना पड़ा था हाथ

सोनाली बेंद्रे ने कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उनके हाथ से कई फिल्में निकल गई थीं क्योंकि उनसे अंडरवर्ल्ड का कनेक्शन था। सोनाली तब उन फिल्मों को करने से खुद को दूर रखती थीं, जिनमें अंडरवर्ल्ड का पैसा लगा होता था।

काव्य कुंज

बैरन अंखियां

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

बैरन हो गई अंखियां मेरी
नींद ले गई रातों में!
थोड़ी सी दिल्लगी भारी
पड़ गई बातों बातों में!!
आंखों को क्यों कोई
इतना प्यारा लगता है,
बिन सोचे समझे दिल किसी का होने लगता है,
सच कहते हैं सब लोग प्रेम अंधा होता है
कसूरवार आंखें पर घायल दिल खातों खातों में!
बैरन हो गई अखियां मेरी नींद ले गई रातों में !!
थोड़ी सी दिल्लगी भारी पड़ गई बातों बातों में!!
चाँद सा सलोना प्रिय कितना अच्छा लगता है,
पास से गुजरे जब वो तो दिल धक धक धड़कता है,
दिन तो गुजर जाता है नजरों की आँख मिचौली में,
बैरन अंखियां उलझ जाती तारों की बारातों में!
बैरन हो गई अंखियां मेरी नींद ले गई रातों में!
थोड़ी सी दिल्लगी भारी पड़ गई बातों बातों में!!

भाग्यचक्र

संजीव ठाकुर,
रायपुर

नियति कुछ रचती है,
कुछ हम सृजन करते,
इसी को लोग जीवन का
भाग्यचक्र कहते हैं।
न केवल भाग्य से ही
कारवाँ आगे निकलता है,
जो श्रम से राह गढ़ डाले,
उसे रहबर कहते हैं।
हवाओं के इशारों पर नहीं हर शाख़ झुकती है,
जो तूफ़ानों से लड़ जाए, उसे शजर कहते हैं।
अँधेरों से निकलकर जो स्वयं सूरज बना जाए,
उसी के तेज़ को दुनिया नया मंज़र कहते हैं।
न गिरना हार कहलाता न रुकना जीत होता है,
निरंतर बढ़ते रहने को जीत का सफ़र कहते हैं।
समय के हर थपेड़े से जो निखरकर चमके,
उसी के धैर्य को जग में अमूल्य धरोहर कहते हैं।
मिले जो दर्द जीवन में उसे भी गीत लिख देना,
यही तो साधना है इसको ही हुनर कहते हैं।
संजीव कलम तेरी सदा विश्वास लिखती है,
नियति में जो आये एक बार उसे अवसर कहते हैं।

कबीरा की वाणी अमृत समानी

केएल प्रभाकर प्राण

मानवता के मंतव्य से
मानवजाति को
जीवन का गंतव्य दर्शाने
कलयुग की गोद में
कबीर का आविर्भाव
जिनके तत्वों में निहित
अनंत हित के भाव
तत्कालीन समाज में
काल के अटल प्रवाह में
विपुल विभीषिका का विस्तार
था तिरोहित शमित संसार
विश्व कल्याण हेतु
समय के सेतु पर
अथक पथिक बनकर
कदम बढ़ाया कबीर
चिरंतन कुरीतियों पर
किया क्रांति का प्रहार
प्रेम की वाणी थी जिसका आधार
जिससे समझाया,
संसार को जीवन का सार
पगरा कबीर का,सूरज-सा नूर !
बुझ गयी
अनबुझ सत्ता की निठुराई
कमाल कर दिखलाये थे
कबीर के प्रेम के अक्षर ढाई
खिला मानवता का मधुबन
मुस्कान बिखेरे अमन के सुमन
जन-जन मगन थे
दया प्रेम के रंग में
सदाचार के संग में
युगों-युगों तक कबीर के आखर
हैं, अस्त न होने वाले दिनकर
चलती दुनिया इन्हें जतन कर
कबीरा ! तुम हो कलयुग का वर
हे ! अनंत ज्ञान के दानी
कबीरा तुमरा साहित्य रूहानी
यह अमिय भरा अर्णव समानी
युगों-युगों तक अमर आपकी वाणी ।

क्या हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं ?

कुमुद बाला,
हैदराबाद

अपना दर्द छुपाकर जो बच्चों को हँसना सिखलाता है
घर में रोटी हो न हो पर रोटी खानी वह सिखलाता है
शहर से उड़ गई गौरैय्या पर वह स्कूल लेकर आता है
पानी की बचत के सारे तरीके वह बच्चों को बतलाता है
उसपर भी तुम कहते हो हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं
स्कूल , फीस अब सरकार का
पर हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं
तुम्हारे बच्चे मंहगे स्कूल में
पढ़ते तुम मंहगे शिक्षक पालते हो
उनको पगार तुम्हीं देते हो और
बच्चे को ट्यूशन तुम भेजते हो
और उच्च शिक्षा की खातिर
बच्चे तुम्हारे विदेश चले जाते हैं
उनको देशभक्ति से नहीं है
मतलब पर तुम यहाँ बैठ टी वी पर
हम सब देशवासियों को देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हो
उनकी दोगली मानसिकता और हम हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं
गर्व है हमको अपनी भक्ति और शक्ति पर
गर्व है हमको हमारे भावों की अभिव्यक्ति पर
गर्व है अपने देश की प्राचीन हर विरासतों पर
गर्व है वंदे मातरम को लिखने वाले व्यक्ति पर
चाटुकारिता नहीं है पेशा हम अपनी मेहनत की खाते हैं
किसानों के हम सच्चे साथी अनाज भी हम ही उगाते है
हमारी चप्पल हमारी पहचान हम सच्चे नागरिक देश के
तुम्हारे बिगड़ैल बच्चों को शिक्षा की राह हम ही दिखाते हैं
अपना अनाज मोटा सही पर शिक्षक का धर्म निभाते हैं
और तुम कहते हो हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं?
जेब में गांधी नहीं शिक्षा की चिंगारी होनी चाहिए
चाटुकारिता की नहीं भविष्य की तैयारी होनी चाहिए
हम भले हैं दो कौड़ी के पर देशभक्ति की धारा बहाते हैं
तुम्हारे ही बिगड़े बच्चों को सच्चाई की ज्योति दिखाते हैं
अब बुरा नहीं लगता क्योंकि तुम सा देश के दीमक हो
हम शिक्षा के मंच के सूरज पैदा करते देश के दीपक हैं
भले हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं।
भले हम दो कौड़ी के शिक्षक हैं।

कशमकश

टी तारासिंह
हैदराबाद

हर शाम सात रंग के सपने दिखाये
हर रात हसीन बातो मे उलझाये
पूरा दिन कशमकश मे गुजारे
ये जिन्दगी भरी पडी है पहेलियो मे
कोई वादे करके मुकरे
कोई आंसू देकर हसे
प्यार बेवफा है ओर दर्द भरी दास्तान
हर इंसान इससे ही गुजरे
प्यार के वादे टूटे
जिंदगी गम मे उलझे
नफरत एक दूसरे से करे
प्यार का मौसम अब कभी ना आये
जिन्दगी बीते एक दूसरे की बुराई करने मे
यहाँ कौन किससे बडा छोटा नही
सब है मतलबी और स्वार्थी ।।

मौन एक अस्त्र है

डॉ टी महादेव राव

मैं के पीछे व्यक्ति
अंतर्मन में करता रहता है मंथन
जिन भावों को नहीं कह पाए अधर
उन्हें मनकी गहराइयों
में कर लेता निक्षिप्त
जिन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिलते
उन्हें हंसी के अक्षर लगाकर
यह एहसास कराता है
कि मौन से बड़ी भाषा नहीं होती
दबाव को दबाकर नसों में
फिसलते क्षणों को पकड़ कर हथेलियां में
दौड़ लगाता है सफलता के पीछे
भावना संघर्षों के बीच
दबते मौन को करता है शांत
अश्रुओं की धारा में भींग कर
चमकते हृदय को दिखाए बिना
मौन कवच धारण करता है
मनुष्य के जीवन संग्राम में
मौन भी एक अस्त्र है।।

किरदार अच्छा हो तो

दर्शन सिंह
हैदराबाद

किरदार अच्छा हो तो
लोग
कब्र का रास्ता पूछ कर पहुंच जाते हैं
सदियां बीती
सड़क के दोनों ओर
कबीर, फरीद, रविदास..
की प्रतिमाएं सजी हैं
चाहे जन्मदिन या पुण्यतिथि
फूल मालाओं से सजी हैं
करें चिंतन
क्योंकर उनके आदर्शों में
डुबकी लगाते हैं
किरदार अच्छा हो तो..
निर्विरोध
गांधी, मंडेला, मार्टिन लूथर किंग
पूजे जाते हैं
डंडे खाए , वर्षों सलाखों के पीछे रहे
फिर भी
सम्मानित सूची में रखे जाते हैं
सत्य मेव जयते
न्यायोचित तराजू में
तोले जाते हैं
किरदार अच्छा हो तो..
शास्त्री , अटल , ए पी जे अब्दुल कलाम
माटी के लाल कहलाते हैं
उच्च आदर्शों के लिए
परिभाषित किए जाते हैं
करें चिंतन क्योंकर
सोने की अंगूठी में हीरे नग
कहलाते हैं
किरदार अच्छा हो तो..

s

डॉ. सुनील
'सावन'

सन्धि समास समाज से, तरुण अरुण नागेश।
नग नाग राग सुराग से, नगपति भव्य भावेश।।
सरसराती हवा-दवा, शीतल नेफा शाम।
सावन पावन सघन घन, गिरि गोदी आराम।।
गीत गाती नदी-सदी, गिरि की छाती चीर।
कल-कल करता आज कल,
अमल धवल पय-नीर।।
दर्शन दर्पण मन सुमन,
खग गिरि कण नद-नीर।
गगनचुम्बी गिरिवर पर ,
'सावन' सरस समीर।।
तटिनी के तट पर अरुण,
गौरैया व कपोत।
तप आतप उत्तुंग शिखर,
रिद्धि-सिद्धि के स्रोत।।
चीड़ ताड़ के आड़ में, सावन सुखद समीर।
असीम आतप तप करे, गुण गावें नद-नीर।।
हिमगिरि पर गूंजे सदा, सरिता का संगीत।
सावन गांव गगन मगन, गांवें खग-कुल गीत।।
कुसुम-महक खग-रग चहक, नमन नयन नभ नील।
हरित ललित लतिका फलित , संचित सागर झील।।

अंधेरा

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

इतना अंधेरा पहले कभी नहीं था,
इसके खौफ से इंसान घायल कभी नहीं था
धुंधली रौशनी भी आशा जगाये रखती थी,
सड़क की रौशनी भी घर चली आती थी
अंधकार तेजी से फैल रहा है,
हाथों को हाथ नहीं सूझ रहा है
अपराधों का बोलबाला है,
झूठ सच पर हावी हो रहा है
तन गरीब नहीं, मन गरीब हो रहा है,
असली चेहरा नजर नहीं आ रहा है
बुझे चिराग को फिर से जलाना होगा,
अंधेरे को जड़ से मिटाना होगा
जिंदगी में उजाला फिर से लाना होगा,
जिंदगी में उजाला फिर से लाना होगा ।

एक मीठा सा सुरीला संवाद

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

संवाद स्थापित हुआ,कोयल और पपीहे के बीच,
बनी एक संवाद की लड़ी,जुड़ी कड़ी से कड़ी,
प्रशंसा की लगी ऐसी धुंआधार झड़ी,
मानों दोनों इक दूजे के पूरक हों,
ऐसी प्रेममय हो गई वो जादुई घड़ी।
दिन की हो रौनक,
दिलों का श्रृंगार हो तुम,
सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक
तुम्हारी महक है,
ऊर्जा और स्फूर्ति का
संचार करनेवाली हो कोयल तुम,
एक जोश, हिम्मत और विश्वास की
खनक हो तपती दुपहरी में भी,
मुसाफिर को मंजिल तक पहुंचाने की ललक हो तुम,
संगीत की सुरसरिता बहाने वाला एक साज हो तुम।।
प्रशंसा की इस दौड़ में कोयल भी कहां पीछे रहती,
कहा, पपीहे तुम तो निशा काल की अनुपम शोभा हो,
हमसफ़र हो रात के मुसाफिरों के,
विरहाग्नि में तपते दिलों पर एक बौछार हो,
दर्द और करुणा का भंडार हो, एक सौहार्द हो,
घाव पर लगने वाले मरहम सी राहत हो, एक चाहत हो।
कितना कुछ सिखा गया दोनों के मध्य का यह अंतरंग संवाद,
दूसरों की लकीर छोटी करने वालों पर है गहरा प्रहार,
ईर्ष्या और विद्वेष से नहीं होता कभी कुछ भी हासिल,
अपने ही गिरेबान में झांक नहीं पाते हैं हम,
और हो जाती है रूह भी चोटिल।

साइकिल: दो पहियों का चमत्कार

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

चपल, चंचल, दुबली पतली,
मटक मटक डोलती फिरती
ट्रिन- ट्रिन की मधुर ध्वनि से
राह बनाती सजग चलती।
नन्हे को ललचाती है
मुन्नी को हाथ दिखाती है ।
बच्चों की मनपसंद सवारी,
उनकी तो पहली सवारी।
बड़ों के लिए बड़ी गुणकारी
बिना पैसे लिए लाभ दिलाती
पर्यावरण को प्रदूषण से बचाती,
नहीं किसी से झगड़ा करती,
नही किसी के जान पर आती।
ना पेट्रोल का झंझट न ही डीजल की फिक्र।
चार पैसे की हवा भरो ऊकड़ू बैठकर सैर को जाओ
मजे मजे में घर लौट आओ,
इतनी सुंदर है यह सवारी
साइकिल की सवारी । साइकिल की सवारी ।

धरती डोली

प्रियंका सौरभ

धरती डोली एक पल,
काँपे घर-दरबार।
रोया सारा देश फिर,
टूटा जन-आधार॥
मलबों में दबते रहे,
कितने सपने-प्राण।
भाषण देते रह गए,
सत्ता के भगवान॥
जुटी कैमरों भीड़ में, गायब था व्यवहार—
रोया सारा देश फिर, टूटा जन-आधार॥
खोल प्रकृति ने दिये, झूठे सारे भेद।
महलों वाले ढूँढ़ते, जीवन का अब खेद॥
धन-दौलत सब रह गई, मिट्टी के अधिकार—
रोया सारा देश फिर, टूटा जन-आधार॥
दर्द आपदा में जहाँ, चलता अपना खेल।
राहत बनकर बिक गया, मानवता का तेल॥
भूखे बच्चे पूछते, किसका यह त्योहार—
रोया सारा देश फिर, टूटा जन-आधार॥
ईंटों से घर बन गए, दिल कब पाए ठौर।
करुणा जिनके पास थी, वही बने सिरमौर।।
सेवा से बढ़कर नहीं, कोई भी उपकार—
रोया सारा देश फिर, टूटा जन-आधार॥
'सौरभ' भूचालों फँसी, धरा रही अब डोल।
झूठे सिंहासन हिलें, खुल जाएँ सब पोल॥
न्याय, दया, संवेदना, सबसे बड़ा आधार—
रोया सारा देश फिर, टूटा जन-आधार॥

विश्वास की डोर टूटी...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

विश्वास की डोरी टूट गई,
सपनों की दुनिया छूट गई,
जिस हाथ में मेहन्दी सजनी थी,
मृत्यु छाया लूट गई।
जिसने संग जीवन माँगा था,
हरेक पल का वादा था,
वही बन अंधेरी राह चली,
इरादा चिराग बुझाना था।
पहाड़ों की वो शांत खाई, इतनी दर्दीली कथा सुनाई,
हँसते चेहरे-मीठी बातें,सब निकली छल की परछाईं।
माँ की आँखें पत्थर बन गईं, पिता की साँसें थम गईं,
घर का उजियारा खोने से, दीवारें भी नम-सी हो गईं।
प्रेम अगर पावन होता है, तब जीवन को संवारता है,
स्वार्थ व छल के अंधकार में, सिर्फ विनाश उगाता है।
यह घटना कहानी नहीं, विश्वास टूटने की निशानी है,
मानवता से जो दूर हुआ, उसकी हर जीत बेमानी है।
ईश्वर से इतनी प्रार्थना हैं, हर घर में विश्वास बना रहे,
प्रेम सदा सम्मान बने, कोई भी केतन यूँ नहीं बिखरे।

प्रथम फुहारें पावस की

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

पावस की प्रथम फुहारों ने,
जल बूंदें बरसाई
धरती के अंग भींगे
सोंधी सी गंध उड़े
माटी के भाग जगे
कण कण में प्राण पड़े ।।
पावस ने ली आज
पहली अंगड़ाई पी लिए बादल ने
सोमरस प्याले मस्ती में झूम रहे
बिजली को छेड़ रहे लुक छुप के चमक रही
बिजली बौराई सुप्त पड़े बीजों से
अंकुर दल फूट चले बाँह बढ़ा वल्लरियों ने
कर शाखों के थाम लिये
उमस रही धरती कोमिली तरुणाई
अमवाँ के छांव तले कोकिल के गीत जगे
सखियों ने डाल दिए सावन के झूले
मधुर मधुर गीतों से गूंजे अमराई
धानों के बीज लिए खेतों के पूत चले
मन में उमंग लिए आस किरण रोप रहे
झलक रही तन मन पर आज अरुणाई
पावस फुहारों ने जल बूंदें बरसाई...

कब आओगे मेरे राम

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

हरदम जपती तेरा नाम
कब आओगे मेरे राम
नैन बिछाए बैठी हूं मैं
अब तो आओ हे मेरे राम !
वर्षों से हूं आस लगाए
दिल में बड़ा उल्लास जगाए
रो- रोकर मेरे नैना हारे
बस तेरा ही नाम पुकारे ।
अब तो आओ हे मेरे राम !
गले लगाओ हे मेरे राम !
हरदम तेरी याद सताए
अंखियां को निंदिया ना भाए,
जीवन ज्योति बुझती जाए
कंठ मेरा भी अब थर्राए ।
अब तो दरश दिखा दो राम
चक्षु की प्यास बुझा दो राम ।
मन मेरा बोझिल होने लगा है
जीवन सूना लगने लगा है,
तुझ बिन कुछ ना भाए मन को
कुछ भी रास ना आए हमको
सुनो मेरी तुम विनती राम आ भी जाओ हे मेरे राम ।
मां शवरी को दरश दिखायाउनके जूठे बेर को खाया,
अहिल्या मां को तुमने तारा पत्थर से इंसान बनाया
अब मुझको भी तुम तारो राम
मुझको शरण लगा लो राम ।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

रिश्ते को खत्म करना कितना मुश्किल ?

सोनम-मुस्कान से सिया तक हत्या का रास्ता क्यों चुन रहा युवा

पुणे के कारोबारी केतन अग्रवाल के हत्या का आरोप उनकी मंगेतर सिया और उसके प्रेमी चेतन पर है। केतन का परिवार दोनों आरोपियों की फांसी की मांग कर रहा है। ये कोई पहला मामला नहीं है जब मंगेतर या पत्नी या पति पर इस तरह का आरोप लगा हो। इससे पहले भी इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोप हनीमून पर गई पत्नी पर लगा तो मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड में आरोप पत्नी मुस्कान पर लगा। वहीं, श्रद्धा वॉलकर हत्याकांड के वक्त भी आरोप प्रेमी आफताब पर लगा।

इस तरह के मामले कई सवाल खड़े करते हैं। सवाल रिश्ते को खत्म करने के तरीके पर भी होता है। सवाल समाजिक व्यवस्था पर भी भी होता है। सवाल ये भी होता है कि क्या सीधे नहीं बोलना इतना मुश्किल हो चुका है कि ऐसे खौफनाक कदम उठाए जा रहे हैं। क्या यह सिर्फ प्यार, धोखा और बेवफाई की कहानी है या फिर इसके पीछे अस्वीकार किए जाने का डर, भावनाओं पर नियंत्रण की कमी, बढ़ता स्वार्थ, मानसिक दबाव और रिश्तों को संभालने की घटती क्षमता जैसी गहरी सामाजिक और मनोवैज्ञानिक वजहें छिपी हैं?

ताजा मामला पुणे का केतन हत्याकांड

महाराष्ट्र के पुणे में कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत को पहले एक ट्रेकिंग हादसा माना गया था, लेकिन पुलिस जांच में यह हत्या का मामला निकला। पता चला कि केतन की मंगेतर सिया गोयल ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर लोहागढ़ किले की खाई में धक्का देकर उनकी हत्या की साजिश रची थी। 18 जून 2026 को ट्रेकिंग के दौरान केतन करीब 300-400 फीट गहरी खाई में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई थी। आरोप है कि सिया ने केतन को मारने का पहला प्लान फेल होने के बाद दूसरे प्रयास में इस हत्याकांड को अंजाम दिया। इसके विफल होने पर उसके पास तीसरा प्लान भी तैयार था।

समाज में क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले ?

एक कांसेप्ट होता है सोशल लर्निंग थ्योरी। यह अल्बर्ट बंडूरा ने आज से कई साल पहले दी थी। उसमें यह बताया गया कि व्यक्ति समाज में, जो भी चीजें चलती हैं, उसको देख के उस चीजों को फॉलो करते हैं। हम आजकल जब देख रहे हैं कि समाज के अंदर रेगुलर बेसिस पे नेगेटिव न्यूज बहुत ज्यादा ही आने लगी है और वह बहुत ज्यादा हाईलाइट भी हो जाती हैं।

लोगों के मन में किसी की हत्या चोरी या कोई गलत काम करने जैसे चीजें सबसे पहले आती हैं। किसी भी समस्या के समाधान के रूप में क्योंकि वही हर जगह दिख रही होती हैं। व्यक्ति को लगता है कि शायद यह फटाफट हो जाएगा और हम इस परेशानी से बाहर आ पाएंगे। उन्हें लगता है कि जब बाकि लोग भी ऐसा करते हैं तो हम भी कर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि व्यक्ति के मन में ये विचार आता कैसे है? जिसमें एक इंसान दूसरे इंसान के अस्तित्व को समस्या के रूप में देखने लगता है। इसमें ऐसा होता है कि हमारी इच्छा, महत्वकांक्षा धीरे-धीरे इतनी महत्वपूर्ण हो जाती हैं कि दूसरे इंसान का होना या ना होना महत्वहीन हो जाता है। मनोविज्ञान में इस प्रक्रिया को बोलते हैं मोरल डिसएंगेजमेंट यानी नैतिक अलगाव। जहां व्यक्ति अपने लक्ष्य को इतना जरूरी मान लेता है कि दूसरे की पीड़ा या उसके जीवन का कोई मूल्य नहीं रहता है। इन मामलों में सबसे विचलित करने वाली बात है विश्वास का टूटना, अब आप अपने मंगेतर, जीवनसाथी किसी पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। अब लोग सोच रहे हैं कि हम किस पर विश्वास करें और किस पर नहीं करें। इसें बस प्रेम प्रसंग के रूप में नहीं देखना चाहिए। हमारे अंदर सहानुभूति की कमी होती जा रही है। हमारी नैतिकता में कमी आ रही है और खुदगर्जी की चरम सीमा का मिला-जुला रूप ऐसे मामलों में देखा जा सकता है। कई परिवारों में आज भी जाति, धर्म, समाज की इज्जत और लोग क्या कहेंगे जैसी बातों को बहुत महत्व दिया जाता है। ऐसे माहौल में बड़े होने वाले लोग अक्सर अपने मन की बात खुलकर कहने से डरते हैं, जहां परिवार अधिक प्रगतिशील और खुले विचारों वाला होता है, वहां रिश्तों और विवाह को लेकर फैसले लेने की ज्यादा स्वतंत्रता होती है, लेकिन कई परिवारों में शादी को जीवन का अंतिम और अटूट बंधन माना जाता है। ऐसे में रिश्ते टूटने या पसंद के साथी को चुनने को लेकर दबाव बढ़ जाता है, जिससे कुछ लोग गलत फैसले लेने की ओर भी बढ़ जाते हैं।

भौतिक उन्नयन, पारिवारिक उन्नयन के साथ-साथ नहीं चल रहा, अभी हमारा समाज थोड़ा बहुत ही आगे बढ़ पाया है। भौतिक उन्नयन और पारिवारिक परंपराओं में गैप बहुत ज्यादा है। इसके कारण मानवीय रिश्तों में जो जटिलताएं आ रही हैं, हम आज भी रूढ़िवादी तरीके से चीजों को आगे बढ़ा रहे हैं, जबकि जमाना बदल चुका है। इन मामलों को केवल अपराध के रूप में देखने सही नहीं है यह हमारी असहजताओं को वास्तवीकता में ला रहा है, सिया के मामले में लोग असहज क्यों हो रहे हैं कि लड़की ने कैसे मार दिया? लेकिन अपराधी के मन में तो अपने स्वार्थ को पूरा करना था।

केवल अपराध की दृष्टि से ना देखकर इसे बदलते हुए परिदृष्य और मानव मन की जटिलताएं और हमारे बनाए हुए मान्यताओं पर चोट के रूप में देखना चाहिए। इस खबर को लोग ऐसे देख रहे हैं कि एक 20 साल की लड़की कैसे हत्यारी निकल गई? उसे तो करोड़पति लड़का मिल रहा था फिर कैसे हत्या कर दी, लेकिन जो अपराध कर रहा था उसके मन में ऐसा कोई विचार नहीं था। ऐसे मामलों को किसी लिंग के रूप में नहीं बल्कि ऐसे देखना चाहिए की हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है, जो हत्या कर रहा है उसके मन में अपने लिंग को लेकर कोई विचार नहीं आ रहा, उसे तो बस अपनी परेशानी खत्म करनी है।

'बाय नाऊ, पे लेटर' का जाल

छोटी शॉपिंग बन सकती है कर्ज का बोझ, लेट पेमेंट से बिगड़ता क्रेडिट स्कोर

ऑनलाइन शॉपिंग के इस दौर में बीएनपीएल यानी 'बाय नाऊ, पे लेटर' तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसकी दो वजहें हैं– यह सर्विस आसान है और पहली नजर में इंटरेस्ट फ्री लगती है। लेकिन यही इसका जाल भी है। लोग छोटे-छोटे कर्ज लेकर बड़े कर्ज में कब फंस जाते हैं, पता ही नहीं चलता। कुछ लोग एक साथ कई प्लेटफॉर्म पर बीएनपीएल इस्तेमाल करते हैं। इसके बाद ड्यू डेट भूल जाते हैं और धीरे-धीरे उनका बजट और क्रेडिट स्कोर दोनों बिगड़ जाते हैं।

बीएनपीएल एक डिजिटल पेमेंट सर्विस है। इसकी मदद से कोई चीज खरीदकर, उसके पैसे बाद में या किस्तों में चुका सकते हैं। अगर तय समय पर भुगतान करें तो इसमें कोई ब्याज नहीं लगता है। बीएनपीएल अभी खरीदें, बाद में रुपए चुकाएं। ईएमआई लोन लेकर हर महीने फिक्स किस्त चुकाएं।

बीएनपीएल आमतौर पर 0% ब्याज लगता है, लेट पेमेंट पर चार्ज लगता है। ईएमआई आमतौर पर ब्याज लगता है, 0% ईएमआई भी हो सकती है। बीएनपीएल फटाफट और आसान है। डॉक्यूमेंटेशन कम होता है। ईएमआई बैंक/कार्ड अप्रूवल लेना होता है। काफी फॉर्मल प्रोसेस होता है। बीएनपीएल शॉर्ट टर्म के लिए होता है। अमूमन 15 दिन से 30 दिन तक। जबकि ईएमआई लॉन्ग टर्म के लिए होता है। अमूमन 3 महीने से 24+ महीने तक।

बीएनपीएल छोटे-मीडियम खर्च के लिए, जैसे ऑनलाइन शॉपिंग। ईएमआई छोटे-बड़े सभी खर्च, जैसे मोबाइल, टीवी, बाइक खरीदारी। सवाल है कि ऑनलाइन शॉपिंग एप्स में BNPL का चलन क्यों बढ़ रहा है? तो जवाब है कि इसके कई कारण हैं। जैसेकि– यह तरीका आसान और आकर्षक है। ग्राहक का बजट नहीं बिगड़ता है। यह सिस्टम शॉपिंग एप्स में इंटीग्रेटेड है। कंपनियों की सेल बढ़ रही है। ग्राहक और कंपनी दोनों को फायदा है।

बीएनपीएल का इस्तेमाल करना आसान होता है, लेकिन इसमें लोग कुछ कॉमन गलतियां बार-बार करते हैं। बीएनपीएल में सही ऑप्शन चुनना जरूरी है, ताकि बाद में एक्स्ट्रा चार्ज न लगे या तनाव न हो।

छोटे-छोटे बीएनपीएल पेमेंट बड़ा कर्ज कैसे बन जाते हैं? तो इसे पॉइंटर्स से समझिए-

छोटे अमाउंट का भ्रम- हर खरीद 100-5000 की होती है, लेकिन कई ट्रांजैक्शन मिलकर बड़ा कर्ज बन जाते हैं। बार-बार माइक्रो खर्च- आसान पेमेंट के कारण लोग छोटी-छोटी चीजें बार-बार खरीदते हैं, कुल खर्च बढ़ जाता है। मल्टीपल एप्स का ओवरलैप- कई एप्स का उधार जोड़कर बड़ा कर्ज बन जाता है। बिल साइकिल का धोखा- पे लेटर के कारण खर्च महसूस नहीं होता। इसलिए खर्च पर कंट्रोल नहीं रहता है। लेट पेमेंट चार्ज- समय पर पूरा बिल न भरने पर ज्यादा लेट फीस लगती है, जिससे रकम तेजी से बढ़ती है। क्रेडिट लिमिट का पूरा इस्तेमाल- लोग पूरी लिमिट यूज कर लेते हैं, जिससे अगला बिल ज्यादा हो जाता है। खर्च ट्रैक न करना- अलग-अलग तारीखों और एप्स के कारण लोग भूल जाते हैं कि कुल कितना बकाया देना है। इससे कर्ज बढ़ जाता है।

वन्यजीव नहीं, उजड़ते जंगल गांवों के दरवाज़े पर हैं

प्रो. आरके जैन

गलों से उठती आह अब गांवों की दहलीज तक सुनाई देने लगी है। आधी रात खेतों में उतरते हाथी, बस्तियों के आसपास मंडराते तेंदुए और घरों की चौखट तक पहुंचते बाघ केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि उस अंधाधुंध विकास के मौन साक्ष्य हैं जिसने उनसे उनका आशियाना छीन लिया। विडंबना यह है कि जिस देश ने सदियों तक वृक्षों को देवता और वन्यजीवों को प्रकृति का परिवार माना, वहीं आज गांवों में जंगल का नाम भय का पर्याय बनता जा रहा है। यह संघर्ष किसी एक किसान और एक जानवर के बीच नहीं, बल्कि उस बिगड़े संतुलन की कहानी है जिसमें मनुष्य ने प्रकृति की सीमाएं लांघ दीं और अब प्रकृति उसी भाषा में जवाब दे रही है। सवाल यह नहीं कि वन्यजीव गांवों में क्यों आ रहे हैं, असली सवाल यह है कि उनके जंगल आखिर बचे कहां हैं? आंकड़े बताते हैं कि यह संकट अब भयावह हकीकत बन चुका है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच हाथियों के हमलों में 2700 से अधिक लोगों की जान गई, यानी हर साल करीब पांच सौ परिवार उजड़ रहे हैं। बाघों और तेंदुओं के हमले भी लगातार बढ़ रहे हैं। खेतों की तबाही ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। महाराष्ट्र में वन्यजीवों से कृषि नुकसान प्रतिवर्ष दस हजार से चालीस हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

कर्नाटक के कोडागु में आधे किसान हर साल करीब नब्बे हजार रुपये गंवा रहे हैं। तमिलनाडु के पश्चिमी घाट के कई क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक किसान वन्यजीवों को सबसे बड़ी समस्या मानते हैं, क्योंकि उनकी आधे से अधिक फसल जंगल निगल जाता है। जलवायु परिवर्तन, सिकुड़ते जंगल और बेलगाम विकास ने ऐसी स्थिति बना दी है कि न जंगल सुरक्षित हैं, न गांव।

मध्यप्रदेश का बावनगजा भी इस बढ़ते संकट की आहट महसूस कर रहा है। दुनिया यहां 52 गज ऊंची जैन प्रतिमा देखने आती है, लेकिन स्थानीय लोग वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही का असर भी देख रहे हैं। भीषण गर्मी से जंगलों के जलस्रोत सूख गए, भोजन घटा और वन्यजीव गांवों की ओर उतर आए। दिन में श्रद्धालुओं की घंटियां गूंजती हैं, रात में जंगल की हलचल बढ़ जाती है। कई बार खेतों को नुकसान पहुंचता है और ग्रामीणों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। बावनगजा आज केवल तीर्थ नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकट का प्रतीक बन चुका है, जहां प्रकृति और विकास आमने-सामने खड़े हैं। यह संकट अब खेतों से निकलकर पूरे ग्रामीण जीवन पर छा चुका है। बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते बदलते हैं। महिलाएं जंगल की ओर कदम बढ़ाने से पहले कई बार सोचती हैं।

बुजुर्ग रातभर घर और खेत की रखवाली करते हैं। भय अब दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। उधर मुआवजे की जटिल प्रक्रिया पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ा देती है। सरकारी फाइलें उस किसान का दर्द नहीं समझती, जिसकी फसल, मवेशी या अपना एक पल में छिन गया। नतीजा यह है कि जिस समाज ने कभी वन्यजीवों को पूजनीय माना था, वही आज उन्हें सबसे बड़ा दुश्मन मानने लगा है। सह-अस्तित्व की भारतीय परंपरा अब अविश्वास में बदलती जा रही है। इस संकट का हल केवल बंदूक, पिंजरे या वन्यजीवों को खदेड़ने में नहीं है। रास्ता वहीं निकलेगा, जहां विज्ञान, संवेदना और प्रभावी नीति साथ चलें। जंगलों के प्राकृतिक कॉरिडोर सुरक्षित हों, सौर फेंसिंग और सुरक्षा खाइयां बनें, रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली विकसित हो तथा गांवों तक त्वरित चेतावनी पहुंचे। सबसे जरूरी है कि नुकसान का मुआवजा पारदर्शी और समयबद्ध मिले, ताकि किसान को न्याय के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि विकास परियोजनाओं पर हजारों करोड़ खर्च हो सकते हैं, तो जंगलों की सीमा पर देश की पहली चौकी बने लोगों की सुरक्षा और सम्मान भी उतनी ही प्राथमिकता का विषय होना चाहिए। बावनगजा जैसे क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी के बिना कोई योजना सफल नहीं हो सकती।

मुनाफे की दौड़ में दांव पर इंसानी जिंदगी

कल्पना कीजिए, जिस इंजेक्शन पर किसी मरीज की जिंदगी टिकी हो, वही उसकी मौत का कारण बन जाए। यह किसी फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि आज की भयावह सच्चाई है। भारत, जिसे पूरी दुनिया फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड के नाम से जानती है, आज नकली और घटिया दवाओं के बढ़ते कारोबार जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। विश्व के लगभग 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करने वाला भारत वर्षों से अपनी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए पहचाना जाता रहा है, लेकिन कुछ लालची और आपराधिक तत्वों ने इस प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे दुखद बात यह है कि मुनाफे की इस अंधी दौड़ में मरीजों की जिंदगी दांव पर लग रही है। पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों से नकली दवाओं और मिलावटी इंजेक्शनों के मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान गई, जबकि अनेक मरीजों की हालत गंभीर हुई। इससे न केवल देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि भी प्रभावित हुई।

यही कारण है कि केंद्र सरकार ने नकली और घटिया दवाओं के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू करते हुए दवा निर्माण इकाइयों की जांच तेज कर दी है तथा दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की मई, 2026 की मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट ने इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया। रिपोर्ट के अनुसार 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 46 नमूनों को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (NSQ)' घोषित किया, जबकि विभिन्न राज्यों की प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण में असफल पाया। इतना ही नहीं, एक नकली दवा का मामला भी सामने आया जिसमें किसी दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया गया। यह दर्शाता है कि नकली दवाओं का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है।

सबसे चिंताजनक मामला हृदय रोगियों के उपचार में उपयोग होने वाले 'एडेनोसिन इंजेक्शन' का रहा। केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, मुंबई द्वारा इसे नकली घोषित किए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने संबंधित कंपनी का लाइसेंस रद्द कर दिया। यह घटना साबित करती है कि नकली दवाओं का नेटवर्क अब सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जीवनरक्षक इंजेक्शनों तक पहुंच चुका है।

इसी प्रकार राजस्थान में पांच प्रसूताओं की मौत के बाद 'ऑक्सीटोसिन' इंजेक्शन की जांच ने पूरे देश को झकझोर दिया। प्रयोगशाला जांच में यह इंजेक्शन नकली पाया गया और उसमें दवा का सक्रिय तत्व निर्धारित मात्रा में मौजूद ही नहीं था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि एक फर्म ने प्रयोगशाला से 9300 डोज खरीदी थीं, जबकि रिकॉर्ड में 10050 डोज बिकना दर्शाया गया। अतिरिक्त 750 डोज कहां से आईं, इसकी जांच जारी है। यह मामला केवल एक कंपनी की लापरवाही नहीं, बल्कि पूरे दवा वितरण तंत्र में मौजूद गंभीर खामियों की ओर संकेत करता है।

इस मामले की गंभीरता अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी है कि क्या ये नकली इंजेक्शन अन्य देशों में भी भेजे गए थे। यदि ऐसा हुआ है, तो यह केवल भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। ऐसे मामलों से भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता और निर्यात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

असल समस्या केवल नकली दवाओं का निर्माण नहीं, बल्कि उनका पूरे वितरण तंत्र में आसानी से पहुंच जाना है। जब निर्माण, परिवहन, भंडारण, वितरण और बिक्री की प्रत्येक कड़ी में निगरानी कमजोर होती है, तब अपराधियों को अवसर मिल जाता है। मरीजों की मजबूरी और स्वास्थ्य व्यवस्था की कमजोरियों का फायदा उठाकर ऐसे गिरोह करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार करते हैं।

इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब वैक्सीन, कैंसर रोधी और नार्कोटिक दवाओं पर क्यूआर कोड अथवा बारकोड लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इन कोडों में दवा का नाम, निर्माता, ब्रांड, बैच नंबर, निर्माण तिथि और समाप्ति तिथि जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दर्ज होगी। मोबाइल से कोड स्कैन करते ही दवा की वास्तविकता की पुष्टि की जा सकेगी। इससे नकली दवाओं की पहचान आसान होगी और आपूर्ति श्रृंखला अधिक पारदर्शी बनेगी।

हालांकि केवल तकनीक अपनाने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता इस बात की है कि भविष्य में सभी प्रकार की दवाओं को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली से जोड़ा जाए। औषधि निरीक्षण को और मजबूत बनाया जाए, संदिग्ध कंपनियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई हो, दोषियों को कठोर सजा मिले तथा अस्पतालों, मेडिकल स्टोरों और थोक विक्रेताओं का नियमित ऑडिट अनिवार्य बनाया जाए। साथ ही आम नागरिकों को भी केवल लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने, बिल लेने और पैकिंग, बैच नंबर व एक्सपायरी डेट की जांच करने जैसी सावधानियां अपनानी चाहिए।

दवा केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि मरीज की जिंदगी से जुड़ा विश्वास है।

यदि यह विश्वास टूट गया तो केवल मरीज ही नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की विश्वसनीयता संकट में पड़ जाएगी। इसलिए नकली दवाओं के खिलाफ अब समझौता नहीं, बल्कि निर्णायक, पारदर्शी और निरंतर कार्रवाई ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भारत की फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड की पहचान तभी सुरक्षित रहेगी, जब हर मरीज तक पहुंचने वाली दवा पूरी तरह असली, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण होगी।

क्यूआर कोड लगने से क्या बदलेगा

भारत में नकली और घटिया दवाओं की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने क्या फैसला लिया? अनुसूची एच2 क्या है? क्यूआर कोड कहां लगाया जाएगा? इससे फायदा क्या होगा? ये नियम कब से लागू होंगे? पहले क्या व्यवस्था थी? किन दवाओं पर ये क्यूआर कोड लगेंगे? आयातित दवाओं के नियमों में क्या बदलाव प्रस्तावित है और इसका क्या उद्देश्य है?

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन कर अनुसूची एच2 के दायरे का विस्तार किया है। अब केवल चुनिंदा दवाओं तक सीमित रहने के बजाय इन श्रेणियों की सभी दवाएं अनुसूची एच2 के तहत आएंगी। इनमें शामिल हैंः सभी वैक्सीन, सभी एंटीमाइक्रोबियल दवाएं, सभी कैंसर रोधी दवाएं, एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत आने वाली सभी नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक दवाएं। इन सभी दवाओं पर अब क्यूआर कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य होगा। अनुसूची एच2 ड्रग्स रूल्स, 1945 का वह प्रावधान है जिसके तहत कुछ दवाओं की पैकेजिंग पर क्यूआर कोड या बार कोड लगाया जाता है ताकि उनकी पहचान और पूरी सप्लाई चेन में ट्रैकिंग की जा सके। इसका उद्देश्य दवा की असलियत की जांच करना और नकली दवाओं की बिक्री रोकना है। निर्माताओं को दवा के प्राइमरी पैकेज (जिस पैक में दवा सीधे रहती है) पर क्यूआर कोड या बार कोड लगाना होगा। अगर वहां पर्याप्त जगह नहीं होगी तो इसे सेकेंडरी पैकेजिंग पर लगाया जाएगा। क्यूआर कोड स्कैन करने पर दवा से जुड़ी नौ अहम जानकारियां मिलेंगी। इनमें शामल हैं यूनिक प्रोडक्ट आइडेंटिफिकेशन कोड, दवा का सामान्य नाम, ब्रांड का नाम, निर्माता का नाम और पता बैच नंबर, निर्माण की तारीख, एक्सपायरी डेट , मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस नंबर, दवा में मौजूद एक्सिपिएंट्स यानी सहायक पदार्थों की जानकारी।

भारत में क्या हो नागरिकता का प्रमाण जिसमें दुविधा न हो?

कमलेश पांडेय

भारत में नागरिकता प्रमाण को लेकर हाल की शुरू हुई बहस ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है कि यदि पासपोर्ट, आधार, वोटर आईडी और पैन कार्ड भी नागरिकता के अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो फिर ऐसा कौन-सा दस्तावेज़ हो जो पूरे देश में सर्वमान्य हो? यक्ष प्रश्न है। मेरे विचार से भारत को एक एकीकृत राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाणपत्र या डिजिटल नागरिकता रजिस्टर की दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि मंडल/प्रमंडल, जिला, अनुमंडल, ब्लॉक प्रशासन और शहरी क्षेत्रों में नगर निगम, नगरपालिका, नगर परिषद, नगर पंचायत, तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जिला परिषद, पंचायत समिति, पंचायत और वार्ड स्तर पर स्पष्ट डेटा बने तो बहुतेरे भ्रष्टाचार पर स्वतः लगाम लग जायेगा। वस्तुतः इस बाबत प्रशासनिक दुविधा भ्रष्ट प्रवृत्ति वालों को कई तरह की अन्यान्य सुविधाएं प्रदान कर रही हैं, खासकर मतदाता सूची या लाभुक सूची बनाने में बहुत घालमेल है, जिससे जनतांत्रिक क्षति स्वाभाविक है।

इसके पक्ष में कुछ तर्क हैं: पहला, स्पष्टता और कानूनी निश्चितताः आज नागरिकता साबित करने के लिए जन्म प्रमाणपत्र, माता-पिता के दस्तावेज़, निवास संबंधी रिकॉर्ड आदि का सहारा लेना पड़ता है। कोई एक सार्वभौमिक दस्तावेज़ नहीं है।

दूसरा, प्रशासनिक सरलताः सरकारी योजनाओं, चुनावी प्रक्रियाओं, पासपोर्ट, सरकारी नौकरियों और संपत्ति संबंधी मामलों में बार-बार अलग-अलग दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता कम हो जाएगी। नागरिक और निवासी के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हो सकेगा। आधार स्वयं नागरिकता का प्रमाण नहीं है क्योंकि यह निवासियों को भी जारी किया जा सकता है।

चौथा, डिजिटल भारत के अनुरूप व्यवस्था: जैसे आधार पहचान का माध्यम बना, वैसे ही सुरक्षित डिजिटल नागरिकता प्रमाणपत्र बनाया जा सकता है, जिसमें मजबूत गोपनीयता और न्यायिक सुरक्षा हो।

जिनके पास पुराने रिकॉर्ड नहीं हैं, उनके अधिकार प्रभावित न हों। खासकर गरीब, ग्रामीण और वंचित वर्गों को दस्तावेज़ीकरण में सहायता मिले। अपील और सुधार की पारदर्शी व्यवस्था हो। नागरिकता सत्यापन राजनीतिक या प्रशासनिक मनमानी का साधन न बने।

नीतिगत दृष्टि से सबसे व्यावहारिक मॉडल यह हो सकता है कि जन्म पंजीकरण को 100% अनिवार्य और सार्वभौमिक बनाया जाए तथा उसी के आधार पर नागरिकता का एक स्थायी डिजिटल प्रमाण विकसित किया जाए। इससे भविष्य में नागरिकता संबंधी विवाद काफी हद तक समाप्त हो सकते हैं। कम शब्दों में कहूँ तो भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में एक ऐसा नागरिकता प्रमाण होना चाहिए जो पूरे देश में सर्वत्र मान्य, कानूनी रूप से अंतिम, डिजिटल रूप से सुरक्षित और नागरिक अधिकारों की रक्षा करने वाला हो। अभी की स्थिति में ऐसा कोई एक सार्वभौमिक दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है और यही भ्रम का मूल कारण है। यह हमारी संसद, सरकार और न्यायपालिका, तीनों की नाकामी नहीं तो क्या है? आप ख़ुद सोचिये, समझिए, सर्वमान्य हल दीजिए।

शोहरत नहीं, कला सबसे जरूरी : अवनीत कौर

एक सामान्य परिवार में पली-बढ़ी लड़की के लिए पारंपरिक जीवन का रास्ता तय माना जाता है, लेकिन उसने कुछ अलग करने का फैसला किया। मनोरंजन जगत में ऐसे बहुत कम सितारे हैं जो बचपन से लेकर जवानी तक कैमरे की चमक-दमक के बीच अपनी पहचान कायम रखने का कठिन सफर तय कर पाते हैं । अवनीत कौर उन चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में अपने करियर की शुरुआत की और आज एक सफल अभिनेत्री, फैशन आइकन और सोशल मीडिया स्टार के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। 23 वर्षीय अवनीत का सफर सिर्फ सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, सीख, आत्मविश्वास और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी है। उसने आठ साल की उम्र में कैमरे के सामने कदम रखा और तब से लेकर आज तक कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

जालंधर से मुंबई तक का सफर

अवनीत पंजाब के जालंधर से आती है । उसका कहना है कि उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह मुंबई आकर अभिनय की दुनिया में अपनी पहचान बनाएगी। एक सामान्य परिवार में पली-बढ़ी लड़की के लिए पारंपरिक जीवन का रास्ता तय माना जाता है, लेकिन उसने कुछ अलग करने का फैसला किया।

वह कहती है कि उसके परिवार ने हर कदम पर उसका साथ दिया। उसके माता-पिता ने उसके सपनों को पूरा करने के लिए अपना पूरा जीवन बदल दिया और मुंबई आकर बस गए। हालांकि, यह सफर आसान नहीं था । छोटी उम्र में ही उसे काम का दबाव, जिम्मेदारियां और चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

हर किरदार ने बनाया बेहतर कलाकार

अवनीत ने रियलिटी शो, डांस और टैलीविजन धारावाहिकों से लेकर फिल्मों तक कई तरह के प्रोजैक्ट किए हैं। उसका मानना है कि हर किरदार ने उसे एक नया अनुभव दिया है। और एक बेहतर इंसान बनाया है।

वह बताती है कि बतौर लीड एक्ट्रैस अपनी पहली फिल्म ' टीकू वैड्स शेरू' में टीकू का किरदार उसके लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इस भूमिका ने उसे भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया । इतनी कम उम्र में मातृत्व जैसी भावना को समझना और उसे पर्दे पर उतारना आसान नहीं था। इस किरदार ने उसे एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी बदल दिया।

प्रसिद्धि से ज्यादा महत्वपूर्ण है कला

आज अवनीत सोशल मीडिया पर करोड़ों प्रशंसकों की पसंदीदा है। अपने प्रशंसकों को वह प्यार से 'अवनीशियंस' कहती । अवनीत के अनुसार, उसके प्रशंसक सचमुच उसके साथ बड़े हुए हैं।

हालांकि, वह मानती है कि प्रसिद्धि अस्थायी होती है, लेकिन कलाकार की कला हमेशा जीवित रहती है । वह चाहती है कि लोग उसे सिर्फ एक लोकप्रिय चेहरा नहीं, बल्कि एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में याद रखें।

उसका कहना है कि जब लोग उसके अभिनय और मेहनत की तारीफ करते हैं, तो उसे सबसे ज्यादा खुशी मिलती है । यही उसकी वास्तविक उपलब्धि है।

सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग अवनीत सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम, पर काफी सक्रिय रहती है। उसे फैशन, मेकअप और नए-नए लुक्स के साथ प्रयोग करना पसंद है। दिलचस्प बात यह है कि वह अपने अधिकांश लुक्स खुद तैयार करती है और अपना मेकअप भी स्वयं करती है।

वह मानती है कि फैशन सिर्फ महंगे ब्रांड पहनने का नाम नहीं है, बल्कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप खुद को किस तरह प्रस्तुत करते हैं । उसके लिए फैशन रचनात्मकता और आत्मविश्वास का माध्यम है लेकिन इसके साथ ही वह सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी भी बात करती है। उसका मानना है कि जो सामग्री लोग साझा करते हैं, उसका प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है, इसलिए सोच-समझकर कंटैंट साझा करना जरूरी है ।

ट्रोलिंग और मानसिक शांति

आज सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग एक गंभीर समस्या बन चुकी है। अवनीत भी इसका सामना कर चुकी है लेकिन उसने इससे निपटने का अपना तरीका खोज लिया है। वह कहती है कि नफरत को नजरअंदाज करना ही सबसे अच्छा उपाय है । अगर कोई लगातार नकारात्मकता पर ध्यान देता रहेगा, तो उसकी मानसिक शांति प्रभावित होगी, इसलिए उसने नकारात्मक टिप्पणियों को महत्व देना बंद कर दिया है।

अवनीत ने अपने शुरुआती करियर के कुछ दर्दनाक अनुभव भी साझा किए। उसने बताया कि जब वह लगभग 11 साल की थी, तब कुछ निर्देशकों ने उसके साथ बहुत खराब व्यवहार किया। उसे अपमानजनक बातें सुननी पड़ीं और मानसिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की गई ।

हालांकि, उसके माता - पिता हमेशा उसके साथ मौजूद रहते थे, लेकिन छोटी उम्र में ऐसे अनुभव किसी भी बच्चे के लिए बेहद कठिन होते हैं । यही कारण है कि आज वह चाहती है कि कोई दूसरा बच्चा उन परिस्थितियों से न गुजरे जिनका सामना उसे करना पड़ा था ।

तलाक के बाद हल्का महसूस कर रही हूं : हुनर हाली

हुनर हाली जिंदगी के दर्दनाक दौर से गुजर रही है । उसकी 9 साल की शादी का अंत हो गया है। वह पति मयंक गांधी से तलाक लेकर अलग हो गई है। दोनों ने 2025 में कोर्ट में तलाक की अर्जी दी थी, अब वे ऑफिशियली अलग हो चुके हैं। तलाक के बाद हुनर ने पहली बार इस पर बात की है और इसे अपनी जिंदगी का सबसे इमोशनल फैसला बताया। उसने कहा,

'आप सिर्फ पार्टनर से अलग नहीं होते हो, तलाक के बाद सारे प्लान्स, सपने और यादें उस शख्स के साथ चली जाती हैं, जो आपने उनके साथ देखे थे। काफी वक्त मैं खुद को लेकर सख्त रही। सोचा कि थोड़ा और एडजस्ट करूं। थोड़ा अच्छे से समझें । शायद चीजें धीरे-धीरे बेहतर हो जाएं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

"तलाक फाइल करना उतना मुश्किल नहीं था, जितना यह महसूस करना था कि अब हम साथ नहीं हैं। हुनर ने कहा कि यह फैसला मैंने काफी थक-हार कर लिया। मुझे लगा कि शांति को चुनना शादी का रिजैक्शन नहीं है । यह मेरा खुद से एक कमिटमेंट है। तलाक से पहले हमने सारी चीजों पर सोच-विचार किया, तब जाकर ये फाइनल कर पाए। एक वक्त आया जब मैंने और मयंक ने महसूस किया कि हमें अलग हो जाना चाहिए और इसमें ही हमारी भलाई है । फिर हम सम्मानपूर्वक एक- दूसरे से अलग हो गए। तलाक मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं रहा।

9 साल के चैप्टर को खत्म करना आसान नहीं है । मुझे ऐसा महसूस हुआ कि जैसे मेरी लाइफ का एक हिस्सा निकाल दिया गया हो । एक समय मैं सैट पर कई सारे इमोशन्स लेकर आती थी, हैवी फील होता था, लेकिन तलाक फाइनल होने के बाद काफी हल्का महसूस हो रहा है । तलाक के बाद भी हुनर का शादी और प्यार से विश्वास नहीं उठा । वह कहती है, "मैंने जितना महसूस किया है, प्यार बहुत खूबसूरत चीज है।

मैं किसी की 'सम्पत्ति' नहीं : 'सीरत कपूर'

सीरत कपूर ने सोशल मीडिया पर किए गए एक आपत्तिजनक कमैंट का जोरदार जवाब देकर लोगों का ध्यान खींच लिया है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने सीरत को अल्लू अर्जुन की 'प्रॉपर्टी' कह दिया, जिसके बाद उसने चुप रहने के बजाय खुलकर अपनी बात रखी। दरअसल, सीरत ने बोल्ड ड्रैस में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की थीं । उसने पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, "वीकेंड में बिल्कुल अपने ही अंदाज और खुशी के साथ एंट्री कर रही हूं।

जहां ज्यादातर फैंस ने उसकी तारीफ की वहीं एक यूजर ने कमैंट किया, "अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी । इसके साथ यूजर दिल वाली एक इमोजी भी शेयर की। इस कमैंट पर सीरत नाराज हो गई और यूजर को जमकर लताड़ते हुए लिखा, "सिर्फ एक इमोजी (दिल वाली आंखें) लगा देने से यह बात सम्मानजनक नहीं हो जाती, सर । कोई भी महिला कभी किसी की प्रॉपर्टी नहीं होती। वह अपनी खुद की इंसान है, जिसकी अपनी पहचान, सपने और अपनी आवाज है । तारीफ कीजिए, लेकिन सम्मान के साथ, मालिकाना हक जताते हुए नहीं। खुश रहें।

सीरत के इस जवाब की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। कई यूजर्स ने कहा कि उसने ट्रोल्स को जवाब देने का सही तरीका दिखाया है।

उसकी इस रिप्लाई पर एक फैन ने लिखा, ऐसे ही जवाब देना चाहिए। इस साल अप्रैल में भी सीरत और अल्लू को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई थी। सीरत ने अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर उसके साथ कुछ तस्वीरें शेयर की थीं।

मैं बड़ी ड्रामेबाज थी : 'कुब्रा सैत'

जब बच्चे मैथ्स की क्लास में सवाल हल कर रहे होते थे, तब मैं अपने दिमाग में मर्डर मिस्ट्री की कहानी बुन रही होती थी, स्पीच की रिहर्सल कर रही होती थी।

कुब्रा सैत ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य पर अहम चर्चा छेड़ते हुए ए. डी. एच. डी. (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) के साथ अपने अनुभव को बेहद ईमानदारी और सहजता से साझा किया है।

अपने खास हास्य और बेबाकी वाले अंदाज के साथ सोशल मीडिया पर शेयर एक वीडियो में उसने बताया कि बचपन में उसे अक्सर 'ड्रामेबाज' और 'बेपरवाह' कहा जाता था, क्योंकि उसका मन हमेशा कल्पनाओं की दुनिया में खोया रहता था।

कुब्रा कहती है, "बचपन में मुझे तीन बातें बार-बार सुनने को मिलती थीं, 'कुब्रा, तुम बहुत ड्रामेबाज हो', 'तुम्हारा ध्यान कहीं और रहता है', 'जरा ध्यान दो।' जब बाकी बच्चे मैथ्स की क्लास में सवाल हल कर रहे होते थे, तब मैं अपने दिमाग में मर्डर मिस्ट्री की कहानी बुन रही होती थी, फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने पर स्पीच की रिहर्सल कर रही होती थी, अपने भविष्य के पति और मां के बीच बहस की कल्पना कर रही होती थी और लंच से पहले ही तीन आवारा बिल्लियों को बचा चुकी होती थी ।

वह आगे बताती है कि बड़े होने पर उसे पता चला कि उसे ए.डी.एच.डी. है और तभी उसे जिंदगी की कई बातें समझ आने लगीं। वह कहती है, " अधूरे रह जाने वाले प्रोजैक्ट्स, किसी एक काम में घंटों तक पूरी तरह डूब जाना, ब्राऊजर में 57 टैब खुले रखना, कमरे में क्यों आई थी यह भूल जाना, लेकिन 2009 में किसी ने क्या पहना था, किसने तारीफ की थी या किसने क्या कहा था, यह सब याद रहते थे ।

अपनी बात जारी रखते हुए उसने आगे कहा, " मजेदार बात यह है कि यही दिमाग कभी अपनी चाबियां खो देता है, लेकिन नई दुनिया रच सकता है, कहानियां लिख सकता है, बिजनैस शुरू कर सकता है, कॉमेडी लिख सकता है और कभी-कभी रात के दो बजे ऑनलाइन शॉपिंग भी कर लेता है, क्योंकि उस समय वह चीज उसे आध्यात्मिक रूप से जरूरी लगती है ।

ए. डी. एच. डी. को चुनौती और ताकत दोनों बताते हुए कुब्रा कहती है, "सच कहूं तो यह थका देने वाला है, अराजक है, महंगा भी पड़ सकता है, लेकिन यह एक सुपरपावर भी है।

अंत में अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में वह कहती है, "मैंने तो सिर्फ एक मैसेज का जवाब देने के लिए फोन उठाया था, लेकिन पता ही नहीं चला कि कब यह पूरी रील बना डाली लेकिन कंटैंट तो अच्छा बन गया!

अपनी इस ईमानदार और प्रेरणादायक बातचीत के जरिए कुब्रा ने जागरूकता बढ़ाने का संदेश एक बार फिर दिया है। उसने बताया कि ए.डी.एच.डी. की समस्या वैसे तो अपने साथ कई चुनौतियां लेकर आती है, लेकिन अगर इसे सही तरीके से समझा और अपनाया जाए, तो यही व्यक्ति की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और दृढ़ता की सबसे बड़ी ताकत भी बन सकता है। कि कुब्रा का मानना मनुष्यों के सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके अलग होते हैं, यह बात सबको समझनी चाहिए, तभी भेदभाव रुक सकता है।

'योग' नेहाल खुद से जुड़ने का नाम है कुब्रा ही में योग दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक संदेश साझा करते हुए बताया कि उसके लिए योग सिर्फ शरीर को लचीला बनाने या कठिन आसनों में महारत हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह खुद से गहराई से जुड़ने की एक यात्रा भी है। कुब्रा ने कहा, " लोग सोचते हैं कि योग का मतलब अपने पैर की उंगलियों को छूना है। मेरे लिए योग का मतलब खुद से जुड़ना और अपने भीतर लौटना है ।

उसका यह संदेश याद दिलाता है कि योग जितना शारीरिक अभ्यास है, उतना ही मानसिक और भावनात्मक संतुलन का भी माध्यम है।

उसने ईमानदारी से स्वीकार किया कि हर दिन एक जैसा नहीं होता। उसने कहा, "कुछ दिनों में मैं बेहद सहज महसूस करती हूं। कुछ दिनों में मेरा संतुलन डगमगा जाता है। 40 की उम्र के बाद तो कई बार ऐसा लगता है, जैसे शरीर की हर मांसपेशी से बातचीत करनी पड़ रही हो ।

मेरी जिंदगी में कोई दखल नहीं दे सकता : तृषा कृष्णन

तृषा कृष्णन अपनी सगाई की खबरों को लेकर चर्चा में है क्योंकि ऐसी अफवाहें हैं कि उसने गुपचुप तरीके से सगाई कर ली है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में तृषा को पेंडेंट और अंगूठी पहने देखा जा सकता है, जिससे उसकी गुपचुप सगाई को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। लोग इस पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और साऊथ इंडियन मीडिया में उसकी गुपचुप सगाई खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, अगर उसकी सगाई हुई भी है, तो यह पता नहीं चल पाया है कि उसने किसके साथ सगाई की है और उसने भी इस मामले पर अभी तक कोई कमैंट नहीं किया है। कुछ लोग सगाई की अटकलों को विजय से जोड़ रहे हैं, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर हाल ही में तृषा ने सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प पोस्ट की थी जिसे लोग विजय के साथ उसके रिश्ते की ट्रोलिंग पर तृषा की ओर से जवाब कह रहे हैं ।

तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उसका पालतू डॉग बैड पर आराम करता नजर आ रहा है । इस वीडियो के साथ तृषा ने लिखा, " एकमात्र नाक जिसे मैं अपने काम में दखल देने की इजाजत देती हूं। यूजर्स इस पोस्ट को उन ट्रोलर्स के लिए सीधा जवाब मान रहे हैं जो पिछले काफी समय से उसकी पर्सनल लाइफ को लेकर कयास लगा रहे हैं । काफी समय से तृषा का नाम अभिनेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के साथ जोड़ा जा रहा है और उनकी शादी की भी काफी चर्चा हो रही है । उनके रिश्ते की अफवाहों को

तब और हवा मिली जब तमिलनाडु चुनावों के दौरान तृषा को विजय के घर पर उसके परिवार के साथ देखा गया, जिससे ऑनलाइन काफी चर्चा हुई। वहीं अभिनेता अजीत कुमार की मां के निधन पर भी शोक जताने के लिए दोनों साथ पहुंचे थे।

फिर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने पर विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी तृषा विशेष रूप से पहुंची थी। वहीं मई में तृषा के बर्थडे के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। तिरुमला मंदिर के दर्शन करने के बाद तृषा को चेन्नई में विजय के घर से निकलते हुए देखा गया था। इसके अलावा जब विजय ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी के लिए शपथ ग्रहण समारोह रखा था, तब भी तृषा अपनी मां उमा कृष्णन के साथ वहां मौजूद थीं। इन दोनों ही वाकयों के बाद सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। विजय और तृषा ने अपने करियर में कई फिल्मों में साथ काम किया है, और जब से उनकी साथ वाली तस्वीरें वायरल हुई हैं, फैन्स को लगता है कि वे सिर्फ दोस्त नहीं हैं।

तृषा की पहली सगाई

तृषा की सगाई 2015 में चेन्नई के बिजनैसमैन वरुण मनियन से हुई थी, लेकिन कहा जाता है कि मतभेदों के कारण यह सगाई टूट गई। उसने 9 जनवरी, 2015 को वरुण के साथ अपनी सगाई की घोषणा की थी और बताया था कि 23 जनवरी को एक प्राइवेट सैरेमनी होगी। हालांकि, तृषा ने 2015 में ही वरुण से अपनी शादी रद्द कर दी और इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह अपना एक्टिंग करियर नहीं छोड़ना चाहती थी ।

तृषा की फिल्मों की बात करें तो पिछली बार वह सूर्या के साथ फिल्म' करुप्पू' में नजर आई थी जो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। आगे भी वह कई फिल्मों में नजर आने वाली है।

पुणे मर्डर में दावा- केतन का सिर कुचला हुआ था

रेस्क्यू टीम का सदस्य बोला- लोग रो रहे थे, सिया शांत रही, माता-पिता से पूछताछ

पुणे, 27 जून (एजेंसियां)। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया दावा सामने आया है। केतन का शव रेस्क्यू करने वाले सुनील गायकवाड़ ने बताया है कि केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोट थीं। अन्य लोग रो रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी।'

सुनील ने कहा- शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। पुलिस को 18 जून की सुबह करीब 10:30 बजे घटना की सूचना मिली थी। बचाव अभियान दोपहर 12:30 बजे तक चला और करीब 1:30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था।

इधर, पुणे पुलिस ने शुक्रवार को 10 घंटे तक सिया के भाई साहिल गोयल से करीब 10 घंटे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, साहिल चेतन चौधरी को जानता है। उसने बताया कि चेतन और सिया की दोस्ती क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। वहीं, आज सिया के माता-पिता को पूछताछ हुई।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल के मुताबिक, घटना वाले दिन ही परिवार को सिया गोयल पर शक हो गया था। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी ने जब कहा कि केतन अभी जिंदा है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए, तब सिया के हावभाव बदल गए थे। इसके बाद सिया ने परिवार के सवालों का भी जवाब नहीं दिया।

चेतन के पिता ने बताया कि 18 जून को सिया की मां का फोन आया था कि केतन लोहगढ़ किले से गिर गया है। परिवार मौके पर पहुंचा तो केतन को खाई से निकाला जा चुका था। उन्होंने देखा कि केतन का मुंह बंधा हुआ था। चेहरा खुलवाकर उसकी पहचान की गई।

दरअसल, सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हुई थी। सिया पर बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मंगेतर की हत्या का आरोप है। दोनों पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है।

केतन की बहन ने सिया से पूछा कि वह कहां बैठी थी, केतन कैसे गिरा और वह किले के उस किनारे तक कैसे पहुंचा। सिया ने किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। उसका रोना भी परिवार को बनावटी लगा। अगले दिन जब वह उनके घर आई, तब भी परिवार ने पूछा कि केतन का कौन सा पैर फिसला था, लेकिन वह चुप रही। सवाल-जवाब के दौरान शादी तय कराने वाली सिया की बुआ उसे तू चल-चल कहकर वहां से ले गई। इसके बाद परिवार का शक और गहरा हो गया।

विशाल अग्रवाल ने बताया कि उसी शाम परिवार ने बैठकर पूरी घटना पर चर्चा की। उनकी बेटी ने कहा कि कुछ ठीक नहीं लग रहा। परिवार ने पूरी घटना को जोड़कर देखा और सोसायटी के

सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में दिखा कि लौटते समय सिया रो भी नहीं रही थी। शक बढ़ने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी।

विशाल अग्रवाल ने कहा कि केतन को सिया के अफेयर की जानकारी नहीं थी। हालांकि, उसे कई बार सिया का फोन लगातार बिजी मिलने पर शक हुआ था। उसने परिवार से पूछा भी था कि क्या सिया के बारे में पूरी जानकारी ली गई है। परिवार ने उसे भरोसा दिलाया कि रिश्तेदारों ने पूरी पड़ताल की है। इसके बाद उसने दोबारा इस बारे में बात नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर सिया के अफेयर की जानकारी होती तो यह रिश्ता कभी तय नहीं होता।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी ने हत्या से पहले और बाद में अपने मोबाइल की चैट हिस्ट्री डिलीट कर दी थी। दोनों ने रीसायकल बिन भी खाली कर दिया था। डेटा रिकवर करने के लिए दोनों के मोबाइल फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं। पुलिस ने सिया के कॉल-रिकॉर्ड खंगाले। इनमें एक मोबाइल नंबर पर जनवरी से केतन की हत्या वाले दिन सुबह 7 बजे तक सिया ने 2004 कॉल में करीब 338 घंटे की बातचीत की थी यानी दोनों रोज करीब 11 कॉल्स में 2 घंटे बात करते थे।

ये नंबर पुणे के ही एक और व्यापारी परिवार के लड़के चेतन चौधरी का था। चेतन का घर पुणे के उसी इलाके में था, जहां सिया के पिता का ऑफिस है।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सिया ने बताया कि उसे केतन का विग लगाना और हकलाना पसंद नहीं था। इसी वजह से उसने हत्या की साजिश रची। हालांकि, केतन के पिता के मुताबिक शादी तय होने से पहले ही सिया और उसके परिवार को केतन के विग के बारे में जानकारी दे दी गई थी।

सिया की मां पूजा बोलीं- इस मामले में कोई भी दोषी है तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था।

सिया ने पिता प्रवीण ने कहा कि सिया ने खुद कहा था कि केतन से उसका रिश्ता करवा दीजिए। केतन ने ही सिया को फोन कर लोहगढ़ किला जाने के लिए कहा था। वही कार लेकर आया था। केतन सिया एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। एक बार तो केतन सुबह 4 बजे ही सिया से मिलने घर आ गया था।

केतन की हत्या के एक दिन पहले 17 जून को आरोपी सिया और प्रेमी चेतन चौधरी एक कैफे में मिले थे। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि यहीं लोहगढ़ किले पर केतन को खाई में धक्का देने का प्लान बनाया था। दोनों ने वह पॉइंट भी ढूंढ लिया, जहां से केतन को धक्का देना था। यदि केतन इससे भी बच जाता तो 20 जून के बाद सड़क हादसे में मारने का बैकअप प्लान तैयार था।

11 फरवरी को सगाई के बाद केतन, सिया को घर लेकर आता था, साथ घुमाने ले जाता था। उसे ट्रैकिंग यानी पहाड़ी चढ़ने का शौक था। उसने सिया से ट्रैकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। यहीं सिया को केतन की हत्या की प्लान सूझा।

खड़ी कार का एयरबैग खुलने से युवक की मौत

15 साल पुरानी कार में सेफ्टी सिस्टम अचानक एक्टिव हुआ, महाराष्ट्र के ठाणे की घटना

ठाणे, 27 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक खड़ी कार में अचानक एयरबैग खुलने से 25 साल के युवक मौत हो गई। युवक एक कार डीलर था। वह एक 15 साल पुरानी कार के अंदर बैठा था। तभी अचानक गाड़ी का सेफ्टी सिस्टम एक्टिव हो गया।

एयरबैग इतनी तेजी से खुला कि उसके जोरदार झटके से युवक को गंभीर चोटें आईं और मेडिकल मदद मिलने से पहले ही ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। युवक को चोट कहां लगी इसकी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह घटना बुधवार को ठाणे के काशिमीरा इलाके में हुई। जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया

ठाणे पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि कार भले ही पुरानी थी, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उसके पास वैलिड फिटनेस सर्टिफिकेट था। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया है। पुलिस जांच के लिए ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स से भी सलाह ले रही है।

एयरबैग खुलने की स्पीड 200 से 300 किमी/घंटा के बीच हो सकती है। इस वजह से तेज झटका लगता है। इससे बचने के लिए सीट बेल्ट लगाना जरूरी होता है। सीट बेल्ट ना लगाने की स्थिति में जोरदार झटका लगने से गंभीर चोट लग सकती है या मौत

भी हो सकती है।

एयरबैग क्या है

एयरबैग कार का एक सेफ्ट टूल है। ये गुब्बारे की तरह कॉटन का बना एक थैला होता है। जिस पर सिलिकॉन की कोटिंग होती है। कार की टक्कर होने जैसा फील होते ही यह तुरंत एक्टिव होकर कार में बैठे व्यक्ति को स्टीयरिंग व्हील, डैशबोर्ड या दरवाजों से यात्री के सिर और छाती को टकराने से बचाता है। इसके खुलने की प्रोसेस सेंटीकंड्स में होती है।

एयरबैग कैसे काम करता है

सेंसर का सिग्नल: कार के बंपर और अलग-अलग हिस्सों में 'क्रैश सेंसर्स' लगे होते हैं। जब गाड़ी किसी चीज से टकराती है, तो ये सेंसर तुरंत झटका महसूस करते हैं और कार के एयरबैग कंट्रोल यूनिट को सिग्नल भेजते हैं।

केमिकल रिएक्शन: सिग्नल मिलते ही एयरबैग सिस्टम के अंदर मौजूद एक इन्फ्लेटर एक्टिव हो जाता है। इसमें सोडियम एजाइड नाम का केमिकल होता है। इस केमिकल में एक छोटा सा इलेक्ट्रिक स्पार्क छोड़ा जाता है।

गैस का बनना: चिंगारी लगते ही केमिकल रिएक्शन होता है और बहुत तेजी से नाइट्रोजन गैस पैदा होती है।

एयरबैग का खुलना: यह नाइट्रोजन गैस कपड़े (नायलॉन) के गुब्बारे जैसी थैली में महज 20 से 30 मिली सेकेंड (0.03 सेकंड) में भर जाती है और एयरबैग स्टीयरिंग या डैशबोर्ड से बाहर आ जाता है। टकराने के तुरंत बाद इसमें बने छोटे छेदों से गैस निकल जाती है, ताकि ड्राइवर का दम न घुटे।

एआई वीडियो में जीसस को देवताओं का पिता बताया

फेसबुक पर 50 वीडियो अपलोड, लाखों व्यू मिले हिंदू संगठनों ने की आपत्ति, एफआईआर दर्ज

रायपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ एआई जनरेटेड वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। फेसबुक पर अपलोड किए गए इन वीडियो में हिंदू देवी-देवताओं को लेकर आपत्तिजनक और भ्रामक दावे किए गए हैं। ऐसे 50 से ज्यादा वीडियो अपलोड किए गए हैं, जिन्हें लाखों व्यू मिले हैं।

वीडियो में ईसा मसीह को हिंदू देवी-देवताओं का 'पिता' बताए जाने का दावा किया गया है। इसे हिंदू संगठनों ने भगवान का अपमान बताया और वीडियो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

फेसबुक पर From Heaven to Earth नाम के पेज पर करीब 50 एआई वीडियो पोस्ट किए गए हैं, जिन पर लाखों व्यू हैं। बजरंग दल के अध्यक्ष रवि वाधवानी ने आरोप लगाया कि मसीही समाज

से जुड़े कुछ लोग इन वीडियो को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से शेयर कर वायरल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एआई वीडियो के जरिए भगवान विष्णु का अपमान किया गया है। हिंदू समाज, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल इसका विरोध करते हैं।

वायरल वीडियो में ईसा मसीह को बताया शक्तिशाली

वायरल वीडियो में कथित तौर पर भगवान शिव और भगवान विष्णु को ईसा मसीह को अपना पिता बताते हुए दिखाया गया है। वहीं, भगवान राम को ईसा मसीह से उपदेश लेते और भगवान हनुमान को उन्हें सबसे शक्तिशाली बताते हुए दर्शाया गया है। ये वीडियो कथित रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक की मदद से तैयार किए गए हैं।

बजरंग दल के अध्यक्ष रवि वाधवानी ने कहा कि एआई तकनीक के जरिए हिंदू देवी-देवताओं को कार्टून जैसे पात्रों के रूप में दिखाकर उनका मजाक उड़ाया जा रहा है। बजरंग दल इसका कड़ा विरोध करता है। उन्होंने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है।

फेसबुक से इस पेज को हटाने की मांग

हिंदू संगठनों में छत्तीसगढ़ प्रांत की राम भक्त सेना के सदस्यों ने भी सिविल लाइन थाने में आवेदन दिया है। सेना के सदस्य राज विक्रम ने फेसबुक से इस पेज को हटाने और इस तरह के पेज चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं, सेना के सदस्य डॉ.स्वामी राजेश्वरानंद ने भी कहा कि आरोपियों के खिलाफ एक्शन लिया जाए। उचित कार्रवाई नहीं होने पर उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी। थाना प्रभारी यमन देवांगन ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है।

नदी में नहाते समय जीजा-साले की डूबने से मौत

बरेली, 27 जून (एजेंसियां)। बरेली में शनिवार को नदी में नहाते समय जीजा-साले की डूबने से मौत हो गई। भीषण गर्मी के चलते दोनों गांव के पास बहने वाली कैलाश नदी में नहाने गए थे। नहाते समय दोनों युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घटना के समय साले का दोस्त नदी के ऊपर बने पुल पर खड़ा था। दोनों को डूबते देखने पर वह चिल्लाते हुए लोगों से मदद की गुहार लगाने लगा। आधे घंटे तक वो चिल्लाता रहा, लेकिन जब तक ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हुए, तब तक दोनों गहरे पानी में समा चुके थे। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे पहुंच गए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की। मामला भुता थाना क्षेत्र के अहिरौला गांव का है।

बाबा धाम जाने वाले कांवड़ियों के लिए स्पेशल ट्रैक

श्रावणी मेले से पहले एनएचएआई बासुकीनाथ देवघर फोर लेन पर काम जारी

देवघर, 27 जून (एजेंसियां)। श्रावणी मेला 2026 को लेकर अभी से तैयारी शुरू है। खासकर एनएच पर कांवड़ियों को चलने में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसकी तैयारी चल रही है। सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम और बासुकीनाथ मंदिर आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं को इस बार विश्वस्तर की सुविधा मिलेगी। एनएचएआई की ओर से नेशनल हाईवे 114-ए के बासुकीनाथ- देवघर खंड पर यात्रियों की सुविधाओं और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

बाबाधाम जाने वाले कांवड़ियों को होगी सुविधा

जानकारी के मुताबिक इस सड़क पर 45.159 किलोमीटर लंबी फोर लेन परियोजना का निर्माण युद्ध स्तर पर जारी है। श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

कांवड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एनएचएआई इस रूट पर एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसके तरत राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से 36.044 किलोमीटर लंबा और साढ़े तीन मीटर चौड़ा स्पेशल कांवड़िया पथ बनाया जा रहा है।

इस विशेष ट्रैक के बनने से कांवड़ यात्रियों को सुविधा होगी। उन्हें सामान्य वाहनों के आवागमन से पूरी दूरी बनाकर चलना आसान होगा। सड़क हादसे का खतरा शून्य हो जाएगा। ट्रैफिक जाम से भी मुक्ति मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत 28 किलोमीटर से ज्यादा लंबे ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। इसमें बासुकीनाथ, सहारा, तालझारी, घोरमारा और देवघर बाईपास शामिल है।

इसके अलावा सर्विस रोड, स्लिप रोड, फ्लाईओवर, रेल ओवरब्रिज और अंडरपास जैसी आधुनिक संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

इससे भारी वाहनों और स्थानीय ट्रैफिक को आसानी से डायवर्ट किया जा सके। क्षेत्रीय अधिकारी के मुताबिक श्रावणी मेले के स्टार्ट होने से पहले रूट पर विशेष मरम्मत कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। पूरे मार्ग को गड्ढामुक्त बनाने और बेहतर जल निकासी पर काम किया जा रहा है। साफ-सफाई जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

नशे में ड्राइवर ने 12 साल की बच्ची को रौंदा

अंबागढ़ चौकी, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर जिले के गुंडरदेही गांव में एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी छठवीं की छात्रा पूनम (12) को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक लेकर तेजी से फरार हो गया।

यूपी निवासी आरोपी ड्राइवर देवी सिंह नशे में धुत था और पकड़े जाने के डर से उसने 120 किमी की रफ्तार से ट्रक को दौड़ाया। पुलिस ने 55 किलोमीटर तक पीछा किया, लेकिन आरोपी ने मोहला और मानपुर में बैरिकेड्स तोड़कर जवानों को भी रौंदने की कोशिश की। आखिरकार कोरकोट्टी के पास ट्रक बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरा, तब जाकर पुलिस ने उसे दबोचा। इस घटना का वीडियो भी वायरल है।

घटना शुक्रवार (26 जून) सुबह की है, जब पूनम को कुचलकर फरार हुआ ड्राइवर सबसे पहले मोहला थाना क्षेत्र के नाके पर पहुंचा। यहां पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने ट्रक की रफ्तार कम करने के बजाय सीधे बैरिकेड्स तोड़ दिए और आगे निकल गया। इसके बाद मानपुर थाने के सामने पुलिस ने दोबारा घेराबंदी की, लेकिन ड्राइवर ने रुकने के संकेतों की अनदेखी करते हुए वहां भी बैरिकेड्स उड़ा दिए। इस दौरान ट्रक की चपेट में आने से ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी और जवान बाल-बाल बचे। इस फिल्मी चेसिंग के चलते हाईवे पर काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही और राहगीरों में भी दहशत फैल गई। दोनों जगह बैरिकेड्स तोड़ने के बावजूद पुलिस ने पीछा नहीं छोड़ा और कई थानों की टीमें लगातार ट्रक के पीछे लगी रहीं। आखिरकार मानपुर और कोहका थाना क्षेत्र के बीच नेशनल हाईवे पर कोरकोट्टी गांव के पास पुलिस ने ट्रक को चारों तरफ से घेर लिया।

खुद को घिरा देख भागने की कोशिश में चालक ने ट्रक मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में उतर गया। इसके बाद पुलिस ने ड्राइवर देवी सिंह को हिरासत में ले लिया।

1 करोड़ मतदाताओं के कटेंगे नाम

कांग्रेस प्रभारी का दावा- पश्चिम बंगाल से अधिक झारखंड के वोटरों को लगेगा चोट

रांची, 27 जून (एजेंसियां)। झारखंड में 30 जून से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इससे पहले झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने दावा किया है राज्य में एक करोड़ लोगों का नाम हटेगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल से अधिक मतदाताओं का नाम झारखंड के मतदाताओं का नाम हटेगा।

कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में कहा कि एक-एक विधानसभा 40-40 हजार मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी है। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में 60 हजार मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी है। यानी इन मतदाताओं के नाम का मिलान वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो सका है। उन्होंने बताया

कि राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में 300 से 500 वोटरों का मैपिंग नहीं हो सकी है। ये काफी चिंताजनक है।

के. राजू ने बताया कि जब एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होगी, तो जिन मतदाताओं के नाम की मैपिंग नहीं हो सकी है, तो उनसे दस्तावेज मांगा जाएगा। यदि वो ठीक तरीके से दस्तावेज पेश नहीं करे तो उनका नाम वोटर लिस्ट से हटेगा। उन्होंने बताया कि करीब 65 लाख वोटरों की मैपिंग नहीं हो सकी है।

गढ़वा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में हंगामा

गढ़वा, 27 जून (एजेंसियां)। गढ़वा जिले के खरौंधी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं के बीमार पड़ने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को जहां 100 से ज्यादा छात्राएं बीमार पड़ गईं थी, वहीं शनिवार को भी आठ और छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। सुबह विद्यालय की आठ छात्राओं को अचानक उल्टी, सिर चकराने और बेहोशी की शिकायत हुई। स्थिति बिगड़ने पर विद्यालय प्रशासन ने सभी छात्राओं को तत्काल भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

इधर, बीमार छात्राओं की लगातार बढ़ रही संख्या से आक्रोशित अभिभावकों विशेष कर उनकी माताएं शनिवार दोपहर स्कूल पहुंचीं और ग्रिल तोड़कर अंदर दाखिल हो गए। स्कूल में जमकर हंगामा किया। वहीं, गढ़वा डीसी ने स्कूल के कई कर्मियों को कार्यमुक्त कर दिया है। हंगामे से स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और पहले तो आक्रोशित महिलाओं को समझाया। वहीं, स्कूल के खिलाफ मिली शिकायतों के मद्देनजर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है।

गढ़वा डीसी पीएन मिश्रा ने जांच पूरी होने तक एहतियातन स्कूल के एक कर्मी को छोड़कर वार्डन, लेखापाल, गार्ड, रसोइया सहित अन्य संबंधित कर्मियों को कार्यमुक्त करने का आदेश दिया गया है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही डीसी एवं सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ. कैनेडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

ताजिया विवाद- दरोगा का सिर फूटा

6 पुलिसवाले घायल, लोगों ने घेरकर बरसाए ईंट-पत्थर

प्रयागराज, 27 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में शुक्रवार रात ताजिए के रास्ते को लेकर विवाद हो गया। ताजियादारों ने पुलिस पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इसमें चौकी इंचार्ज का सिर फूट गया। महिला दरोगा समेत 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात बिगड़ने पर मौके पर 3 थानों की फोर्स बुलानी पड़ी।

ताजियादार रास्ते में बनी सीढ़ियां हटाए बिना ताजिए निकालने को तैयार नहीं था। पुलिस ने उससे बातचीत की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

रात करीब 12 बजे अचानक ताजियादारों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। करीब 3 घंटे तक विवाद चलता रहा। शनिवार सुबह करीब 3 बजे पुलिस ने स्थिति पर काबू पाया। पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सीसीटीवी फुटेज की जांच की। 21 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामले का मुख्य आरोपी सलीम बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। यह घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के आनापुर गांव की है। आनापुर गांव का रहने वाला सलीम बाबा कई साल से ताजिया निकालता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ताजिए के रास्ते को लेकर वह हर साल विवाद करता है। कहता है कि जिस रास्ते से वह और उसके पूर्वज कई सालों से ताजिया निकालते आ रहे हैं, उस रास्ते पर अब सीढ़ियां बनवा दी हैं।

59 महीने का एरियर देने का रास्ता साफ

हाईकोर्ट बोला- एमपी-सीजी सरकार की सहमति नहीं बनी तो भी पेंशनर्स का एरियर देना होगा

बिलासपुर, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने बुजुर्ग पेंशनर्स के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच आपसी सहमति या वित्तीय तालमेल न होने के आधार पर पेंशनर्स को उनके वैध एरियर के भुगतान से वंचित नहीं किया जा सकता।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें सिंगल बेंच के एरियर भुगतान संबंधी आदेश को चुनौती दी थी। इस फैसले से राज्य के हजारों पेंशनभोगियों को छठवें और सातवें वेतन आयोग के तहत रोके गए कुल 59 महीने के एरियर के भुगतान का रास्ता साफ हो गया है।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज ने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के बाद संबंधित कर्मचारी छत्तीसगढ़ सरकार के अधीन आ गए थे।

याचिका के अनुसार, राज्य सरकार ने छठवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2006 से और सातवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2016 से लागू किया था, लेकिन सरकार ने 31 अगस्त 2009 और 6 जुलाई 2018 को जारी अलग-अलग सर्कुलर के जरिए पेंशनर्स के लिए अलग और भेदभावपूर्ण प्रभावी तिथियां तय कर दीं, जिससे उन्हें वेतन आयोग का लाभ समय पर नहीं मिल सका।

युवती की गोली मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्त से बाहर

सक्ती, 27 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में 2 युवकों ने घर में घुसकर युवती की गोली मारकर हत्या कर दी थी। शुक्रवार सुबह 11 बजे यह वारदात हुई। घटना को 30 घंटे से भी ज्यादा वक्त गुजर गए, लेकिन अभी तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है, हालांकि पुलिस ने संदिग्धों के बारे में जानकारी मिलने का दावा किया है। मामला सक्ती थाना क्षेत्र का है। दरअसल, बाइक सवार 2 युवक मुंह पर सफेद गमछा बांधे हुए थे। एक गन लेकर घर के अंदर घुसा और दूसरा बाहर खड़ा रहा। उसने परिवार वालों से युवती के बारे में पूछताछ की। तभी पूर्णिमा बाहर निकली। युवक ने उसे देखते ही 3 राउंड फायरिंग कर दी।

अदाणी को अमेरिका से झटका, जज ने खोला मोर्चा

न्याय विभाग से मांग लिया जवाब, फ्रॉड केस अभी खारिज नहीं हुआ

नई दिल्ली,27 जून (एजेंसियां)। भारतीय अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में चल रहे धोखाधड़ी मामला को आधिकारिक रूप से खत्म करने की मांग की गई थी। लेकिन जज ने जस्टिस डिपार्टमेंट पर ही सवाल दाग दिया। अमेरिकी जज ने जस्टिस विभाग को आदेश दिया कि वह अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप हटाने के अपने फैसले को सही ठहराए।

न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम अदाणी के वकीलों की ओर से केस खारिज करने की अर्जी पर तुरंत कोई फैसला देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने प्रॉसिक्यूटर्स (अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट) को आरोप हटाने के अपने फैसले के समर्थन में और जानकारी जमा करने के लिए 13 जुलाई तक का समय दिया।

अमेरिका में गौतम अदाणी के ऊपर क्या आरोप?

साल 2024 में गौतम अदाणी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने पर सहमति जताई थी, ताकि उनके अदाणी ग्रुप की एक सब्सिडियरी कंपनी को सोलर प्लांट बनाने की मंजूरी मिल सके। साथ ही, उन पर यह आरोप भी है कि उन्होंने अपनी कंपनी की भ्रष्टाचार-रोधी नीतियों के बारे में भरोसा दिलाने वाली जानकारी देकर अमेरिकी निवेशकों को गुमराह किया।

ट्रंप प्रशासन ने अदाणी पर लगे आरोप खारिज करने की मांग की

अदाणी ग्रुप और अमेरिकी न्याय विभाग ने आपस मिलकर समझौता कर लिया है। ट्रंप प्रशासन ने कोर्ट से गौतम अदाणी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने की मांग की। न्याय विभाग ने जज गारौफिस को बताया था कि उसने, अपने अभियोजन संबंधी विवेक के आधार पर, व्यक्तिगत प्रतिवादियों के खिलाफ इन आपराधिक आरोपों पर और संसाधन न लगाने का फैसला किया है।

लेकिन न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने मोर्चा खोल दिया है और अमेरिकी न्याय विभाग से जवाब दाखिल करने को कहा है। जज निकोलस गारौफिस ने कहा कि सरकार का संक्षिप्त, बेजान और बिना किसी ठोस आधार वाला बयान न तो कोर्ट को किसी नतीजे पर पहुंचने के लिए पर्याप्त आधार देता है और न ही सरकार की खारिज करने की अपील का विश्लेषण करने का मौका देता है। आरोप हटाने के लिए, गाराफिस को अनुरोध को मंजूरी देनी होगी। यानी अदाणी के ऊपर लगे सभी आरोप तभी हट सकते हैं जब न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस इसकी मंजूरी देंगे।

एनएलसी कंपनी में हिस्सेदारी बेचने को लेकर छिड़ी रार।

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। एक सरकारी कंपनी में हिस्सेदारी बेचने को लेकर केंद्र सरकार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय उर्फ थलपति विजय आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल, केंद्र सरकार नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (एनएलसी) इंडिया लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। थलपति विजय ने केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव पर कड़ा विरोध जताया है। यह कंपनी शेयर मार्केट में लिस्टेड है और इसने निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा दिया है। मुख्यमंत्री विजय ने विनिवेश के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर केंद्र सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि एनएलसी इंडिया का तमिलनाडु के साथ एक ऐतिहासिक और गहरा नाता है। इसलिए राज्य सरकार सैद्धांतिक रूप से इसमें सरकारी हिस्सेदारी को कम करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ है।

तमिलनाडु के लिए कितनी अहम है यह कंपनी

प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में मुख्यमंत्री विजय ने एनएलसी इंडिया के महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया है कि यह कंपनी तमिलनाडु के लिए कितनी अहम है। थलपति विजय ने पत्र में इन बातों का जिक्र किया है। एनएलसी इंडिया महज शेयर बाजार में लिस्टेड कोई आम कंपनी नहीं है, बल्कि यह देश की ऊर्जा सुरक्षा, खनिज विकास और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से जुड़ी एक रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति है। सरकारी हिस्सेदारी में किसी भी तरह की कमी करना (चाहे वह कितनी भी सीमित क्यों न हो), ऐसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्तियों के मालिकाना हक को लेकर एक अवांछनीय और गलत परंपरा की शुरुआत करेगा। यह फैसला केवल वित्तीय मामलों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे राज्य के लोगों के दीर्घकालिक हितों और देश की ऊर्जा सुरक्षा पर भी सीधा असर पड़ेगा।

कितना दिया है शेयर ने रिटर्न?

एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। शुक्रवार को यह शेयर 1.63% की गिरावट के साथ 320.20 रुपये पर बंद हुआ था। पिछले कुछ समय की गिरावट को छोड़ दें तो इसका रिटर्न अच्छा रहा है। पिछले 6 महीने में इसका रिटर्न करीब 25 फीसदी रहा है। वहीं एक साल में इसमें करीब 40 फीसदी की तेजी आई है। 5 साल में यह शेयर 400% बढ़ गया है। यानी निवेशकों को 5 गुना रिटर्न दिया है।

क्या करती है कंपनी?

एनएलसी इंडिया लिमिटेड केंद्र सरकार की नवरत्न कंपनी है। यह कंपनी लिग्नाइट का खनन करती है। यह लिग्नाइट कोयले की सबसे बड़ी खदान है और तमिलनाडु में स्थित है। यह प्रति वर्ष लगभग 3 करोड़ टन लिग्नाइट का उत्पादन करती है। इस लिग्नाइट का इस्तेमाल ताप विद्युत संयंत्र में बिजली बनाने के लिए किया जाता है। भारत सरकार की इसमें 72.2% हिस्सेदारी है। अभी कंपनी का मार्केट कैप 44,400.10 करोड़ रुपये है।

हिमाचल में ब्लूबेरी बनेगी सेब का मजबूत विकल्प 800 से 2000 रुपये किलो तक है कीमत

शिमला,27 जून (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन से सेब उत्पादन पर बढ़ते संकट के बीच हिमाचल में ब्लूबेरी को भविष्य की हाई-वैल्यू फसल के रूप में विकसित किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि आने वाले वर्षों में यह फसल बागवानों के लिए सेब का मजबूत विकल्प बन सकती है। सरकार ने व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ब्लूबेरी की 12 उन्नत किस्मों के करीब पांच लाख पौधे तैयार किए हैं।

पायलट प्रोजेक्ट सफल

कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर, उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी, बजौरा, खड़ापत्थर और जोगेंद्रनगर में इसके पायलट प्रोजेक्ट सफल रहे हैं। अलग-अलग ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए विभिन्न किस्में विकसित की गई हैं।

600 रुपये में पौधा उपलब्ध

एक पौधे की कीमत करीब 600 रुपये है। इन्हें चरणबद्ध तरीके से बागवानों को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रमुख किस्मों में ड्यूक, लैगेसी, ब्लूक्राप, स्पार्टन और इलियट शामिल हैं।

नियंत्रित वातावरण में खेती बेहतर

विशेषज्ञों के अनुसार ब्लूबेरी की खेती नियंत्रित वातावरण और पालीहाउस तकनीक में बेहतर रहती है। पौधे टिशू कल्चर से तैयार किए जा रहे हैं तथा उच्च गुणवत्ता का जर्मप्लाज्म और तकनीक इटली सहित अन्य देशों से लाई गई है। बाजार में गुणवत्ता के आधार पर ब्लूबेरी के दाम 800 से 2000 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिल रहे हैं।

सेब का रकबा बढ़ा, फसल घटी

हिमाचल की करीब 4500 करोड़ रुपये की सेब अर्थव्यवस्था पर जलवायु परिवर्तन और मौसम की मार लगातार पड़ रही है। पिछले पांच वर्षों में सेब का रकबा बढ़ा, लेकिन उत्पादन उस अनुपात में नहीं बढ़ पाया। इसके साथ ही गुणवत्ता में भी गिरावट दर्ज की गई है। 2022-23 में क्षेत्र 1.16 लाख हेक्टेयर था और उत्पादन 3.36 करोड़ पेटी रहा। 2023-24 में उत्पादन घटकर 2.11 करोड़ पेटी और 2024-25 में 2.51 करोड़ पेटी रह गया। 2025-26 में उत्पादन बढ़कर 3.40 करोड़ पेटी हुआ। इसमें एक करोड़ से अधिक सी-ग्रेड का छोटा और कम गुणवत्ता वाला सेब शामिल था। वर्तमान में सेब का रकबा 1.18 लाख हेक्टेयर से अधिक है, जबकि इस वर्ष 2.40 करोड़ पेटी से भी कम उत्पादन का अनुमान है। पर्याप्त चिलिंग आवर्स की कमी, बढ़ता तापमान, ओलावृष्टि, तेज हवाएं और बेमौसम वर्षा से उत्पादन के साथ फल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है।

नया इतिहास बनाने जा रही मस्क को ट्रिलियनेयर बनाने वाली स्पेसएक्स, पहले कभी नहीं हुआ ऐसा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स नया इतिहास बनाने जा रही है। इस कंपनी को 7 जुलाई को नैसडैक 100 में शामिल किया जा रहा है। इंडेक्स के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी कंपनी को इतनी जल्दी शामिल किया जा रहा है। यह कंपनी 12 जून को लिस्ट हुई थी और एक महीने से भी कम समय में इसे टेक-हैवी नैसडैक 100 इंडेक्स में शामिल किया जा रहा है।

कंपनी का शेयर शुक्रवार को 0.15% तेजी के साथ बंद हुआ। स्पेसएक्स का मार्केट कैप 2.018 ट्रिलियन डॉलर है और यह वैल्यू के हिसाब से दुनिया की सातवीं बड़ी कंपनी है। एक्सचेंज ऑपरेटर नैसडैक ने इस बात की पुष्टि की है कि स्पेसएक्स को 7 जुलाई को नैसडैक 100 इंडेक्स में शामिल किया जाएगा। इससे मस्क की रॉकेट और एआई कंपनी में पैसिव इन्वेस्टमेंट बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है।

इंडेक्स में शामिल होने से आमतौर पर स्टॉक की कीमत बढ़ती है। इसकी वजह यह है कि इंडेक्स के परफॉर्मेंस को कॉपी करने वाले एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड नई शामिल हुई कंपनी के शेयर खरीदते हैं। स्पेसएक्स ने 12 जून को शेयर बाजार में एंट्री की थी। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि नैसडैक 100 में शामिल होने पर स्पेसएक्स में $4.3 अरब का पैसिव इनफ्लो आ सकता है। माना जा रहा है कि इसकी बहुत ज्यादा डिमांड है, इसीलिए इसे इंडेक्स में शामिल करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। हालांकि कई जानकारों का कहना है कि स्पेसएक्स के स्टॉक की कीमत उसकी असल वैल्यू से ज्यादा आंकी गई है।

कंपनी का प्रदर्शन

हालांकि एसएंडपी ग्लोबल का कहना है कि वह अपने प्रमुख इंडेक्स (S&P 500 इंडेक्स) में स्पेसएक्स को शामिल करने के लिए शर्तों में कोई बदलाव नहीं कर रहा है और इस पर विचार करने से पहले भी कम से कम 12 महीने इंतजार करेगा। स्पेसएक्स पिछले तीन साल से घाटे और मुनाफे के बीच झूल रही है। पिछले साल कंपनी को 4.9 अरब डॉलर का घाटा हुआ था।

टॉप यूनिकॉर्न की दुनिया में है अमेरिका और चीन का दबदबा

लेकिन मुकेश अंबानी ने बुलंद किया है तिरंगा

नई दिल्ली,27 जून (एजेंसियां)। दुनिया की 15 सबसे वैल्यूएबल यूनिकॉर्न कंपनियों की लिस्ट में अमेरिका का दबदबा है। इस लिस्ट में अमेरिका की सात कंपनियों को जगह मिली है जबकि चीन की तीन कंपनियां भी इसमें शामिल हैं। भारत की दो कंपनियों को भी इस लिस्ट में जगह मिली है। ये दोनों कंपनियां मुकेश अंबानी की हैं। इस लिस्ट में रिलायंस रिटेल 8वें और रिलायंस जियो 12वें नंबर पर हैं। क्रंचबेस के मुताबिक अमेरिका की एंथ्रोपिक 965 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ दुनिया की मोस्ट वैल्यूएबल यूनिकॉर्न है। ओपनएआई 852 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। चीन की बाइटडांस 480 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ तीसरे, अमेरिका की स्ट्राइप 159 अरब डॉलर के साथ चौथे और चीन का एंट ग्रुप 150 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर है।

रिलायंस रिटेल और रिलायंस जियो

अमेरिका की कंपनी डेटाब्रिक्स 134 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ इस लिस्ट में छठे नंबर पर है जबकि वेमो 126 अरब डॉलर की वैल्यू के साथ सातवें नंबर पर है। भारत की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी रिलायंस रिटेल 101 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में आठवें नंबर पर है। ब्रिटिश कंपनी रिवोल्ट 75 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ नौवें और चीन की शीन 66 अरब डॉलर के साथ दसवें नंबर पर है। अमेरिका की कंपनी एंडुरिल इंडस्ट्रीज को 61 अरब डॉलर की वैल्यूएशन के साथ 11वां नंबर मिला है। भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो 58 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में 12वें नंबर पर है। रैंप 44 अरब डॉलर के साथ 13वें, ऑस्ट्रेलिया की कैन्वा 42 अरब डॉलर के साथ 14वें और ब्रिटेन की चेकआउट.कॉम 40 अरब डॉलर के साथ 15वें नंबर पर है।

बिस्कुट बनाने वाली कंपनी को एफएसएसएआई ने भेजा नोटिस, ग्राहक की शिकायत पर की कार्रवाई

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने बिस्कुट बनाने वाली कंपनी एसएजे फूड प्रोडक्ट्स कंपनी को नोटिस जारी किया है।

अथॉरिटी ने एक ग्राहक की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। शिकायत में कहा गया था कि कंपनी अपने ईट फिट डाइजेस्टिव बिस्कुट के 100 फीसदी आटे से बने होने का दावा करती है लेकिन इनग्रेडिएंट्स लिस्ट में 72.33% आटे की बात कही गई है।

इसलिए कंपनी का यह दावा ग्राहकों को गुमराह करने वाला है। एफएसएसएआई ने कंपनी को सात दिन के भीतर जवाब देने को कहा है। अथॉरिटी का कहना है कि कंपनी के कई दावे ग्राहकों को गुमराह करने वाले हैं। मसलन नो एडेड शुगर वाला दावा भ्रामक है क्योंकि प्रोडक्ट में माल्टोडेक्सट्रिन और ग्लूकोज सिरप सॉलिड मिलाया गया है। इसी तरह 100% आटा वाला दावा भी गुमराह करने वाला है क्योंकि प्रोडक्ट में अन्य सामग्री और एडिटिव्स भी शामिल हैं।

कंपनी को निर्देश

अथॉरिटी ने कंपनियों को 100 फीसदी के दावों को हटाने के लिए कहा है। इसलिए कंपनी का यह दावा अथॉरिटी की गाइडलाइन के मुताबिक नहीं है। अथॉरिटी ने कहा कि ईट फिट डाइजेस्टिव नाम के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018 के तहत वैज्ञानिक आधार की आवश्यकता होगी।

रेगुलेटर ने एसएजे फूड प्रोडक्ट्स को सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा है। अथॉरिटी का कहना है कि अगर कंपनी संतोषजनक जवाब नहीं देती है तो उसके खिलाफ फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

वाडीलाल में तीन दशक पुराने समझौते को लेकर फिर उठा विवाद, बॉम्बे हाई कोर्ट में पहुंचा मामला

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)।देश की प्रमुख आइसक्रीम ब्रांड्स में से एक वाडीलाल को कंट्रोल करने वाले गांधी परिवार में फिर विवाद पैदा हो गया है। इसकी जड़ में तीन दशक पुराना एक पारिवारिक समझौता है। इसके तहत कंपनी के कंट्रोल को बांटा गया था। लेकिन इसे लेकर गांधी फैमिली की मुंबई और अहमदाबाद गुटों के बीच विवाद हो गया है। मुंबई गुट ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

1993 के समझौते के मुताबिक फैमिली बिजनेस को मुंबई और अहमदाबाद गुटों के बीच बांटा गया था। मुंबई गुट चाहता है कि अहमदाबाद गुट को उन आइसक्रीम और जूस की मैन्युफैक्चरिंग, बिक्री, डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग में दखल देने से रोका जाए, जिन्हें बेचने का अधिकार 1993 के पारिवारिक समझौते के तहत उसे मिला है। शैलेश गांधी की अगुवाई वाली वाडीलाल डेयरी इंटरनेशनल ने एक याचिका में अंतरिम राहत की मांग की है। उसका कहना है कि अहमदाबाद गुट के सदस्यों, वाडीलाल इंडस्ट्रीज और उनसे जुड़ी कंपनियों को वाडीलाल ब्रांड के तहत आइसक्रीम और जूस के मैन्युफैक्चरिंग, बिक्री, डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग में दखल देने से रोका जाए।

सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस अमित बोरकर ने आदेश सुरक्षित रख लिया। मुंबई गुट के वकील ने तर्क दिया कि अहमदाबाद गुट मुंबई ग्रुप को खरीदना चाहता था, लेकिन उसने ट्रांजैक्शन पूरा करने से इनकार कर दिया। इस कारण कई विवाद पैदा हुए हैं।

मुंबई गुट का कहना है कि 1993 के समझौते के तहत उसे महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश-तेलंगाना में आइसक्रीम और जूस के लिए वाडीलाल ब्रांड का इस्तेमाल करने का अधिकार मिला है। इसके बदले में उसने ग्रुप की ट्रेडमार्क-होल्डिंग कंपनी में अपनी हिस्सेदारी छोड़ दी थी। मुंबई गुट ने यह भी आरोप लगाया कि अहमदाबाद गुट ने उसके कारोबार को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें अमेरिका में ट्रेडमार्क से जुड़ा मुकदमा, क्वालिटी से जुड़े आरोप, प्रोडक्ट वापस मंगाने की मांग और फैक्ट्रियों का निरीक्षण करने की कोशिशें शामिल हैं।

टाटा संस की कमाई और प्रॉफिट में जबरदस्त इजाफा

टाटा ट्रस्ट्स को दोगुना से ज्यादा डिविडेंड

नई दिल्ली,27 जून (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने फाइनेंशियल ईयर 2026 में अपने मौजूदा और नए बिजनेसेज में जबरदस्त ग्रोथ दर्ज की है। सूत्रों के मुताबिक जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता वाले मुश्किल ग्लोबल बिजनेस माहौल के बावजूद स्टैंडअलोन आधार पर टाटा संस ने ऑपरेशन्स से लगभग 42,000 करोड़ की कमाई की जबकि इस दौरान उसका नेट प्रॉफिट करीब 32,000 करोड़ रहने का अनुमान है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने अपने मुख्य शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स को दिए जाने वाले डिविडेंड पेमेंट को भी दोगुने से ज्यादा बढ़ाकर 3,000 करोड़ से ज्यादा कर दिया है। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की लगभग 66% हिस्सेदारी है। टाटा संस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। साबुन से लेकर स्टील तक का कारोबार करने वाले इस ग्रुप की इन्वेस्टमेंट होल्डिंग कंपनी टाटा संस की 323 सब्सिडियरी, 39 एसोसिएट और 32 जॉइंट वेंचर कंपनियां हैं।

नए बिजनेसेज का प्रदर्शन

फाइनेंशियल ईयर 2025 में कंपनी का रेवेन्यू 12% गिरकर 38,834.58 करोड़ रह गया था। इसी तरह टैक्स के बाद प्रॉफिट भी 24% गिरकर 26,231.74 करोड़ रह गया था। हालांकि इसके बावजूद कंपनी का डिविडेंड दोगुना होकर 1,414.5 करोड़ हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि ग्रुप को कई मुख्य ऑपरेटिंग कंपनियों से काफी योगदान मिला। इनमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, टाटा मोटर्स, टाटा कैपिटल, टाटा कंज्यूमर, टाइटन, टाटा स्टील और आईएचसीएल शामिल हैं। नए बिजनेसेज में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का कारोबार काफी बढ़ा है। इसी तरह टाटा डिजिटल भी धीरे-धीरे मुनाफे की ओर बढ़ रही है। क्रोमा का ईबीआईटीडीए भी पॉजिटिव हो गया है। साथ ही एयर इंडिया का नुकसान भी धीरे-धीरे कंट्रोल में लाया जा रहा है। नए बिजनेसेज ने भी इन्वेस्टमेंट और शुरुआती दौर में होने के बावजूद मजबूत परफॉर्मेंस दी है।

ग्रुप का मार्केट कैप

फाइनेंशियल ईयर 2026 के दौरान टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप लगभग 11.6% गिर गया। यह फिस्कल ईयर के आखिर तक लगभग 3.2 लाख करोड़ घटकर 24.39 लाख करोड़ रह गया। उसके बाद से ग्रुप की मार्केट वैल्यू में लगभग 5.4% की रिकवरी हुई है। 25 जून तक इसमें लगभग 1.31 लाख करोड़ जुड़कर यह 25.70 लाख करोड़ हो गई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	04-56 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	कर्क	07-08 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	09-20 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या	11-26 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	13-32 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक	15-42 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	17-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	20-01 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	21-52 बजे
			मीन	23-30 बजे
			मेष	01-06 बजे
			वृष	02-56 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-47
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -49
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ रविवार 28 June 2026
तिथि - शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 03-06 रात्री तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - ज्येष्ठा 01-08 रात्री तक उप मूल
योग. - शुभ 13-29 तक उप शुक्ल
करण - गर 13-55 तक उप वणिज

विशेष: पूर्णिमा व्रत,कबीर ज.नक्षत्र शांति वट सावित्री व्रतं पूर्ण

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 17-15 से 18-53 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 05-47 - 07-24 अशुभ	शुभ। 18-49 - 20-15 शुभ
चंचल 07-24 - 09-03 शुभ	अमृत 20-15 - 21-36 शुभ
लाभ 09-03 - 10-41 शुभ	चंचल 21-36 - 22-58 शुभ
अमृत 10-41 - 12-19 शुभ	रोग 22-58 - 00-20 अशुभ
काल 12-19 - 13-58 अशुभ	काल 00-20 - 01-41 अशुभ
शुभ 13-58 - 15-36 शुभ	लाभ 01-41 - 03-03 शुभ
रोग 15-36 - 17-15 अशुभ	उत्पात 03-03 - 04-24 अशुभ
उत्पात 17-15 - 18-49 अशुभ	शुभ 04-24 - 05-47- शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है ।दूसरे विकल्प खुले रखें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

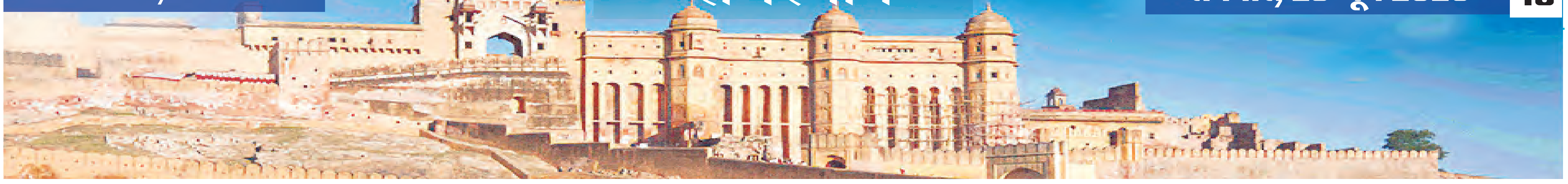

'युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा'

टीकाराम जूली ने रोजगार के मुद्दे पर बीजेपी सरकार को घेरा

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार में रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने की इच्छाशक्ति खत्म हो चुकी है, जिसके कारण प्रदेश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत युवाओं को उद्यमी बनाने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन बैंकों की धीमी कार्यप्रणाली के कारण हजारों आवेदन अब भी लंबित हैं। उनका आरोप है कि कई जिलों में 30 प्रतिशत आवेदन भी बैंकों तक नहीं पहुंच पाए हैं। उन्होंने कहा कि जब आवेदन ही आगे नहीं बढ़ेंगे तो युवाओं को ऋण कैसे मिलेगा और वे अपना व्यवसाय कैसे शुरू करेंगे। उन्होंने लंबित मामलों की उच्चस्तरीय समीक्षा कर लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष ने 'राइजिंग राजस्थान' अभियान को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि निवेश समझौतों का व्यापक प्रचार किया गया, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उनके अनुसार, घोषित परियोजनाओं में से केवल 3,895 पर ही काम शुरू हो पाया है, जबकि 83 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं अब भी कागजों तक सीमित हैं। जूली ने कहा कि केवल एमओयू और निवेश के आंकड़े गिनाने से युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा। सरकार को इवेंट आधारित प्रचार छोड़कर वास्तविक निवेश, उद्योग स्थापना और रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए।

टीकाराम जूली ने पचपदरा रिफाइनरी परियोजना का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने राजनीतिक कारणों से इस महत्वपूर्ण परियोजना में अनावश्यक देरी की। उनका कहना था कि यदि यह परियोजना समय पर पूरी हो जाती, तो प्रदेश के लाखों युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिल सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं के हितों की अनदेखी कर रही है। रोजगार, स्वरोजगार और औद्योगिक विकास से जुड़े मामलों में सरकार अपेक्षित परिणाम देने में विफल रही है।

जूली ने कहा कि अब राजस्थान का युवा केवल घोषणाओं और बड़े-बड़े वादों से संतुष्ट नहीं होगा,

केंद्रीय मंत्री शेखावत का दावा: अगले 3 महीने में जोधपुर पहुंचेगा लिफ्ट कैनाल फेज-3 का पानी

जोधपुर, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि लिफ्ट कैनाल परियोजना का तीसरा चरण जोधपुर और जिले की अधिकांश पेयजल योजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने परियोजना को वर्षों तक लटकाए रखा और आवश्यक वन एवं रेलवे स्वीकृतियां तक नहीं ली थीं। अब सभी बाधाएं दूर कर दी गई हैं और अगले तीन-चार महीनों में तीसरे फेज का पानी जोधपुर तक पहुंचने लगेगा।

शनिवार को मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि गर्मियों और इंदिरा गांधी नहर के क्लोजर के दौरान पेयजल संकट से निपटने के लिए उन्होंने जलशक्ति मंत्री रहते हुए चार अतिरिक्त जलाशयों को स्वीकृति दिलाई थी। इनमें फलसूंड जलाशय में पानी भरना शुरू हो चुका है। शेष जलाशयों में भी शीघ्र पानी भरने की प्रक्रिया शुरू होगी। एक जलाशय में तकनीकी और राजस्व संबंधी विवाद है, जिसे भी जल्द सुलझाने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लिफ्ट कैनाल के तीसरे चरण का केवल एक तकनीकी कार्य शेष है, जिसमें मुख्य नहर के ऊपर पुलनुमा संरचना बनाकर पाइपलाइन निकाली जानी है। इसे भी अगले एक महीने में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। परियोजना पूरी होने के बाद जोधपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में बड़ा सुधार होगा।

यमुना जल समझौते का उल्लेख करते हुए शेखावत ने कहा कि राजस्थान के हिस्से का पानी वर्षों तक हरियाणा और राजस्थान के बीच सहमति नहीं बनने से अटका रहा। जलशक्ति मंत्री रहते हुए उन्होंने दोनों राज्यों के बीच सहमति बनाने के प्रयास किए, लेकिन तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने अपेक्षित सहयोग नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा सरकार बनने के बाद 15 दिनों के भीतर समझौता कराया गया, डीपीआर तैयार हो चुकी है और इसके लागू होने पर शेखावाटी सहित हरियाणा के सीमावर्ती जल संकटग्रस्त क्षेत्रों को स्थायी राहत मिलेगी।

जोधपुर एयरपोर्ट के विस्तार पर शेखावत ने कहा कि यह केवल भवन निर्माण नहीं, बल्कि पश्चिमी राजस्थान के विकास की बड़ी आधारशिला है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक एयरपोर्ट पर एक समय में केवल दो बड़े विमान खड़े हो सकते थे और रात में या खराब मौसम में विमान उतरने की सुविधा भी नहीं थी। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एयरपोर्ट का व्यापक विस्तार किया गया। अब यहां एक साथ 12 विमान खड़े किए जा सकेंगे। यात्री संभालने की क्षमता लगभग दस गुना बढ़ गई है। आधुनिक तकनीक और भविष्य की 35 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर एयरपोर्ट का विकास किया गया है।

कांग्रेस में विश्वेन्द्र सिंह का 'पॉलिटिकल बम'

भरतपुर की राजनीति में मची हलचल

भरतपुर, 27 जून (एजेंसियां)। भरतपुर कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए भरतपुर और डीग जिला कांग्रेस संगठन पर सीधा हमला बोलते हुए दोनों जिलाध्यक्षों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। उनकी पोस्ट के बाद जिले की कांग्रेस राजनीति में हलचल तेज हो गई और संगठन के भीतर नई चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी पोस्ट में कहा कि भरतपुर और डीग दोनों जिला कांग्रेस कमेटियों के जिला मुख्यालय पर आज तक पार्टी का स्थायी कार्यालय तक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होती और संगठन उनसे लगातार दूर होता जा रहा है।

विश्वेन्द्र सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी का जन्मदिन तक दोनों जिलाध्यक्ष याद नहीं रख सके, जो संगठन की सक्रियता पर सवाल खड़ा करता है। पूर्व मंत्री ने भरतपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सूपा और डीग जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव सिंह की कार्यप्रणाली को सीधे निशाने पर लिया। उनकी इस सार्वजनिक टिप्पणी के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई। कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि पार्टी के वरिष्ठ नेता ही जिला नेतृत्व से संतुष्ट नहीं हैं तो निकाय चुनाव, पंचायत राज चुनाव और भविष्य के विधानसभा चुनावों में संगठन को मजबूती कैसे मिलेगी।

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि भरतपुर और डीग जिला कार्यकारिणी के गठन में विश्वेन्द्र सिंह समर्थकों को अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया था। ऐसे में उनकी यह नाराजगी संगठनात्मक असंतोष के रूप में भी देखी जा रही है।

गौरतलब है कि भरतपुर और डीग की सातों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि भरतपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की सांसद संजना जाटव निर्वाचित हैं और उनकी जीत में विश्वेन्द्र सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। हाल ही में जाट आरक्षण मुद्दे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सकारात्मक रवैये की सार्वजनिक सराहना कर विश्वेन्द्र सिंह पहले भी राजनीतिक चर्चाओं में रहे थे।

उधर, विश्वेन्द्र सिंह की पोस्ट पर दोनों जिलाध्यक्षों की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि पोस्ट वायरल होने के कुछ समय बाद भरतपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सुपा ने राहुल गांधी का जन्मदिन मनाने संबंधी अखबारों की कटिंग अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर दीं, जिसे राजनीतिक हलकों में विश्वेन्द्र सिंह के आरोपों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

खाटूश्यामजी आ रहे श्रद्धालुओं की कार के ऊपर ही पलट गया बेकाबू कैंटर

नीचे दबने से 3 लोगों की मौत

सीकर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटू श्याम जी के दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं के साथ नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। बाबा श्याम के दर्शन कर मरुधरा की पवित्र माटी को नमन करने का सपना संजोए ये श्रद्धालु अपनी मंजिल तक पहुंच पाते, उससे पहले ही रास्ते में हृदय विदारक दुर्घटना घटित हो गई। यह भीषण सड़क हादसा आज शनिवार सुबह हरियाणा के जींद जिले में जुलाना क्षेत्र के पास स्थित लजवाना कलां गांव के नजदीक नेशनल हाईवे 152डी पर हुआ। जींद जिले की जुलाना थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार होकर कुल 5 लोग हरियाणा के करनाल (सेक्टर-13 और सेक्टर-8) से राजस्थान में खाटू श्याम जी मंदिर के लिए रवाना हुए थे। नेशनल हाईवे 152डी पर सफर के दौरान अचानक गाड़ी के सामने एक आवारा कुत्ता आ गया। तेज रफ्तार कार के चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ब्रेक लगाए और कुत्ते को बचाने का प्रयास किया। इस प्रयास में कार का अगला बम्पर कुत्ते से थोड़ा टकरा गया, जिससे गाड़ी के अगले हिस्से को थोड़ा नुकसान पहुंचा। गाड़ी को क्या नुकसान हुआ है और आगे सफर जारी रखा जा सकता है या नहीं, यह जांचने के लिए श्रद्धालुओं ने अपनी कार को हाईवे के किनारे सुरक्षित रोक दिया। जैसे ही कार सवार लोग नीचे उतरकर अपनी गाड़ी के बम्पर और इंजन को चेक करने लगे, तभी पीछे की तरफ से अनियंत्रित ढंग से आ रहा भारी-भरकम तेज रफ्तार कैंटर मौत बनकर वहां आ पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार के पास खड़े श्रद्धालुओं को संभलने का एक सेकंड का भी मौका नहीं मिला। पीछे से आ रहे कैंटर चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए खड़ी कार और वहां सड़क किनारे खड़े लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह कैंटर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में श्रद्धालुओं की कार के ऊपर ही पूरी तरह से पलट गया, जिससे लोग उसके नीचे दब गए।

एक वाहन के सिर्फ 500 रुपए के चालान पर इतना क्यों भड़के शिव विधायक?

सीएम और पीएम तक पहुंचा दिया मैसेज

बाड़मेर, 27 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले से यातायात नियमों और आम जनता की धार्मिक आस्था के टकराव का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक स्थानीय वाहन मालिक का यातायात पुलिस द्वारा इसलिए चालान काट दिया गया क्योंकि उसकी गाड़ी के आगे उसके आराध्य और इष्ट देवता का नाम लिखा हुआ था। वाहन मालिक का दावा है कि उसकी गाड़ी में प्रदूषण, इंश्योरेंस, सीट बेल्ट या स्पीड लिमिट जैसे अन्य किसी भी प्रकार के यातायात नियमों का कोई उल्लंघन नहीं पाया गया था। इधर, भगवान का नाम लिखे होने के कारण हुई इस कार्रवाई पर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सोशल मीडिया के माध्यम से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बता दें कि पुलिस ने इस वाहन मालिक के 500 रुपए का चालान काटा है।

बाड़मेर में हुए इस चालान की फोटो और जानकारी जैसे ही शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के पास पहुंची, उन्होंने तुरंत अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। भाटी ने इस पूरी कार्रवाई को आम जनता की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ और संवेदनहीनता करार दिया।

विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने अपने संदेश में सीधे शब्दों में लिखा, राम राज्य में अपने इष्ट का नाम लिखना भी क्या गुनाह हैं?

भाटी ने इस गंभीर मामले पर हस्तक्षेप करने के लिए अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय राजस्थान मुख्यमंत्री कार्यालय राजस्थान पुलिस महानिदेशक और बाड़मेर जिला पुलिस को विधिक रूप से टैग किया।

भाटी ने कहा कि यदि प्रशासन को यातायात नियमों का पालन कराना ही है, तो उसका क्रियान्वयन रसूखदारों और आम जनता सभी के लिए समान रूप से होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को नसीहत दी कि धार्मिक आस्था और आमजन की भावनाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों में पुलिस को थोड़ी व्यवहारिकता और संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

6 बच्चों की मां को भगाने आए प्रेमी की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

6 साल से चल रहा था अफेयर

बाड़मेर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां ग्रामीण थाना इलाके के भीलों की बस्ती में अलसुबह एक युवक की लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं, जिसके कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह जब ग्रामीणों को इसकी भनक लगी, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि चौहटन सांवलोर का रहने वाला 35 वर्षीय मांगाराम (पुत्र मुकनाराम) पिछले 6 सालों से दरूड़ा ग्राम पंचायत की रहने वाली मौरू नाम की महिला के संपर्क में था। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। महिला शादीशुदा है और वह 6 बच्चों की मां है।

मृतक मांगीलाल

दरमियानी रात मांगाराम एक टैक्सी लेकर महिला के गांव पहुंचा। उसका इरादा महिला को अपने साथ भगाने का था। वह महिला को टैक्सी में बैठाकर ले जाने ही वाला था कि तभी महिला के ससुराल वालों और गांव के कुछ लोगों की नजर उन पर पड़ गई। बताया जा रहा है कि दरूड़ा ग्राम पंचायत के तहत आने वाले भीलों की बस्ती में ही मृतक युवक मांगाराम की बहन का घर यानी ससुराल है।

'मैंने कोई तथ्य नहीं छुपाया': 99 लाख की सब्सिडी मिलने पर

भागीरथ चौधरी ने दी सफाई; बोले- नियमों के तहत मिला लाभ

अजमेर, 27 जून (एजेंसियां)। खीरे की खेती के लिए करीब 99 लाख रुपये की सब्सिडी मिलने संबंधी मीडिया रिपोर्टों के बाद केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई तथ्य नहीं छिपाया और उन्हें नियमों के तहत सब्सिडी का लाभ मिला है।

एजेंसी से बातचीत के दौरान भगीरथ चौधरी ने कहा कि वह बचपन से खेती-किसानी से जुड़े रहे हैं और स्वयं एक किसान हैं। उन्होंने कहा कि पॉलीहाउस योजना के तहत हजारों किसान सब्सिडी का लाभ उठाते हैं और उन्होंने भी इसी योजना के तहत आवेदन किया था।

राज्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2018 में इस योजना के लिए आवेदन किया था। उन्होंने यह भी कहा कि उनके फार्म पर एक बोर्ड लगाया गया है, जिसमें लिए गए ऋण और प्राप्त सब्सिडी का पूरा विवरण दर्ज है। उनके अनुसार इस संबंध में कुछ भी छिपाया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि उनके फार्म पर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी कई बार निरीक्षण कर चुके हैं। इसके अलावा वहां किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि जब पूरी प्रक्रिया नियमों के अनुसार हुई और सभी जानकारियां सार्वजनिक हैं, तो फिर कुछ छिपाने का सवाल ही नहीं उठता।

रिपोर्ट के मुताबिक, अजमेर जिले के पीह गांव स्थित भागीरथ चौधरी के कृषि फार्म पर कृत्रिम तालाब और चार बड़े पॉलीहाउस बनाए गए हैं। खेत पर लगे सफेद साइनबोर्ड पर लिखा है कि यह परियोजना राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सहायता प्राप्त है। बोर्ड पर लाभार्थी के रूप में भागीरथ चौधरी का नाम और 99,60,000 रुपये की सब्सिडी का स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

जमीनी विवाद में हैवानियत की हद पार

बेटे ने पिता को सड़क पर घसीटा; फिर ट्रैक्टर से कुचलकर ली जान

झुंझुनूं, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के खेतड़ी उपखंड स्थित मेहाड़ा थाना क्षेत्र के ढोसी गांव में जमीन के विवाद ने एक परिवार को उजाड़ दिया। करीब तीन वर्षों से चल रहे पारिवारिक विवाद ने गुरुवार रात खूनी रूप ले लिया, जब एक बेटे ने अपने ही पिता की कथित तौर पर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक के दामाद बाढड़ा निवासी राकेश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि ढोसी गांव निवासी 65 वर्षीय महावीर प्रसाद गुरुवार रात घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी किसी रिश्तेदारी में घरड़ाना गई हुई थीं। रात करीब साढ़े दस बजे महावीर प्रसाद गांव की धर्मशाला के पास बैठे थे। इसी दौरान उनका 38 वर्षीय बेटा शमशेर सिंह वहां पहुंचा और जमीन को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद बढ़ने पर शमशेर सिंह ने अपने पिता के साथ मारपीट शुरू कर दी। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माना। बताया जाता है कि वह अपने पिता को पीटते हुए सड़क तक घसीटकर ले गया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने मौके पर खड़े अपने ट्रैक्टर से पिता को जानबूझकर टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महावीर प्रसाद को तत्काल खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मेहाड़ा थानाधिकारी राममनोहर ठोलिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पिता-पुत्र के बीच करीब तीन वर्षों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी कारण दोनों अलग-अलग रह रहे थे। कई बार परिजनों और ग्रामीणों ने समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हो सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। आरोपी शमशेर सिंह को हिरासत में ले लिया गया है। मृतक के शव का खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजी गई 10 किलो हेरोइन जब्त, महिला समेत 3 तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 27 जून (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हो रही नशा तस्करी के खिलाफ श्रीगंगानगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से भेजी गई 10 किलो 419 ग्राम 52 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की और एक महिला सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. कार्रवाई के दौरान 1.61 लाख रुपये नकद और तस्करी में प्रयुक्त कार भी जब्त की गई है. हेरोइन का अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 52 करोड़ रुपये आंका गया है.

पुलिस अधीक्षक हरिशंकर यादव ने बताया कि जिला प्रशासन एवं

ड्रोन से भेजी गई हेरोइन और तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ₹ऑपरेशन सीमा संकल्प₹ के तहत नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिंहनगर रामेश्वरलाल, वृत्ताधिकारी सूरतगढ़ प्रतीक मील तथा डीएसपी रायसिंहनगर हनुमान सिंह राठौड़ के निर्देशन में यह बड़ी कार्रवाई की गई.

एसपी ने बताया कि 26-27 जून की रात मुखबिर की सूचना पर जैतसर थाना पुलिस ने अनूपगढ़-सूरतगढ़ राज्य मार्ग पर नाकाबंदी की गई. इसी दौरान पंजाब नंबर वाली संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने कार का पीछा किया. इस दौरान तस्करों की कार ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया. इसके बावजूद पुलिस ने कार को घेरकर पकड़ लिया.

पत्नी के चरित्र पर था शक, पति ने कुल्हाड़ी से वार कर की हत्या

बांसवाड़ा, 27 जून (एजेंसियां)। सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र के इटाला गांव में चरित्र पर संदेह के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। पहले लाठी से मारपीट की और फिर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन महिला को उपचार के लिए बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल की ओर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वारदात के बाद से फरार आरोपी पति की पुलिस तलाश में जुटी है। थानाधिकारी धनपत सिहखले बताया कि इटाला अपनी पत्नी शोभा (30) के चरित्र पर संदेह करता था।

मौत के जबड़े से बचकर लौटा वनकर्मी, धौलपुर के जंगलों में बाघिन का अचानक हमला

धौलपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व के घने जंगलों से रोंगटे खड़े कर देने वाली एक घटना सामने आई है। सरमथुरा इलाके के रीझौनी फॉरेस्ट ब्लॉक में रूटीन चेकिंग पर निकले एक वनकर्मी का सामना सीधे बाघिन से हो गया। कैमरे की जांच करते समय झाड़ियों में घात लगाकर बैठी बाघिन 'T-117' ने वनकर्मी पर अचानक जानलेवा हमला बोल दिया। इस अचानक हुए हमले में वनकर्मी घायल हो गया, लेकिन उसके साथी की सूझबूझ और बहादुरी के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। वन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, घायल वनकर्मी की पहचान राजवीर मीणा के रूप में हुई है। राजवीर अपने साथी सोनू मीणा के साथ रीझौनी जंगल ब्लॉक में रोजाना की तरह बाघों की मॉनिटरिंग और वन्यजीवों की निगरानी के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप्स का निरीक्षण कर रहे थे। दोनों कर्मचारी अपने काम में व्यस्त थे, तभी पास की घनी झाड़ियों में छिपी बाघिन T-117 ने राजवीर पर अचानक हमला कर दिया।

बाघिन ने राजवीर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उनके हाथ और पैर पर चोटें आईं। राजवीर को संकट में देख उनके साथी सोनू मीणा ने तुरंत हिम्मत दिखाई और शोर मचाकर बाघिन का ध्यान भटकाने की कोशिश की। अचानक हुए इस विरोध के बाद बाघिन राजवीर को छोड़कर वापस घने जंगल की ओर लौट गई।

बाघिन के पीछे हटते ही सोनू ने तुरंत घटना की जानकारी वन विभाग के उच्चाधिकारियों को दी। खबर मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी देवेंद्र सिंह चौधरी राहत टीम के साथ मौके पर पहुंचे। राजवीर को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए सरमथुरा के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए धौलपुर रेफर कर दिया गया।

आरएफओ देवेंद्र सिंह चौधरी का बयान: राजवीर की स्थिति अब पूरी तरह स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्हें कोई गंभीर या गहरा घाव नहीं हुआ है। हालांकि, एहतियात के तौर पर उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चिकित्सा देखरेख में रखा गया है।

टोल प्लाजा पर ट्रक ड्राइवरों का उपद्रव, तोड़फोड़ और मारपीट

अजमेर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और हिंसक वारदात सामने आई है। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। यह पूरा बवाल भिनाय थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांदनवाड़ा-खेड़ी टोल प्लाजा पर हुआ। महज चंद रुपयों के टोल टैक्स को लेकर शुरू हुई मामूली बहस कुछ ही मिनटों में एक बड़े हिंसक संग्राम में बदल गई। ट्रक ड्राइवरों की बेकाबू भीड़ ने टोल नाके को मानो जंग का मैदान बना दिया और वहां जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान टोल पर वाहनों की कई किलोमीटर तक लंबी लाइन लग गई।

विकलांग व्यक्ति प्रगति में भागीदार हैं, सहानुभूति के पात्र नहीं : सीतक्का

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दानासारी अनुसूया सीतक्का ने कहा कि हेलेन केलर की जयंती के अवसर पर, जिन्होंने अपने पूरे जीवन विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया, तेलंगाना सरकार ने विकलांग व्यक्तियों के कल्याण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीतक्का शनिवार को प्रजा भवन में विकलांग व्यक्तियों की जरूरतों को पूरा करने वाले पड़ोस केंद्रों के लिए एसईआरपी द्वारा आयोजित ई-ऑटो वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं।

राज्य भर के 14 स्थानीय केंद्रों के लिए इन ई-ऑटो की शुरूआत इस विकास में एक महत्वपूर्ण क्षण था।

मंत्री सीतक्का ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना सरकार का दृष्टिकोण विकलांग व्यक्तियों को सहानुभूति के पात्र के बजाय सामाजिक प्रगति में अभिन्न भागीदार के रूप में मानना है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, इस जनसांख्यिकी के लिए शिक्षा, रोजगार, पुनर्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसरों का विस्तार करने के प्रयास जारी हैं। इसके अलावा, सीतक्का ने हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य भर में दिव्यांगजनों के लिए 13,000 से अधिक स्वयं सहायता समूह स्थापित किए गए हैं, जिनकी वर्तमान सदस्यता 82,000 से अधिक है। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विस्तृत विवरण दिया। स्त्री निधि के माध्यम से 38.16 करोड़ का ऋण और ग्राम महिला समूहों के माध्यम से 4.13 करोड़ का ऋण, साथ ही 11.62 करोड़ की संचित बचत हुई है। उन्होंने कहा कि 2,248 व्यक्तियों के लिए आजीविका के अवसरों का सृजन इस प्रतिबद्धता को और भी स्पष्ट करता है।

सीरवी युवा परिषद की आम सभा 30 जून को

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की विशेष बैठक 30 जून को प्रात: 11 बजे से एलबी नगर स्थित श्री आई माताजी वडेर में आयोजित होगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केसा राम सोलंकी एवं पूनाराम पंवार जोजावर ने बताया कि युवा बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सीरवी पाली की अध्यक्षता में होगी। इस बैठक मे सभी वडेरों एवं समाज की संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य शामिल होंगे। युवा शक्ति को संगठित कर समाज के विकास, संस्कारों के संरक्षण तथा नई पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए एक मजबूत एवं सर्वमान्य मंच तैयार कर इसी उद्देश्य को लेकर बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में युवा परिषद की कार्य प्रणाली, उद्देश्यों एवं समाजहित में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी एवं तेलंगाना राज्य युवा परिषद के गठन पर सुझावों एवं विचारों पर मंथन किया जाएगा।

सात वर्षीय बच्ची को बचाने वाले दंपत्ति को पुलिस आयुक्त ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने एक दंपत्ति को उनकी समयोचित और साहसिक कार्रवाई के लिए सम्मानित किया, जिनकी वजह से 7 वर्षीय बच्ची को गंभीर अपराध से बचाया जा सका। बशीरबाग स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयुक्त ने दंपत्ति कोल्लाती रमेश और मावुलम्मा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और नकद पुरस्कार प्रदान किया। यह घटना 25 जून 2026 को बोराबंडा थाना क्षेत्र में हुई थी। आरोप है कि 60 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक मोहम्मद शम्सुद्दीन ने खेल रही बच्ची को 20 का लालच देकर अपने साथ ले गया और एक सुनसान स्थान पर उसके साथ अपराध करने का प्रयास किया। इसी दौरान पास में रहने वाले दंपत्ति रमेश और मावुलम्मा ने संदिग्ध गतिविधि देखी और तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने बच्ची

को सुरक्षित बचाकर डायल 100 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर बाद में पॉक्सो एक्ट और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। इस अवसर पर आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि समाज में अपराध नियंत्रण के लिए नागरिकों की सतर्कता और भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दी जानी चाहिए और दंपत्ति द्वारा दिखाया गया साहस सभी के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में जुबली हिल्स डीसीपी रामना रेड्डी, बोराबंडा एसएचओ सुरेंद्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

चालीस करोड़ रुपये की लागत से अल्पसंख्यक गुरुकुल परिसर खोले गए

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने शनिवार को जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और तेलंगाना भर में अल्पसंख्यक आवासीय संस्थानों को मजबूत कर रही है। आदिलाबाद में 20 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अल्पसंख्यक गुरुकुल बॉयज़-2 स्कूल और जूनियर कॉलेज आवासीय स्कूल का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए शब्बीर अली ने कहा कि सरकार गरीब परिवारों के अल्पसंख्यक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक छात्र, जो पहले शिक्षा के अवसरों से वंचित थे, अब उन्हें आधुनिक स्कूल भवन, छात्रावास, मुफ्त शिक्षा, भोजन, किताबें और वर्दी उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यक शिक्षा को उच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भर में आवासीय शिक्षण संस्थानों को मजबूत किया जा रहा है ताकि गरीब और वंचित परिवारों के छात्रों को समान अवसर मिल सकें। मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार गरीब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल संस्थान शिक्षा, आवास और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करके छात्रों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। टीजीएमआरईआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी ने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक आवासीय संस्थानों में शैक्षणिक मानकों और आधुनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों को बेहतर शिक्षण वातावरण और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करना है। बाद में गणमान्य व्यक्तियों ने कक्षाओं, छात्रावासों और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया और छात्रों से बातचीत की।

सीएम की जनसभा के मद्देनजर आज नलगोंडा में यातायात प्रतिबंधित रहेगा

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की एनजी कॉलेज मैदान में होने वाली जनसभा के मद्देनजर नालगोंडा पुलिस ने रविवार को पूरे शहर में व्यापक यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की है। जिला एसपी शरत चंद्र पवार ने कहा कि ये प्रतिबंध सुचारू यातायात प्रबंधन, जन सुरक्षा और बैठक में भाग लेने वालों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मिर्यालगुडा और टिपपर्थी की ओर से आने वाले आगंतुकों कार्यक्रम स्थल तक मिरयालगुडा-टिपर्थी-दुप्पलापल्ली (पनागल के माध्यम से), या नाकरेकल-पनागल-पुल्लारेड्डी मार्ग पहुंचने से सलाह दी जाती है। कलाभारती, मेकला अभिनय स्टेडियम, आर्य समाज मैदान और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पार्किंग सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सागर, देवराकोंडा, कनागल और मुनुगोडे की तरफ से आने वाले आगंतुक ग्रामीण पुलिस स्टेशन होते हुए मुनुगोडे बाईपास से प्रवेश करें और राखिल्स कॉलोनी, वीटी कॉलोनी, एलवी पेट्रोल पंप, आरआरआर, राघवेंद्र कॉलोनी और रविंदर नगर में निर्धारित पार्किंग क्षेत्रों का उपयोग करें। पुलिस परेड ग्राउंड और बीट मार्केट में दोपहिया वाहनों के लिए विशेष पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पुलिस ने बताया कि बैठक स्थल की ओर जाने वाली सड़कों पर सामान्य यातायात अस्थायी रूप से निलंबित रहेगा, विशेष रूप से: डीटीसी-महिला महाविद्यालय-डीईओ कार्यालय से एनजी कॉलेज तक का मार्ग और क्लॉक टॉवर से एनजी कॉलेज तक का मार्ग। केवल बैठक में भाग लेने वालों को ले जाने वाले वाहनों को ही बैठक स्थल की ओर जाने की अनुमति होगी। पनागल के निवासियों को रामालयम-बस स्टैंड मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है, जबकि हैदराबाद रोड क्षेत्र के लोगों को विवेकानंद प्रतिमा जंक्शन से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना चाहिए, क्योंकि एनजी कॉलेज तक यातायात पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। एसपी ने वाहन चालकों और आम जनता से यातायात कर्मियों के साथ सहयोग करने, वैकल्पिक मार्गों का पालन करने और मुख्यमंत्री के दौरे को सुचारू रूप से संपन्न कराने में मदद करने की अपील की।

दस लाख की स्क्रैप धोखाधड़ी का किया भंडाफोड़, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने 10 लाख की पुरानी एल्युमिनियम स्क्रैप धोखाधड़ी के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सैयद सुहैल को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका साथी अब्दुल वहीद फरार है। पुलिस के अनुसार आरोपी अब्दुल वहीद ने कातेडान क्षेत्र की एक स्क्रैप दुकान को निशाना बनाया और सैयद सुहैल के साथ मिलकर फर्जी स्क्रैप सौदे की साजिश रची, जिसके तहत 17 मई को सुहैल

हैदराबाद आया और 19 मई को पीड़ित व्यापारी मोहम्मद यासर पटेल को यह विश्वास दिलाया गया कि उनके पास बड़ी मात्रा में एल्युमिनियम स्क्रैप है, जिसके बाद सौदा फाइनल करते समय आरोपी ने 10 लाख नकद एडवांस बैंक में जमा करने के बहाने ले लिए और मौके से मोबाइल बंद कर एक्टिवा वाहन पर फरार हो गया, बाद में उसने रकम का कुछ हिस्सा साथी के साथ बांटा और शेष राशि बेंगलुरू ले जाकर छिपा दी, पुलिस ने तकनीकी जांच और सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 7 लाख नकद, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और एक वाहन जब्त किया है, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

महिला ने लगाया रेप का आरोप

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने बंजारा हिल्स पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि उसके सहकर्मी ने दो मौकों पर उसके साथ बलात्कार किया। शिकायत के अनुसार, फिल्म नगर में रहने वाली और एक निजी कार्यालय में काम करने वाली महिला ने हाल ही में 19 फरवरी को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दो सहकर्मियों, अभिनय और वामसी को अपने अपार्टमेंट में आमंत्रित किया था। जश्न के बाद, तीनों ने कथित तौर पर शराब का सेवन किया। चूंकि दोनों पुरुष दूर रहते थे, इसलिए उन्होंने महिला के घर पर ही रात बिताने का फैसला किया। महिला ने आरोप लगाया कि उस रात जब वह सो रही थी, अभिनय ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया।

नितिन नबीन का दौरा तेलंगाना के लिए एक नई राजनीतिक दिशा की शुरूआत : राव

भाजपा नेताओं ने 'विजय संकल्प' सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के तीन दिवसीय महत्वपूर्ण दौरे के लिए तैयारियां कर रही है, जो शनिवार से शुरू होगा। पार्टी इस दौरे को अपने संगठनात्मक विस्तार और राज्य में भविष्य के चुनावी मुकाबलों की तैयारियों में एक बड़ा कदम बता रही है। राज्य भाजपा नेताओं को इस यात्रा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिसके दौरान पार्टी संरचना को मजबूत करने, इसके जमीनी नेटवर्क का विस्तार करने और पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका को बढ़ाने पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा।

यात्रा से पहले, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने तेलंगाना भाजपा प्रभारी अभय पाटिल, सांसद रेखा शर्मा और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ शहर के नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में 'विजय संकल्प' सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया। बूथ अध्यक्षों, बूथ एजेंटों, राज्य कार्यकारिणी सदस्यों और जीएचएमसी, मल्काजगिरि और साइबरबाद के नेताओं सहित लगभग 15,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के इस सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है। बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि नितिन नबीन की यह यात्रा तेलंगाना में भाजपा के संगठनात्मक विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने शमशाबाद में नवनिर्मित भाजपा कार्यालय का भी दौरा किया, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे। नबीन नौ अन्य जिला पार्टी कार्यालयों का भी वर्चुअल रूप से उद्घाटन करेंगे। राव ने कहा कि हालांकि नितिन नबीन पहले भी तेलंगाना का दौरा कर चुके हैं, लेकिन हैदराबाद में इतने बड़े पैमाने पर भाजपा के किसी कार्यक्रम में यह उनकी पहली भागीदारी होगी, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने और पूरे राज्य में एक मजबूत राजनीतिक संदेश जाने की उम्मीद है। तेलंगाना में अगली सरकार बनाने की पार्टी की महत्वाकांक्षा को दोहराते हुए राव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इस लक्ष्य की दिशा में काम करने का नया संकल्प लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना को पार्टी के भावी विस्तार के लिए एक प्रमुख राज्य के रूप में पहले ही चिह्नित कर लिया है। राव ने जोर देकर कहा, यह केवल हैदराबाद केंद्रित कार्यक्रम नहीं है। यह तेलंगाना के लिए एक नई राजनीतिक दिशा की शुरूआत है और इससे पूरे राज्य में भाजपा मजबूत होगी। पार्टी की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा जीएचएमसी, मलकाजगिरि और साइबराबाद क्षेत्रों में विजयी होगी और दावा किया कि बदलाव के लिए जनसमर्थन बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दल राज्य में भाजपा के उदय को रोक नहीं सकते।

गोल्ड मैन सूर्या भाई 30 लाख रुपये के धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुडा पुलिस ने सूर्या भाई उर्फ गोल्ड मैन को रियायती कीमत पर सोना आपूर्ति करने का वादा करके कथित तौर पर 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। शनिवार को यहां एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए नारायणगुडा सर्कल इंस्पेक्टर सैदेश्वर ने बताया कि आरोपी ने हयातनगर के सुनार कृष्णा चारी को बाजार भाव से कम दर पर सोना उपलब्ध कराने का झांसा दिया था। सूर्या भाई ने हिमायतनगर के एक कैफे में मुलाकात के दौरान पीड़ित से 30 लाख रुपये ले लिए। हालांकि, पैसे लेने के बाद उसने न तो वादा किया गया सोना दिया और न ही रकम वापस की। पीड़िता की शिकायत के बाद नारायणगुडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीआई ने बताया कि आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने आगे बताया कि सूर्या भाई के खिलाफ मंगलहाट पुलिस स्टेशन में एक और मामला दर्ज है। उस मामले में, उन पर दो पक्षों के बीच विवाद सुलझाने का वादा करके लोगों को ठगने का आरोप है। जांचकर्ता अतिरिक्त जानकारी जुटा रहे हैं और आगे की पूछताछ जारी है।

हत्या के मामले के चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार यह घटना बीते 25 जून की सुबह उस समय सामने आई जब स्वास्तिक शिवा डेकोरेटर्स गोदाम, पललेचेरुवु में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि 24 जून की मध्यरात्रि एक अज्ञात व्यक्ति नशे की हालत में गोदाम में घुसा था और संदिग्ध रूप से घूम रहा था। उस व्यक्ति को वहां काम कर रहे मजदूरों ने रोककर पूछताछ की, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और आक्रामक व्यवहार करने लगा। इसके बाद कुछ मजदूरों ने उसके साथ मारपीट की और उसे गोदाम में ही बंद कर दिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान चार आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बालाजी (39), नयन मंडल (23), उत्तम बेहरा उर्फ पिंटू (35), और प्रेम परिहार (26) शामिल हैं। सभी आरोपी विभिन्न स्थानों के निवासी बताए गए हैं और कुछ वहीं गोदाम परिसर में कार्यरत थे। इस कार्रवाई में मैलारदेवपल्ली पुलिस निरीक्षक बी. सत्यनारायण, उपनिरीक्षक पी. रविंदर रेड्डी और अन्य पुलिस स्टाफ ने भाग लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मिनी ट्रक की चपेट में आने से चार वर्षीय मासूम की मौत

परिजनों ने सड़क पर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मुशीराबाद क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक मिनी ट्रक की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान भोलापुर निवासी श्रीहरशा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि श्रीहरशा अपने घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान टाटा ऐस मिनी ट्रक का चालक वाहन को रिवर्स कर रहा था, तभी बच्चा उसकी चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने मुशीराबाद मुख्य सड़क पर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया और चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

निर्मल की एसएचई टीम को तेलंगाना में पहला स्थान

निर्मल, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले की एसएचई टीम ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा तथा सामाजिक अपराधों के प्रति जनजागरूकता फैलाने में उत्कृष्ट कार्य करते हुए तेलंगाना में पहला स्थान हासिल किया है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. जानकी शर्मिला ने टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि टीम पूरी निष्ठा के साथ महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है।

एसपी ने बताया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, छेड़छाड़, पॉक्सो (पीओसीएसओ) मामलों और अन्य अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए चलाए गए अभियानों के कारण टीम को यह सम्मान मिला है। उन्होंने इसे जिला पुलिस के लिए गर्व का क्षण बताते हुए एसएचई टीम के प्रभारी नरसैया की विशेष सराहना की और टीम को भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

आवारा कुत्तों के हमले में 10 भेड़ों की मौत

सिद्दिपेट, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट जिले के चौदरपल्ली गांव में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक किसान की भेड़ों पर हमला कर दिया। इस हमले में 10 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक भेड़ें घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, किसान ने अपनी भेड़ों को गांव के बाहरी इलाके में बने बाड़े में रखा था। शुक्रवार रात आवारा कुत्तों का झुंड बाड़े में घुस गया और भेड़ों पर हमला कर दिया। हमले में कई भेड़ें गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिससे किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों ने सरकार से पीड़ित किसान को उचित आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की मांग की है।

वामपंथी दलों ने राज्यव्यापी आवास अधिकार आंदोलन शुरू

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वामपंथी दलों ने शनिवार को हनमकोंडा और वारंगल जिलों में गरीब परिवारों के घरों को ध्वस्त किए जाने के खिलाफ हनमकोंडा में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने राज्य सरकार पर प्रतिशोधात्मक कार्रवाई का आरोप लगाया और आवास स्थल पट्टे (भूमि स्वामित्व) और इंदिराम्मा घरों के निर्माण की मांग की। हनमकोंडा और वारंगल जिलों की वामपंथी पार्टियों द्वारा आयोजित रैली में हजारों लोगों ने भाग लिया। विरोध प्रदर्शन एकाशिला पार्क के पास से शुरू हुआ और कालोजी सेंटर से होते हुए सूबेदारी शहीद स्मारक तक पहुंचा, जिसके बाद कलेक्ट्रेट की ओर मार्च निकाला गया। भाग लेने वाले प्रमुख वामपंथी पार्टी नेताओं में कुनामनेनी संबासिवा राव, जॉन वेस्ले, गदागोनी रवि, गुम्मदी नरसैया और तक्कल्लापल्ली श्रीनिवास राव शामिल थे। पुलिस के हस्तक्षेप और सड़क पर धरने पर बैठे कई वामपंथी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद तनाव फैल गया। कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी का विरोध किया, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस के साथ झड़प हुई।

बाद में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों को रोक दिया और विरोध में सड़क जाम कर दिया। सभा को संबोधित करते हुए, सीपीआई के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने घोषणा की कि जब तक सरकार अपने वादे पूरे नहीं करती, तब तक आवास अधिकारों के लिए संघर्ष पूरे तेलंगाना में जारी रहेगा। उन्होंने अधिकारियों पर गरीबों को निशाना बनाने और बड़े भू-हड़पने वालों और रियल एस्टेट हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और सभी पात्र लाभार्थियों के लिए तत्काल आवास पट्टे जारी करने और घरों के निर्माण की मांग की। सीपीएम के राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने सरकारी ज़मीन पर गरीब परिवारों द्वारा बनाई गई झोपड़ियों को गिराए जाने की कड़ी निंदा की और मांग की कि जिन स्थानों पर संरचनाएं ध्वस्त की गई हैं, उन्हीं स्थानों पर आवास के स्वामित्व के दस्तावेज़ जारी किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की तोड़फोड़ जारी रहने से राज्यव्यापी आंदोलन और भी तीव्र हो सकते हैं।

वामपंथी दलों ने आवास के अधिकार और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शनों की एक शृंखला की घोषणा की है, जिसमें 1 जुलाई को हनमकोंडा और वारंगल कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन और 6 जुलाई को हैदराबाद के इंदिरा पार्क में राज्य स्तरीय धरना प्रदर्शन शामिल है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

भारत और सेशेल्स ...

आज सेशेल्स की करीब 1.20 लाख आबादी में लगभग हर आठवां नागरिक भारतीय मूल का है। देश के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन के पूर्वज भी बिहार के गोपालगंज जिले से थे। ऐसे में मोदी का यह दौरा दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

पुर्तगाली नाविक वास्को द गामा ने पहली बार सेशेल्स को 1502 में खोज की थी। तब यहां पर लोगों की कोई स्थाई बसावट नहीं थी। इसके बाद कई सदियों तक अरब और यूरोपीय जहाज यहां रुकते रहे, लेकिन कोई स्थायी आबादी नहीं बनी। पहली बार 1770 में फ्रांस ने पहली स्थायी बस्ती बसाई। इसी दल में 15 फ्रांसीसी बसने वाले, 7 अफ्रीकी गुलाम और 5 भारतीय शामिल थे। इन्हें सेशेल्स का पहला स्थायी निवासी माना जाता है। इसके बाद 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार के भोजपुरी भाषी इलाकों से भी लोग यहां आकर बसने लगे। 20वीं सदी से तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी, मजदूर और निर्माण कार्य से जुड़े लोग सेशेल्स पहुंचे।

अस्पतालों-कोचिंग में ...

याचिका में इन हादसों का जिक्र है। वकील ने कहा कि देश में एक जैसा कड़ा कानून नहीं है। इसी वजह से बार-बार ऐसी लापरवाही और मौतें हो रही हैं। याचिका में लिखा है, हादसे के बाद सिर्फ कमेटी बनाना काफी नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीने का अधिकार देता है। सरकार का काम केवल शोक मनाना नहीं, बल्कि हादसों को रोकना है। याचिका में शीर्ष अदालत से कहा गया है कि सभी राज्य एक लिस्ट सौंपें। अदालत को बताया जाए कि कितनी बिल्डिंग बिना फायर एनओसी के चल रही हैं। अवैध बेसमेंट, छतों और बिना मंजूरी वाली मंजिलों पर क्लासरूम, लाइब्रेरी, कोचिंग या रेस्तरां चलाने पर तुरंत रोक लगे। बच्चों और छात्रों की सुरक्षा सबसे ऊपर होनी चाहिए। सिंगल एग्जिट यानी एक निकास वाली जगहों पर कोचिंग चलाना बंद हो।

राष्ट्रीय स्तर पर बने कड़ा नियम : पूरे देश के सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले परिसरों के लिए एक समान और सख्त राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाए।

तीन से चार महीने में हो विशेष ऑडिट : सभी राज्यों में स्कूल, कोचिंग, अस्पताल, होटल और मॉल का समय सीमा के भीतर सघन फायर ऑडिट हो।

अवैध निर्माणों पर लगे तुरंत रोक : बिना मंजूरी के चल रहे बेसमेंट, छतों, अस्थायी ढांचों और अवैध मंजिलों पर क्लासरूम, लाइब्रेरी या रेस्तरां चलाने पर पूरी तरह पाबंदी हो।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 7-1 से हराया

पिछड़ने के बाद लगातार 7 गोल दागे, सभी गोल अलग-अलग प्लेयर्स ने किए

लंदन, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से करारी शिकस्त दी। लंदन में भारतीय टीम एक समय 0-1 से पीछे चल रही थी। फिर उसने लगातार 7 गोल करके न केवल दमदार वापसी की, बल्कि पाकिस्तान को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया।

टीम इंडिया की ओर से सुखजीत सिंह (20वें मिनट), हरमनप्रीत सिंह (26वें मिनट), हार्दिक सिंह (34वें मिनट में), जुगराज सिंह, अभिषेक (41वें मिनट), राजकुमार पाल (44वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (54वें मिनट) ने एक-एक गोल दागे। पाकिस्तान से इकलौता गोल अबू महमूद (13वें मिनट) ने किया। अब भारतीय टीम लंदन चरण के अपने अंतिम मुकाबले में रविवार को इंग्लैंड से भिड़ेगी।

पाकिस्तान ने 13वें मिनट में अबू महमूद के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, भारत ने जल्दी ही जवाब दिया। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने हरमनप्रीत सिंह की पेनल्टी कॉर्नर पर आई गेंद को डिफ्लेक्ट कर स्कोर 1-1 कर दिया।

हाफ टाइम से पहले भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल स्कोर किया और भारतीय टीम को आगे कर दिया।

मैच के तीसरे क्वार्टर में भारत ने दबदबा और बढ़ा दिया। 34वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर हार्दिक सिंह ने गोल किया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान के पेनल्टी कॉर्नर विफल होने पर हुए जवाबी हमले में जुगराज सिंह ने चौथा गोल दागा।

41वें मिनट में अभिषेक ने शानदार रिवर्स हिट से भारत की बढ़त 5-1 कर दी। 44वें मिनट में लगातार मिले पेनल्टी कॉर्नर के बाद राजकुमार पाल ने रीबाउंड पर गोल किया। 54वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने मंदीप सिंह के पास पर गोल कर भारत की 7-1 की जीत तय कर दी।

देविका सिहाग, रौनक चौहान और किंदाबी श्रीकांत यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

देविका सिहाग, रौनक चौहान और किंदाबी श्रीकांत

कैलिफोर्निया, 27 जून (एजेंसियां) भारतीय शटलर देविका सिहाग, रौनक चौहान और किंदाबी श्रीकांत ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कैलिफोर्निया के टाइटन जिम में खेले गये मुकाबले में देविका सिहाग ने जापान की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन रिको गुंजी को हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 21 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने दबाव में भी संयम बनाए रखते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 22-20, 21-19 से हराया और बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 स्पर्धा के अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। बैडमिंटन रैंकिंग में 35वें स्थान पर मौजूद देविका सिहाग अब इस सीज़न के अपने तीसरे सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं; इससे पहले उन्होंने इस साल की शुरुआत में थाईलैंड मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब और अज़रबैजान इंटरनेशनल जीता था।

अगले दौर में सिहाग का मुकाबला डेनमार्क की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफरसेन से होगा, जिन्होंने भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया।

एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा सितंबर-अक्तूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की है। 28 वर्षीय और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने हाल ही में चोट से उबरने के बाद वापसी की है।

सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले उन्हें पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने इस सीजन की देर से शुरुआत करते हुए दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। नीरज ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी भागीदारी की पुष्टि पहले ही कर दी थी, लेकिन उन्होंने 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक आईची-नागोया (जापान) में होने वाले एशियाई खेलों में खेलने को लेकर स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा था। आदिल सुमारीवाला ने कहा, हां नीरज राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल दोनों में भाग लेंगे। वह पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं और अब चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने अपने पहले ही इवेंट में 85.69 मीटर का थ्रो किया, जो कि शानदार है। नीरज ने चीन में हुए पिछले एशियाई खेलों में 88 मीटर (88.88 मीटर) के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था और अब वह पहले ही 86 मीटर के करीब पहुंच चुके हैं। ऐसे में हमें कोई कारण नहीं दिखता कि वह राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल दोनों में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं करेंगे।

एएफआई की चयन समिति द्वारा चल रही राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन यानी रविवार को एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। जापान में नीरज चोपड़ा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरागे ने इस साल 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है और दो डायमंड लीग खिताब जीते हैं। वहीं, ओलंपिक चैंपियन नदीम भी इस रेस में शामिल हो सकते हैं, जिससे मुकाबला बेहद प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने 19 जून को दोहा डायमंड लीग से अपना नाम वापस ले लिया था।

नीरज चोपड़ा को पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 32 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जा चुका है। 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले इन खेलों से पहले नीरज किसी और प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं या नहीं, इसका फैसला एएफआई ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष सुमारीवाला ने कहा, हमने यह फैसला उन पर छोड़ दिया है। उनकी मेडिकल टीम, उनके कोच और सभी लोग एक साथ बैठकर तय करेंगे कि उनके लिए कौन सी प्रतियोगिताएं सबसे सही रहेगी। मुख्य बात उनका क्वालिफाई करना था, जो उन्होंने कर लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम का ऐलान

मीराबाई चानू

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। दो बार की राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन मीराबाई चानू एक बार फिर ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम की अगुआई करेंगी। भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ ने गुरुवार को 11 सदस्यीय टीम की घोषणा की। राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे, जबकि वेटलिफ्टिंग स्पर्धाएं 26 से 30 जुलाई के बीच एसईसी आर्माडिलो एरिना में आयोजित होंगी।

महिला टीम में मीराबाई के साथ 58 किलोग्राम वर्ग में बिंद्यारानी देवी और 69 किलोग्राम वर्ग में हरजिंदर कौर भी टीम का हिस्सा हैं। दोनों ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। जबकि पुरुष टीम में बर्मिंघम 2022 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा) हैं।

उनके अलावा ऋषिकांता सिंह (60 किग्रा), एम राजा (65 किग्रा), अजय बाबू (79 किग्रा) और दिलबाग सिंह (94 किग्रा) पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स खेलेंगे।

श्रीलंका-वेस्टइंडीज पहला टेस्ट बराबरी पर

308 के जवाब में विंडीज का स्कोर 271/5, जंगू की पहली फिफ्टी

पहली फिफ्टी सेलिब्रेट करते आमिर जंगू

एंटीगुआ, 27 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे का पहला टेस्ट मैच बराबरी पर है। 308 रन के जवाब में विंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 271 रन बना लिए हैं। कैरेबियाई टीम महज 37 रन पीछे है।

दूसरे दिन स्टंप्स तक आमिर जंगू 78 और रोस्टन चेज 42 रन पर नाबाद लौटे। दोनों के बीच 103 रन की साझेदारी हो चुकी है। इसी साझेदारी ने कैरेबियंस की वापसी कराई है।

एंटीगुआ के सर विव रिचर्ड्स स्टेडियम में चल रहे मैच के पहले दिन श्रीलंकाई टीम 308 रन पर ऑलआउट हो गई थी। धनंजय डी सिल्वा (120 रन) ने शतक लगाया।

वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल (39) और ब्रैंडन किंग (31) ने पहले विकेट के लिए उपयोगी साझेदारी की। दोनों ने नई गेंद का अच्छी तरह सामना किया। दोनों ने टीम को लंच तक एक विकेट पर 89 रन तक पहुंचाया। हालांकि, टीम ने पहला सेशन समाप्त होते-होते ब्रैंडन किंग का विकेट गंवा दिया। वे 52 बॉल पर 31 रन बनाकर मिलन रथनायके की गेंद पर कैच आउट हो गए।

लंच के बाद श्रीलंका ने शानदार वापसी की। बाएं हाथ के स्पिनर सोनल दिनुशा ने कैंपबेल को आउट किया, जबकि मिलान रत्नायके ने किर्क मैकेंजी हज को चलता किया। इसके बाद जोशुआ डा सिल्वा (20) और जंगू ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन डी सिल्वा भी ज्यादा देर टिक नहीं सके।

श्रीलंका को तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की चोट का भी नुकसान उठाना पड़ा। हैमस्ट्रिंग में तकलीफ के कारण वे शुरुआती ओवर के बाद मैदान से बाहर चले गए। फिर गेंदबाजी नहीं कर सके। इससे श्रीलंका का आक्रमण कमजोर पड़ गया। आखिरी सेशन में जंगू व चेज ने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरा टेस्ट खेल रहे अमीर जंगू ने कठिन परिस्थितियों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 78 रन बनाए। उन्होंने 174 गेंदों का सामना करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक लगाया। शाई होप के चोटिल होने के बाद टीम में मिले मौके का जंगू ने पूरा फायदा उठाया।

प्रवीण चित्रवेल ने ट्रिपल जंप में खिताब जीतकर एशियाई खेलों के लिए किया क्वालिफाई

भुवनेश्वर, 27 जून (एजेंसियां)। एथलीट प्रवीण चित्रवेल ने नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में कड़े मुकाबले के बीच पुरुषों की ट्रिपल जंप का खिताब जीता। इस इवेंट में चित्रवेल सहित छह एथलीटों ने एशियाई खेलों का क्वालिफाइंग स्टैंडर्ड पार किया। 25 साल के भारतीय एथलीट प्रवीण चित्रवेल ने शुकवार को हुए मुकाबले में 16.92 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के एशियाई खेल 2026 के 16.28 मीटर के क्वालिफाइंग मार्क को आसानी से पार कर लिया। कार्तिक यू 16.80 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि सेल्वा प्रभु 16.79 मीटर के साथ शीर्ष तीन में शामिल हुए; इन दोनों ने भी क्वालिफाइंग स्टैंडर्ड पार किया।

पूर्व एशियाई चैंपियन अब्दुल्ला अबूबकर, जिन्होंने मार्च में इंडियन ओपन जंप्स का खिताब जीतने के लिए चित्रवेल को हराया था, 16.54 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। मोहनराज जे (16.53 मीटर) और गैली वेनिस्टर (16.48 मीटर) ने भी क्वालिफाइंग मार्क पार किया।

तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने वापसी की, डकेट का शतक

दूसरे दिन स्कोर 223/2, रूट-बेथेल नाबाद; न्यूजीलैंड 438 पर ऑलआउट

नॉटिंघम, 27 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज में चल रहे तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार वापसी की। टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में दो विकेट पर 223 रन बना लिए हैं। जो रूट 21 और जैकब बेथेल 74 रन पर नाबाद हैं। जबकि ओपनर बेन डकेट शतक बनाकर आउट हुए।

नॉटिंघम में खेले जा रहे मैच के पहले दिन टॉस जीतकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 438 रन पर ऑलआउट हो गई थी। उसके ओपनर्स ने रिकॉर्ड 317 रन ही साझेदारी की थी। टॉम लैथम ने 151 और डेवोन कॉन्वे ने 157 रन बनाए थे।

लंच के बाद बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने महज 8 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां पर ओपनर एमिलियो गे जीरो पर आउट हुए। उन्हें 5 गेंद का सामना किया, लेकिन कोई रन नहीं बना सके। गे को विल ओरूर्क ने विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल के हाथों कैच कराया।

पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद 31 साल के ओपनर बेन डकेट ने मोर्चा संभाला। उन्होंने अपने घरेलू मैदान पर सिर्फ 88 गेंद पर अपना 7वां टेस्ट शतक पूरा किया। यह टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज शतकों में दूसरा रहा। इससे पहले डकेट ने 2024 में भारत के खिलाफ राजकोट टेस्ट में इससे भी तेज शतक लगाया था।

डकेट को आठ रन के स्कोर पर जीवनदान मिला था, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। आखिरकार नाथन स्मिथ ने उन्हें बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया। डकेट ने 98 गेंदों में 113 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उन्होंने 18 चौके लगाए।

डकट के आउट होने के बाद जैकब बेथेल ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 74 रन बनाए। उनके साथ अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 21 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। डकट और बेथेल ने दूसरे विकेट के लिए 179 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

महिला विश्व कप: श्रीलंका आखिरी ओवर में 3 विकेट से जीती

चामरी अटापट्टू

मैनचेस्टर, 27 जून (एजेंसियां)। कप्तान चामरी अटापट्टू (33) के बाद आखिरी ओवर में नीलाक्षिका सिल्वा (नाबाद 21) रनों की जूझारू पारियों की मदद से श्रीलंका ने महिला टी-20 विश्वकप के 25वें मुकाबले में स्कॉटलैंड पर एक गेंद शेष रहते तीन विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत से श्रीलंका अंक के मामले में वेस्टइंडीज के बराबर तो आ गए, लेकिन उनके सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उन्हें अपने नेट रन रेट को बेहतर बनाने के लिए स्कॉटलैंड को बुरी तरह हराने की जरूरत थी। श्रीलंका ने पहली बार टी-20 विश्व कप में तीन मैच जीते हैं। 152 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, चामरी अटापट्टू ने तेज शुरुआत की। उन्होंने पहले ओवर में दो चौके लगाए और फिर अगले ओवर में 3 चौके और एक छक्का जड़कर 11 गेंदों में 26 रन बना लिए। रेचल स्लेटर ने इमेशा दुलानी को आउट किया, जिसके बाद हसिनी परेरा क्रीज पर आईं और उन्होंने लगातार चौके लगाकर अपनी पारी शुरू की। श्रीलंका का स्कोर पांचवें ओवर में 50 रन तक पहुंच गया। पावरप्ले के आखिरी ओवर में, कैथरीन फ्रेज़र ने अटापट्टू को बोल्ड करके टीम को अहम सफलता दिलाई। नई बल्लेबाज हर्षिता समरविक्रमा ने उसी ओवर में कुछ बाउंड्री लगाईं और श्रीलंका ने पहले छह ओवरों में 65/2 रन बनाए। स्कॉटलैंड ने वापसी करते हुए अगले चार ओवरों में बिना कोई बाउंड्री दिए दो विकेट चटकाए। जब कैथरीन ब्राइस ने हर्षिता को आउट किया, तो श्रीलंका को आधी टीम गंवाने के बाद 7.3 ओवर में 50 रनों की जरूरत थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच जिताऊ 54 रन बनाने वाली नीलाक्षिका सिल्वा ने संयम बनाए रखा और 21 गेंदों में 21 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। स्कॉटलैंड ने अंत तक कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में कुछ गलतियों (कैच छोड़ना और वाइड गेंदें) का उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा।

इससे पहले स्कॉटलैंड ने पहले दो ओवरों में 21 रन बनाए, लेकिन श्रीलंका ने पारी के पहले हाफ में उन्हें रोककर रखा। लगातार बाउंड्री लगाने के बावजूद स्कॉटलैंड का डॉट बॉल प्रतिशत अधिक रहा, जिसका मतलब था कि उनकी पारी के ज़्यादातर समय उनका रन रेट मुश्किल से 6 के आसपास ही घूम रहा था। 15 ओवर के बाद स्कॉटलैंड का स्कोर 100/3 था और उनके टॉप तीन बल्लेबाज़ों में से कोई भी अच्छी शुरुआत का फ़ायदा नहीं उठा पाया। डार्सी कार्टर (34), कैथरीन फ्रेजर (12) और कप्तान कैथरीन ब्राइस (23) रन बनाकर आउट हुईं। एयलसा लिस्टर (26) रनआउट हुईं। सारा ब्राइस ने 33 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (नाबाद 47) रन बनाये। उन्होंने आइल्सा लिस्टर के साथ मिलकर डेथ ओवर्स में स्कॉटलैंड को जरूरी मोमेंटम दिया। जहां दोनों ने कई बाउंड्री लगाईं, वहीं डेथ ओवर्स में नीलाक्षिका सिल्वा के दो कसी हुई गेंदबाजी वाले ओवर अहम साबित हुए, जिससे स्कॉटलैंड का स्कोर निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 151 रन रहा। श्रीलंका की ओर से मिताली अयोध्या ने दो विकेट लिये। सुगंधा कुमारी और कविशा दिलहारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

2 बार की चैंपियन उरुग्वे फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर

स्पेन ने 1-0 से हराया, ग्रुप-एच में टॉप किया; बेल्जियम और फ्रांस भी जीते

वाशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे फुटबॉल वर्ल्ड कप के लीग स्टेज से बाहर हो गई है। यूरोपियन चैंपियन स्पेन ने 1-0 से हराया। इस जीत के साथ स्पेन ने ग्रुप-एच के टॉप पर रहते हुए नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया।

स्पेन के लिए मैच का एकमात्र गोल एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उनका शॉट उरुग्वे के अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा रोक नहीं पाए। यह टूर्नामेंट में मुस्लेरा की तीसरी बड़ी गलती रही। 40 साल गोलकीपर ने हाफटाइम पर खुद को बदलने का अनुरोध किया, जिसके बाद दूसरे हाफ में सर्जियो रोचेट ने गोलपोस्ट संभाला।

इस जीत के साथ स्पेन ने 7 अंकों के साथ ग्रुप-एच में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब उसका सामना राउंड ऑफ-32 में ग्रुप जे की उपविजेता टीम ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया से होगा। केप वर्डे तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट में पहुंच गया। उसने एक अन्य मैच में सऊदी अरब के साथ गोल रहित ड्रा खेला। उरुग्वे इस एडिशन में एक भी मैच नहीं जीत सकी।

फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे अब तक इस विश्व कप से बाहर होने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई है।

स्पेन के मिडफील्डर यरेमी पीनो मैच के दौरान चोटिल हुए हैं। उनके कॉलर बोन में फ्रैक्चर की आशंका है। ऐसे में वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं।

उरुग्वे के मिडफील्डर मैनुअल उगार्ते भी घुटने की चोट के कारण स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए। हालांकि, उरुग्वे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है।

इंजरी टाइम में अगस्टिन कानोब्बियो को स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबार्सी पर खतरनाक टैकल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया।

उरुग्वे के मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, 'इस समय कोई भी बहाने नहीं सुनना चाहता। इस निराशाजनक प्रदर्शन की जिम्मेदारी मेरी है। मेरे पास बेहतरीन खिलाड़ियों का समूह था, लेकिन मैं उनसे बेहतर परिणाम नहीं दिला सका।'

2 बार की चैंपियन फ्रांस, नॉर्वे और सेनेगल ने ग्रुप-आई से राउंड ऑफ 32 में जगह बना ली। दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 हराकर ग्रुप में टॉप पोजिशन हासिल की। नॉर्वे हार के बावजूद नंबर-2 पर रहकर नॉकआउट में पहुंचा।

इस मुकाबले को एर्लिंग हालैंड और किलियन एमबाप्पे की टक्कर के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन फ्रांस की जीत के हीरो उस्मान डेम्बेले रहे। उन्होंने 7वें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। एक गोल डिजायर दुए इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किया।

एक अन्य मुकाबले में सेनेगल ने ईराक को 5-0 के बड़े अंतर से हराया। इस जीत का फायदा उसे गोल डिफरेंस में मिला। सेनेगल ने ज्यादा गोल डिफरेंस और अंकों के आधार पर तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के टॉप-5 में जगह बनाई और नॉकआउट का टिकट हासिल किया।

मनरेगा में प्रस्तावित बदलावों का तेलंगाना सरकार ने किया विरोध

जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे: उत्तम कुमार रेड्डी

बैठक में भाग लेते हुए मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी, मंत्री सीताक्का व अन्य।

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वीबी-जी राम-जी अधिनियम-2025 का कड़ा विरोध करते हुए कहा है कि राज्य के अधिकारों को कमजोर करने वाले किसी भी कानून को मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएगी। शनिवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उपसमिति की दूसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत राज मंत्री दानासरी अनसूया, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, श्रम मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि यह केवल महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) में संशोधन का मामला नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान की संघीय व्यवस्था पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों की शक्तियों का केंद्रीकरण कर ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका को कमजोर करना चाहती है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना किसानों, कृषि मजदूरों और ग्रामीण गरीबों के हितों के खिलाफ किसी भी कानून को राज्य सरकार लागू नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि कानूनी विशेषज्ञों ने उपसमिति को अवगत कराया है कि प्रस्तावित कानून की कई धाराएं संविधान के विपरीत हैं। इसलिए सरकार इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए तेलंगाना अकेला नहीं रहेगा और संघीय ढांचे में विश्वास रखने वाले अन्य राज्यों के साथ मिलकर संयुक्त संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों से संपर्क कर साझा कानूनी और राजनीतिक रणनीति पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में शामिल करीब 20 नागरिक संगठनों ने भी केंद्र के प्रस्ताव का विरोध किया और तेलंगाना का अलग रोजगार गारंटी कानून लाने का सुझाव दिया। संगठनों ने 60 दिनों की रोजगार सीमा का विरोध करते हुए प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 200 दिनों का रोजगार और कानूनी न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने की मांग की। मंत्री ने कहा कि केंद्र द्वारा प्रस्तावित 60:40 वित्तीय भागीदारी व्यवस्था से तेलंगाना पर हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार पहले ही केंद्र को विस्तृत सुझाव भेज चुकी है, लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया गया। राज्य सरकार 2 जुलाई को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कर अंतिम निर्णय लेगी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य कानून बनाने, सुप्रीम कोर्ट जाने और अन्य राज्यों के साथ संयुक्त कार्रवाई सहित सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

आईएमटी हैदराबाद का अभ्युदय-2026 कार्यक्रम संपन्न

प्रबंधन छात्रों को उद्योग की अपेक्षाओं से कराया गया अवगत

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (आईएमटी), हैदराबाद का प्रबंधन अभिविन्यास कार्यक्रम अभ्युदय-2026 शनिवार को 'प्रबंधन छात्रों से उद्योग की अपेक्षाएं: अपने बी-स्कूल के सफर का अधिकतम लाभ उठाना' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के साथ संपन्न हुआ। कॉर्पोरेट संबंध कार्यालय के प्रमुख प्रकाश पाठक के संचालन में आयोजित चर्चा में उद्योग जगत की बदलती जरूरतों और प्रबंधन छात्रों से अपेक्षित कौशल पर विस्तार से विचार किया गया। वक्ताओं ने मजबूत बुनियादी ज्ञान, निरंतर सीखने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदार उपयोग तथा बदलते माहौल के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता को सफलता के लिए आवश्यक बताया।

एएमएस के कार्यकारी निदेशक सुनील पुनिया ने छात्रों से अधिक वेतन के बजाय सीखने और व्यावहारिक अनुभव को प्राथमिकता देने की सलाह दी। वहीं, जूलस्टोवाट्स बिजनेस सॉल्यूशंस लिमिटेड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) विनीत शुक्ला ने एआई को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में अपनाने पर जोर दिया।

आरटीसी कर्मचारियों की हर मांग सरकार पूरी कर रही है : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्पष्ट किया है कि टीएसआरटीसी (तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम) के कर्मचारियों को सरकार द्वारा दिए गए प्रत्येक वादे को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ यूनियन नेता तथ्यों को तोड़-मरोड़कर कर्मचारियों और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि आरटीसी हड़ताल के दौरान उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय समिति ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगभग 14 घंटे तक विस्तृत वार्ता की थी। इस बैठक में मुख्य सचिव, वित्त, परिवहन, श्रम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित लगभग 30 कर्मचारी यूनियन प्रतिनिधियों ने भाग लिया था और सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए थे। उन्होंने कहा कि कुल 32 मांगों में से 29 मांगें निगम (आरटीसी) के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में थीं, जबकि 3 मांगें सरकार के स्तर की थीं।

प्रशासनिक स्तर की 29 मांगों पर ईडी कमेटी के माध्यम से पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सरकारी स्तर की तीन प्रमुख मांगों, आरटीसी में मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव, 2021 पीआरसी और आरटीसी का सरकार में विलय पर भी प्रक्रिया जारी है। मंत्री ने बताया कि पीआरसी के तहत घोषित 11 प्रतिशत वेतन वृद्धि जुलाई माह के वेतन से लागू कर दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। इसके लिए लेबर जॉइंट कमिश्नर सुनीता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है और जल्द ही चुनाव कार्यक्रम जारी कर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यूनियन चुनाव पहले कराना इसलिए जरूरी है ताकि विलय संबंधी समिति में केवल अधिकृत और मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि ही शामिल हों। इसी उद्देश्य से सरकार ने यह निर्णय लिया है कि पहले चुनाव कराए जाएं और फिर उसी आधार पर प्रतिनिधियों को विलय समिति में शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि विलय प्रक्रिया के लिए बनाई जा रही समिति में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को शामिल करने पर सभी पक्ष सहमत हैं, ताकि किसी भी प्रकार की भविष्य की जटिलताओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी तरीके से सभी निर्णय लागू कर रही है और कर्मचारियों के हितों की पूरी रक्षा की जा रही है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने यूनियन नेताओं से अपील की कि वे गलत प्रचार न करें और सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने हर वादे को पूरी निष्ठा के साथ पूरा कर रही है और आरटीसी कर्मचारियों के हितों की रक्षा उसकी प्राथमिकता है।

खम्मम में पंचायत सचिव 25 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक बड़े भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में, तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को खम्मम जिले के मुदिगोंडा मंडल में भानापुरम ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव थम्मीसेट्टी सुरेश को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने भानपुरम गांव में निर्माणाधीन एक कमरे के कच्चे मकान के लिए भवन निर्माण की अनुमति जारी करने और मकान नंबर आवंटित करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। छापेमारी के दौरान उसके पास से अवैध रूप से जब्त की गई धनराशि बरामद की गई। एसीबी ने बताया कि अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करके अनुचित लाभ उठाया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वारंगल स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। आगे की जांच जारी है, जबकि सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

चुनाव से पहले किए वादे कांग्रेस ने पूरे नहीं किए : केटीआर

महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र में बीआरएस कार्यकर्ता सम्मेलन

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बीआरएस के प्रमुख कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कार्यकर्ताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम और पार्टी सदस्यता अभियान को लेकर दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोला। केटीआर ने कहा कि महेश्वरम में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर ऐसा लग रहा है कि अगला विधानसभा चुनाव बीआरएस पहले ही जीत चुकी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में जनता के बीच एक ही नारा गूंज रहा है- कांग्रेस जानी चाहिए, केसीआर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान विकास और जनकल्याण साथ-साथ आगे बढ़े, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में राज्य में विकास रुक गया है और केवल अव्यवस्था तथा निराशा का माहौल बना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले कई वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया। केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार ने गुरुकुल विद्यालयों, सिंचाई परियोजनाओं, किसान सहायता योजनाओं, बिजली क्षेत्र और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर बड़े पैमाने पर निवेश किया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ। उन्होंने वर्तमान सरकार पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में यूरिया की उपलब्धता तक प्रभावित हो रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लगातार कर्ज ले रही है, लेकिन नई विकास परियोजनाओं पर कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं कर रही। फार्मा सिटी और फ्यूचर सिटी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बीआरएस की औद्योगिक विकास योजनाओं को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि फार्मा सिटी परियोजना के माध्यम से लाखों रोजगार सृजित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे आगे नहीं बढ़ाया। एसआईआर प्रक्रिया पर बोलते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे। साथ ही उन्होंने डिजिटल सदस्यता अभियान को बड़े स्तर पर सफल बनाने का आह्वान किया। केटीआर ने कहा कि पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता को विशेष पहचान पत्र उपलब्ध कराएगी और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अभी से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और संगठन की ताकत के बल पर बीआरएस फिर से सत्ता में वापसी करेगी।

साइबर अपराध के दो मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

मलकाजगिरि पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की मलकाजगिरि पुलिस ने साइबर अपराध से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में पुलिस ने अलवाल निवासी मुर्रा हरिनाथ रेड्डी उर्फ हरि को गिरफ्तार किया। उस पर आरोप है कि उसने एक व्यक्ति को व्यापार विशेषज्ञ की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 3.15 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई की। दूसरे मामले में आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले के निवासी चिकती संदीप को गिरफ्तार किया गया है। उस पर आरोप है कि उसने सीबीआई अधिकारी बनकर एक व्यक्ति को मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की धमकी दी और उससे 71.25 लाख रुपये की उगाही की। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

तापमान में गिरावट, हल्की बारिश और तेज हवाओं की संभावना

मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शनिवार को व्यापक बारिश न होने के बावजूद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि शहर में आसमान में बादल छाए रहे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शहर में अधिकतम तापमान लगभग 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने बताया कि शाम या रात के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी गरज और बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। आईएमडी ने कोत्तागुडेम, हनमकोंडा, हैदराबाद, जयनाकर भूपल्ली, जनगांव, खम्मम, कुमारम भीम, मेडचल मल्काजगिरी, महबूबाबाद, मंचेरियल, मुलुगु, नलगोंडा, रंगा रेड्डी, संगारेड्डी, वारंगल और यदाद्री भुवनगिरि जिलों के लिए पीली चेतावनी जारी की है। वहीं सिद्दीपेट और सूर्यापेट जिलों के लिए मध्यम बारिश और गरज के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने किया सीमेंट साइडिंग का निरीक्षण

परिचालन के लिए आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग की सराहना

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को मलखेड़ स्टेशन स्थित एम/एस अल्ट्राटेक सीमेंट साइडिंग का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ दक्षिण मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के. पद्मजा, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सिकंदराबाद से तांडूर तक ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) युक्त विशेष कोच में यात्रा कर ट्रैक निरीक्षण की शुरुआत की। जीपीआर प्रणाली विद्युत-चुंबकीय तरंगों के माध्यम से ट्रैक बेड की सतह के नीचे की परतों का परीक्षण कर ट्रैक की सुरक्षा का आकलन करती है। यह एक गैर-विनाशकारी तकनीक है, जिससे रेल लाइन बंद किए बिना तथा ट्रेन संचालन बाधित किए बिना ट्रैक की स्थिति का मूल्यांकन किया जा सकता है। इसके बाद महाप्रबंधक ने मलखेड़ स्थित सीमेंट साइडिंग का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपलब्ध बुनियादी ढांचे का आकलन करने के साथ-साथ माल ढुलाई परिचालन की समीक्षा की।

उन्होंने परिचालन क्षता बढ़ाने के उद्देश्य से अधिकारियों के साथ भविष्य की विकास योजनाओं पर भी चर्चा की। निरीक्षण के दौरान संजय कुमार श्रीवास्तव ने अल्ट्राटेक साइडिंग के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष का भी दौरा किया तथा ट्रेन संचालन एवं निगरानी प्रणालियों की समीक्षा की। उन्होंने नियंत्रण कक्ष में नवीनतम उपकरणों का लाइव प्रदर्शन देखा और बेहतर परिचालन के लिए आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग की सराहना की। महाप्रबंधक ने सीमेंट साइडिंग स्थित उत्पादन संयंत्र का भी निरीक्षण किया तथा लोडिंग अवसंरचना और माल प्रबंधन सुविधाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने अल्ट्राटेक के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की, जिसमें अधिकारियों ने भविष्य की विकास योजनाओं तथा माल ढुलाई परिचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न नवाचार उपकरणों के उपयोग पर प्रस्तुति दी। निरीक्षण के दौरान मलखेड़ स्टेशन पर स्थानीय नागरिकों और अन्य हितधारकों ने रेल सेवाओं में सुधार संबंधी अपने सुझाव एवं मांगपत्र भी महाप्रबंधक को सौंपे। महाप्रबंधक ने संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नदी जल मुद्दों के बारे में मुख्यमंत्री को समझ की कमी : हरीश राव

जल अधिकारों से समझौता करने को लेकर सीएम की आलोचना

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर आरोप लगाया कि वे तुंगभद्रा में हुई हालिया त्रिराज्यीय बैठक को एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में पेश करते हुए राजनीतिक हितों के लिए कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल पर तेलंगाना के वैध अधिकारों से समझौता कर रहे हैं। शनिवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि नदी जल मुद्दों के बारे में मुख्यमंत्री की समझ की कमी तेलंगाना के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां बीआरएस सरकार ने अथक संघर्ष किया और प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के लिए मंजूरी हासिल की, वहीं वर्तमान कांग्रेस सरकार केंद्र और पड़ोसी राज्यों के सामने तेलंगाना के हितों का त्याग कर रही है। हरीश राव ने तुंगभद्रा बांध के फाटकों के प्रतिस्थापन पर मनाए जा रहे समारोहों पर सवाल उठाते हुए कहा कि तेलंगाना की असली चिंता नदी के पानी में अपने उचित हिस्से को सुरक्षित करना है, न कि प्रतीकात्मक कार्यक्रम। उन्होंने बताया कि कर्नाटक राजोलीबांडा डायवर्जन योजना (आरडीएस) के ऊपरी हिस्से में प्रस्तावित 35 टीएमसी नवेली जलाशय के साथ आगे बढ़ रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश आरडीएस के निचले हिस्से में 20 टीएमसी गुंड्रेवुला परियोजना की योजना बना रहा है।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से दोनों राज्य लगभग 55 टीएमसी पानी जमा कर सकेंगे, जिससे श्रीशैलम जलाशय में पानी का प्रवाह बुरी तरह प्रभावित होगा और कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई योजना और पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना सहित इस पर निर्भर सिंचाई परियोजनाएं खतरे में पड़ जाएंगी। हरीश राव ने कहा कि इन गंभीर घटनाक्रमों के बावजूद, तेलंगाना सरकार न तो किसी परियोजना का विरोध करने में विफल रही और न ही राज्य के हितों की रक्षा करने में। उन्होंने मुख्यमंत्री से उस बंद कमरे में हुई बैठक के बारे में भी स्पष्टीकरण मांगा, जिसमें केवल तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ केंद्रीय जल संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ही उपस्थित थे, जबकि तेलंगाना के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और राज्य के वरिष्ठ सिंचाई अधिकारियों को कथित तौर पर बाहर रखा गया था।

युवक ने की आत्महत्या

निजी परेशानियों से था परेशान

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के केपीएचबी कॉलोनी क्षेत्र में 24 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है। वह एक छात्रावास में रहता था और नौकरी पाने के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान में कोर्स कर रहा था। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि शहर में रहने के दौरान उसकी एक युवती से दोस्ती हुई थी और दोनों साथ रहने लगे थे। हाल के दिनों में युवती उससे दूरी बनाने लगी थी और किसी अन्य व्यक्ति के साथ देखी जा रही थी। आशंका है कि इसी कारण सतीश मानसिक तनाव में था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपार्टमेंट की लिफ्ट चौथी मंजिल से गिरी, आठ लोग घायल

एक की हालत गंभीर, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 27 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मीरपेट स्थित हनुमान नगर में शनिवार को एक अपार्टमेंट की लिफ्ट चौथी मंजिल के पास से अचानक भूतल पर गिर गई। हादसे में लिफ्ट में सवार आठ लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, सभी लोग बिक्री के लिए उपलब्ध एक फ्लैट का निरीक्षण करने अपार्टमेंट पहुंचे थे। फ्लैट देखने के बाद वे लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान लिफ्ट चौथी मंजिल के पास अचानक रुक गई और सीधे भूतल पर गिर गई, जिससे सभी यात्री घायल हो गए।

घायलों को तत्काल एलबी नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है, जबकि अन्य सात लोगों को शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आई हैं। सूचना मिलने पर मीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा लिफ्ट के खराब रखरखाव के कारण हुआ या किसी तकनीकी खराबी की वजह से।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.